শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 76 | गुवाहाटी | बुधवार, 11 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम का परिवेश खराब नहीं करें भूपेन बोरा : पीयूष पेज 3
अंडमान और निकोबार द्वीप से सेना ने दागी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल पेज 4
मुख्यमंत्री ने 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट को सौंपे नियुक्ति पत्र पेज 5
आचार संहिता के उल्लंघन की सूचना सी-विजिल पर एप पर दें, सौ मिनट... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

तुम किसी को दोष मत दो। अगर तुम अपने हाथ आगे बढ़ा कर किसी की मदद कर सकते हो तो करो, अगर नहीं कर सकते हो तो अपने हाथ बांधकर खड़े रहो। अपने वालों को शुभकामनाएं दो और उन्हें उनके रास्ते जाने दो..। आप दोष देने वाले कोई नहीं होते हैं।

– **स्वामी विवेकानंद**

इजराइल के हमले में 1500 आतंकी ढेर

यरुशलम (हि.स.)। इजराइल पर हमास के हमले और फिर इजराइल की प्रतिक्रिया के बाद युद्ध भयावह रूप ले चुका है। इस युद्ध में दोनों ओर से जवाबी हमले जोरों से चल रहे हैं। इजराइल की सेना ने 1500 हमास आतंकियों को मारे जाने का दावा किया है। साथ ही कहा है कि हमास के आतंकियों को छिपने के लिए कहीं जगह नहीं मिल रही है। इजराइली सेना ने मंगलवार को कहा कि हमास के आतंकियों के पास गाजा में छिपने के लिए कोई जगह नहीं है। इजराइली वायु सेना हर चार घंटे में फिलिस्तीनी इलाके में हवाई हमले कर रही है। इजराइली सेना ने दक्षिण में बड़े पैमाने पर नियंत्रण हासिल कर लिया है और सीमा पर पूर्ण नियंत्रण भी बहाल हो गया है। सेना के प्रवक्ता रिचर्ड हेचट ने कहा कि इजरायली क्षेत्र में हमास आतंकवादियों के 1,500 शव मिले हैं और सोमवार रात से कोई भी हमास लड़ाका इजराइल में नहीं घुसा है। इजराइली एयरफोर्स के फाइटर जेट ने गाजा पट्टी पर हमास के 500 ठिकानों पर रॉकेट दागे हैं। हमास के हमले के बाद इजराइल की एयर स्ट्राइक में 687 फिलिस्तीनी मारे गए और 3 हजार से ज्यादा घायल हैं। इजरायली पीएम नेतन्याहू बोले कि हमास के खिलाफ जवाबी कार्रवाई अभी शुरू हुई है। लेबनान बॉर्डर पर तनाव बढ़ने पर इजराइली सेना ने टैंक तैनात किए हैं। युद्ध में अब तक इजराइल के 900 लोगों की मौत हुई है, जिसमें 30 से ज्यादा बंधक हैं। प्रवक्ता ने फलिस्तीनियों को गाजा हमलों से भागकर मिस्र जाने की सलाह दी है। इस युद्ध में आम नागरिकों की भी भारी संख्या में मौत हो रही है। गाजा में सात सौ नागरिकों की जान गई है। मरने वालों में 143 बच्चे भी शामिल हैं। इजराइली सेना ने अब पीछे न हटने की घोषणा की है। अब इजराइल की सेना के निशाने पर गाजा की -शेष पृष्ठ दो पर

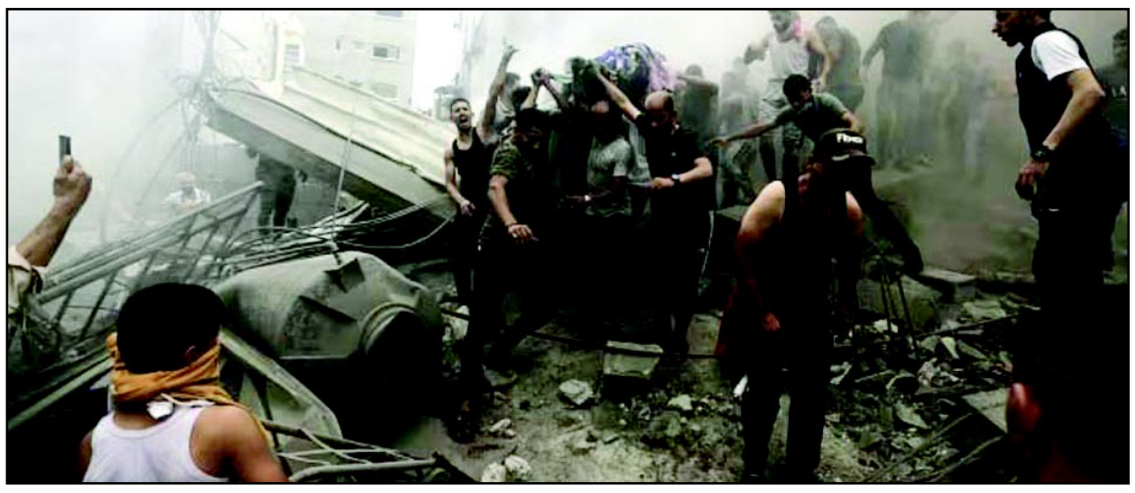

हमास के वित्त मंत्री अबू शमाला मारे गए, आलीशान कॉलोनी भी तबाह

तेल अबीब। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग चौथे दिन में प्रवेश कर गई है। इस लड़ाई में हजारों की तादाद में लोगों की जान जा चुकी है जबकि की हजार लोग घाय हैं। इसी बीच इजराइली वायुसेना ने आज हमास का बड़ा झटका दिया है। इजराइली वायुसेना ने हवाई हमले में हमास के वित्त मंत्री जवाद अबू शमाला को मार डाला है। इसके अलावा, इस हवाई हमले में अबू अहमद जकारिया मुअम्मर की भी मौत हो गई है जोकि गाजा में हमास राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य थे। इजराइल ने गाजा की सबसे आलीशान कॉलोनी को भी तबाह कर दिया। इजराइल का कहना है कि उसने युद्ध शुरू नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

सुनक ने भी हमास समर्थकों को बताया आतंकवादी

लंदन। इस्राइल और हमास के बीच पिछले चार दिनों से युद्ध जारी है। दुनिया भर में युद्ध के बाद से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। कोई इस्राइल का पक्ष ले रहा है तो कोई फलस्तीन के समर्थन में खड़ा है। इसी तरह ब्रिटेन में भी युद्ध के बाद से दो गुट सामने आए, जो सोमवार देर रात आपस में ही भिड़ गए। घटना राजधानी लंदन के हाई स्ट्रीट केंसिंग्टन ट्यूब स्टेशन की है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में जगह-जगह फलस्तीन और इस्राइल के समर्थन में -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा में विस्थापित लोगों की संपत्तियों को न हड़पें : सरकार

इंफाल। पूर्वोत्तर राज्य में पांच महीनों से चली आ रही हिंसा के कारण भागे लोगों की संपत्तियों को लेकर मणिपुर सरकार ने आदेश जारी किया है। जिसमें कहा गया कि हिंसा के कारण भागे लोगों की संपत्तियों पर अतिक्रमण न करें। आदेश में कहा गया कि इससे राज्य में कानून व्यवस्था खराब हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए मणिपुर सरकार ने विस्थापित लोगों की संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित और उनके अतिक्रमण को रोकने का निर्देश दिया है। गृह विभाग ने कहा यदि ऐसा होता है तो उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि राज्य सरकार का आदेश उन रिपोर्ट्स के बीच आया है, जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

भारत पर भी हमास जैसा हमला करेंगे : पन्नू

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का एक नया वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें वह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से सीखने की धमकी देता है, ताकि भारत में भी इसी तरह की प्रतिक्रिया न हो। अमेरिका स्थित प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के प्रमुख पन्नू ने कहा कि पंजाब से फिलिस्तीन तक अवैध कब्जे वाले लोग प्रतिक्रिया देंगे। और हिंसा से हिंसा पैदा होती है। पन्नू ने आगे कहा कि अगर भारत ने पंजाब पर कब्जा जारी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चिंतन उपाध्याय को उम्रकैद

मुंबई। मुंबई की अदालत ने मंगलवार को कलाकार चिंतन उपाध्याय को अपनी पत्नी हेमा उपाध्याय और उनकी वकील की हत्या करने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई है। हेमा और उनका वकील हरेश भमबानी की हत्या 11 दिसंबर 2015 में हुई थी। दोनों के शव को कार्डबोर्ड में भरकर मुंबई के कांदिवली इलाके में खाई में फेंक दिया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस वाई भोसले -शेष पृष्ठ दो पर

एक करोड़ युवाओं को देंगे रोजगार : योगी

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ योगी ने मंगलवार को बड़ा एलान करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 6 साल में छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी। अब आगे एक करोड़ युवाओं को रोजगार दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री लोकभवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मिशन रोजगार -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्षी दलों के पास कोई मुद्दा नहीं : सीएम जोरमथांगा

एजल। विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही दिन बचे हैं। चुनावी राज्यों में सभी पार्टी अंतिम दौर के प्रचार में जुटे हुए हैं। इस कड़ी में मिजोरम के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ एमएनएफ अध्यक्ष जोरमथांगा ने दावा किया कि विपक्षी दलों को राज्य में मिजो नेशनल फ्रंट सरकार पर आरोप लगाने के लिए कोई उचित मुद्दा नहीं मिल सका है। सोमवार को राज्य में एमएनएफ पार्टी कार्यालय *मिजो ह्रम रन* में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सीएम जोरमथांगा ने दावा किया कि विपक्ष (जोरम पीपुल्स मूवमेंट) एमएनएफ सरकार को दोष देने के लिए कोई मुद्दा नहीं जुटा सका और लोगों से एक नई राजनीतिक प्रणाली के साथ प्रयोग करने के लिए कह रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने कहा कि चूंकि विपक्ष हम पर आरोप लगाने के लिए कोई उचित मुद्दा ढूंढने में विफल रहा है इसलिए उनके पास लोगों को अपनी नई प्रणाली के साथ प्रयोग (परीक्षण) करने के लिए कहने के अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायल ने गाजा पट्टी को चारों ओर से घेरा, हमास वार्ता को तैयार

तेल अवीव/यरुशलम (हि.स.)। फिलिस्तीन के कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास के हवाई आक्रमण के बाद शुरू लड़ाई में इजरायल ने थल से लेकर नभ तक घेराबंदी कर दुश्मन को छठी का दूध याद दिला दिया है। इजरायल ने युद्ध के तीसरे दिन सोमवार को रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए गाजा पट्टी को चारों ओर से घेरकर बिजली, ईंधन और खाने-पीने के सामान की आपूर्ति रोक दी। हमास के खिलाफ निर्णायक आक्रमण में इजरायल ने तीन लाख रिजर्व सैनिक भी उतारे हैं। इससे आतंकवादी संगठन का सरगना मूसा अबू मरजूक बिलबिला गया है। उसने कहा है, संगठन के लड़ाकों ने लक्ष्य हासिल कर लिया है। हमास इजरायल से संभावित संघर्ष विराम पर बातचीत के लिए तैयार है। इस जंग में अब तक दोनों पक्ष के 1,587 लोगों की जान जा चुकी है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्राइब ऑफ नोवा संगीत समारोह पर हमास ने हमला कर इजरायल में अब तक सबसे भयानक नरसंहार किया है। हमास के सशस्त्र आतंकवादियों ने सुक्कोट में लगभग 3,500 युवा इजरायलियों पर गोलीबारी की। यह लोग यहूदी अवकाश के लिए एक साथ आए थे। इस उत्सव में आए कम से कम 260 लोग मारे गए। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गाजा पट्टी से जुड़े दक्षिणी इजरायल के शहरों, कस्बों और बस्तियों -शेष पृष्ठ दो पर

अमर्त्य सेन का निधन अफवाह : बेटी नंदना सेन

कोलकाता। नोबेल पुरयूएसकार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन स्वस्थ हैं। अमर्त्य की बेटी नंदना सेन ने मंगलवार की शाम को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं अपने पिताजी के साथ कैंब्रिज में हूं। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप सब ऐसी अफवाहों को फैलाना बंद करें। पिताजी ठीक हैं। स्वस्थ हैं। मंगलवार शाम से पहले अचानक अमर्त्य सेन के निधन की खबर इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने लगी। इस खबर का *स्रोत* हाल ही में अर्थशास्त्र में नोबेल पुरयूएसकार विजेता क्लाउडिया गोल्डिन के नाम से बनी फेक एक्स अकाउंट था। फेक *एक्स* हैंडल से कहा गया कि भयानक खबर! मेरे प्रिय प्रोफेसर अमर्त्य सेन का कुछ मिनट पहले -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार : विस्थापितों के शिविर पर सेना का हमला, 29 की मौत

नाएप्यीडॉ। म्यांमार के काचिन राज्य में विस्थापित लोगों के एक शिविर पर हमला किया गया। सेना द्वारा किए गए इस हमले में 29 लोगों की मौत हो गई हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। वहीं, 59 गंभीर रूप से घायल हुए है। स्थानीय मीडिया, एक कार्यकर्ता और क्षेत्र के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बता दें कि इस समय म्यांमार देश संघर्ष में उलझा हुआ है। जातीय अल्पसंख्यक सेनाएं और प्रतिरोध आंदोलन सैन्य शासन के खिलाफ लड़ रहे हैं। 2021 के तख्तापलट के बाद जुंटा द्वारा म्यांमार में भयंकर कार्रवाई की जा रही है। काचिन मीडिया और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह घटना सोमवार आधी रात के करीब काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए) द्वारा संचालित एक सैन्य शिविर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर हुई। रिपोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

मुकेश अंबानी भारत के सबसे अमीर

नई दिल्ली। 10 अक्तूबर को जारी 360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023 की नवीनतम संपत्ति रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी को पीछे छोड़ दिया। अंबानी की संपत्ति पिछले साल की तुलना में 2त्न बढ़कर 808,700 करोड़ हो गई है। अडानी की संपत्ति 57 फीसदी कम होकर 474,800 करोड़ आंकी गई। तीसरा स्थान सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रमोटर, पुणे स्थित 82 वर्षीय साइरस एस पूनावाला और परिवार ने -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा में चीन के एजेंटों ने की निज्जर की हत्या : चीनी ब्लॉगर

बीजिंग। एक चीनी ब्लॉगर ने कनाडा में खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर चौंकान वाला खुलासा किया है। स्वतंत्र ब्लॉगर जेनिफर जेंग का आरोप है कि निज्जर की हत्या में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के एजेंटों का हाथ है। जेनिफर जेंग ने दावा किया कि भारत और पश्चिमी देशों में फूट पैदा करने के लिए चीन ने यह गंदा खेल खेला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सैन्य रणनीति के मुताबिक यह ताइवान के संबंध में पश्चिमी देशों को रोकने के लिए चीन का भयावह *इग्निशन प्लान* का एक हिस्सा था। जेंग ने आरोप लगाया कि निज्जर की हत्या करने वाले चीनी एजेंटों ने भारतीयों के द्वारा बोले जाने वाली अंग्रेजी का लहजा सीखा था। हालांकि अब तक जेनिफर जेंग के आरोपों पर चीन को कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है और न ही भारत ने भी इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर की है।चीन मूल की जेनिफर जेंग जो फिलहाल अमेरिका में रह रही हैं, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए एक वीडियो में चीन की सारी पोल खोली हा स्वतंत्र ब्लॉगर जेंग ने अपने आरोपों को चीनी लेखक और यूट्यूबर लाओ डेंग जो अब कनाडा में रहते हैं, के हवाले से ये जानकारी सांझा की है। जेंग ने वीडियो में बताया कि लाओ ने कहा कि इस साल जून की शुरुआत में अपनी इग्निशन प्लान के तहत सीसीपी राज्य सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल के रसगुल्ले विदेश में भी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध रसगुल्ले और अन्य मिठाइयों को विदेश भेजने के लिए भारतीय डाक ने विशेष पहल की है। इसके लिए स्पेशल कुरियर सर्विस की शुरुआत की गई है। भारतीय डाक विभाग के पश्चिम बंगाल सर्कल द्वारा शुरू की गई विशेष कुरियर सेवा का लाभ उठाकर अब पश्चिम बंगाल के लोग अपने प्रियजनों को विदेशों में पसंदीदा मिठाई भेज सकेंगे। *पैक्ड रसगुल्ले* भेजने के लिए पैकेजिंग की जिम्मेदारी भेजने वाले की होगी। विभाग के पश्चिम बंगाल सर्कल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ निजी कुरियर सेवा कंपनियां पहले से ही पैक्ड मिठाइयों की खेप विदेश भेजने के लिए सेवा की पेशकश कर रही हैं। हालांकि, उनके द्वारा ली जाने वाली दरें काफी अधिक हैं। भारतीय डाक विभाग के पश्चिम बंगाल सर्कल द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं निजी संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली दरों की तुलना में काफी सस्ती होंगी। उन्होंने दावा किया कि विभाग इस परियोजना को रसगुल्लों के साथ जोड़ कर लोकप्रिय बना रहा है, लेकिन इस पसंदीदा बंगाली मिठाई को मिली वैश्विक प्रशंसा को देखते हुए कोई भी राज्य से अन्य लोकप्रिय मिठाइयां अपने प्रियजनों को भेज सकता है। डाक विभाग के अधिकारी ने कहा कि यहां तक कि घर की बनी मिठाइयां, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

खिलाड़ियों के मार्ग में पैसे को बाधा नहीं बनने देंगे : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को एशियाई खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से संवाद करते हुए कहा कि भारत सरकार खिलाड़ियों को सभी प्रकार की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि खिलाड़ियों के मार्ग में पैसों की कमी को कभी बाधा नहीं बनने देंगे। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एशियाई खेलों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से बातचीत कर रहे थे। भारत ने इन खेलों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 107 मेडल जीते हैं। भारत इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए 2014 से पहले और बाद में देश के खेल इको सिस्टम में आए बदलाव का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पहले भी देश में योग्यता और जीत के जज्बे की कमी नहीं थी लेकिन खिलाड़ियों को कई अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। सरकार देश के सपोर्ट इको सिस्टम का कायाकल्प करने में जुटी है। हमारा प्रयास खिलाड़ियों को दुनिया की बेस्ट ट्रेनिंग देना और यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें देश और विदेश में ज्यादा से ज्यादा

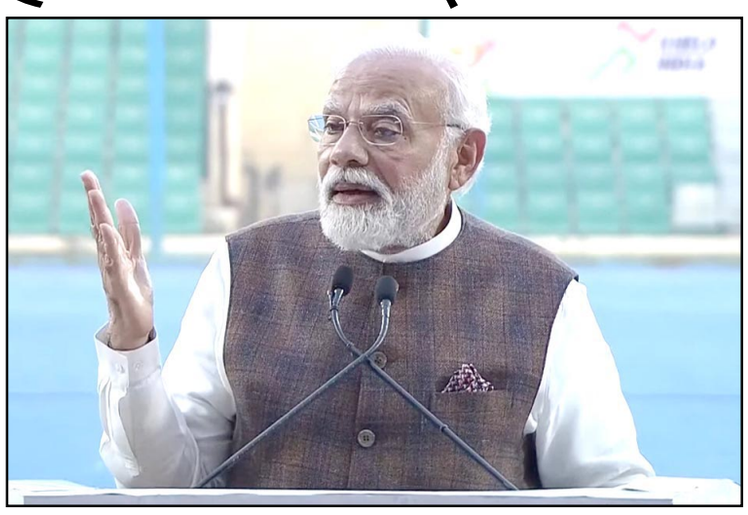

अवसर मिले। इसके अलावा चयन में पारदर्शिता का ध्यान रखा जा रहा है ताकि किसी के साथ भेदभाव ना हो। गांव-देहात में रहने वाले सपोर्ट टैलेंट को भी ज्यादा से ज्यादा अवसर मिलें, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि आज देश के खेल बजट को तीन गुना बढ़ाया गया है। टॉप और खेलो इंडिया जैसी योजनाएं गेम चेंजर साबित हुई हैं। इन खेल अभियानों की वजह से कई प्रतिभाएं खोजी गई हैं और इनमें से 40 से ज्यादा ने ही इन एशियाई खेलों में मेडल जीता है। इससे साबित होता है कि यह अभियान सही दिशा में है। इसके तहत 3000 प्रतिभाओं को ट्रेनिंग, कोचिंग, मेडिकल, डाइट और 6 लाख स्कॉलरशिप दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले 5 सालों में देश खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर 3 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च करेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका जज्बा दर्शाता है कि भारत के बेटियों का सामर्थ्य क्या है। इन खेलों में आधे से ज्यादा पदक महिलाओं ने जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने कम उम्र के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि कम उम्र के खिलाड़ियों से एक्सपोर्टिंग नेशन की पहचान बनती है। इससे वह लंबे समय तक देश की सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश का खिलाड़ी केवल अच्छे प्रदर्शन तक नहीं बल्कि जीत चाहता है। इसके लिए उन्होंने एक शब्द गोट (जीओएटी) का भी प्रयोग किया, जिसका अर्थ होता है (ग्रेटेस्ट आफ ऑल टाइम)। प्रधानमंत्री ने इस दौरान जीतने वाले खिलाड़ियों से अपने प्रभाव का उपयोग कर ड्रग्स और डाइट के कुप्रभावों के बारे में युवा खिलाड़ियों को जागरूक करने की बात कही।

मंत्री पीयूष ने लिया भूमि सलाहकार समिति की बैठक में भाग

शोणितपुर (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज शोणितपुर जिला आयुक्त के कार्यालय के बैठक कक्ष में *भूमि सलाहकार समिति* की बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दूरदर्शी विचारों में से एक मिशन बशुंधरा 2.0 के सफल क्रियान्वयन को विशेष महत्व देने वाली आज की बैठक में खिलंजिया (स्थानीय) लोगों के भूमि की अधिकारों तक आसान पहुंच और भूमि संबंधी समस्याओं को सरलता के साथ हल करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैं (मंत्री) प्रशासन को भी निर्देश देता हूं कि संदिग्धों और दलालों को पूरी सख्ती के साथ योजना से दूर रखा जाए। मिशन बशुंधरा 2.0 के तहत आवेदन करने वाले लोगों की मदद करने के लिए सभी उपाय करने और यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया कि आदिवासी बेल्ट में भूमि का उल्लेख अन्य लोगों के नाम पर न किया जाए। बैठक में विधायक पद्म हजारिका, गणेश कुमार लिम्बू, कृष्ण कमल तांती, दिगंता कलिता, जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मणिपुर : हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर की राजधानी इंफाल के कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों ने हथियार और गोला-बारूद सहित कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। मणिपुर पुलिस ने आधिकारिक तौर पर बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, काकचिंग और थौबल जिलों के दूरदराज के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में 11 हथियार, 20 गोला-बारूद, 2 किलो गन पाउडर, हैंड ग्रेनेड, 2 रेडियो सेट आदि बरामद किए गए। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

भारत-म्यांमार सीमा पर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

एजल (हिंस)। मिजोरम में भारत-म्यांमार सीमा पर असम राइफल्स के अभियान में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया है। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार 100 जिलेटिन और 100 डेटोनेटर के साथ ही एके-47 राइफल्स की 150 गोलियां, 10 मीटर फ्यूज वायर और 10 बैटरी बरामद की गई। दो लावारिस थैलों से यह सामग्री बरामद की गई है। आगे की कार्रवाई शुरू गई है।

पीयूष ने किया कांग्रेस विधायक पर मानहानि का केस

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व विधायक कमलाक्ष दे पुरकायस्थ के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मंत्री हजारिका ने कामरूप के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट में कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कमलाक्ष दे पर कई आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए 10 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

फोन टैपिंग : सीएम ओएसडी से चार घंटे तक हुई पूछताछ

जयपुर (हिंस)। राजस्थान फोन टैपिंग मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी और प्रदेश कांग्रेस सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा मंगलवार को रोहिणी स्थित क्राइम ब्रांच में पूछताछ के लिए पेश हुए। इस दौरान क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने लोकेश शर्मा से चार घंटे तक कड़ी पूछताछ की। इस दौरान क्राइम ब्रांच ने लोकेश शर्मा से फोन टैपिंग से जुड़े सवाल पूछे। सूत्रों के अनुसार लोकेश शर्मा ने क्राइम ब्रांच के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि राजस्थान में सरकार गिराने की साजिश हुई थी। पैसों के लेन-देन सहित दूसरे तथ्य सोशल मीडिया के जरिए उनके पास आए थे। फोन टैपिंग से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। इस मामले में लोकेश शर्मा को दिल्ली क्राइम ब्रांच ने 9 अक्तूबर को 8वीं बार पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। लोकेश शर्मा अभी तक 5 बार पूछताछ के लिए व्यक्तिगत तौर पर पेश हो चुके हैं और 3 बार लोकेश शर्मा की ओर से लिखित जवाब पेश किया जा चुका है। अब उन्हें 11 अक्तूबर को भी पूछताछ के लिए 9वां नोटिस जाकर हाजिर होने के लिए कहा गया है। वहीं 11 अक्तूबर को ही इसी मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में भी सुनवाई होनी है। चार घंटे की कड़ी पूछताछ के बाद दिल्ली क्राइम ब्रांच दफ्तर से बाहर निकलते समय लोकेश शर्मा मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान लोकेश शर्मा ने कहा कि हर बार पूछताछ में क्राइम ब्रांच के अफसरों की तरफ से एक ही तरह के सवाल किए जा रहे हैं और उन्होंने हर बार ये स्पष्ट किया है कि उनका इस मामले से कोई संबंध नहीं है। जो ऑडियो क्लिप उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से मिलीं। उन्होंने सर्कुलेट करने का काम किया। क्योंकि उन ऑडियो क्लिप में हो रही बातचीत में राजस्थान की चुनी हुई सरकार को गिराने की साजिश रची जा रही थी और ऐसी साजिश जिसमें लोकतंत्र में पैसों के लेन-देन के जरिए सरकार को गिराने की बात की जा रही हो तो उन्होंने उचित समझा कि मीडिया के माध्यम से उन्हें जनता तक पहुंचाया जाए और यही उन्होंने किया। लोकेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि ऑडियो क्लिप सामने आने के 9 महीने बाद केंद्रीय मंत्री को इस बात का अहसास हुआ कि इनके जरिए उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है और इसलिए उन्होंने इसे लेकर एक मामला दर्ज करवाया। लोकेश शर्मा ने जोर देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री की ओर से दर्ज करवाई गई। एफआईआर में बड़े ही स्पष्ट रूप से ये लिखा हुआ है कि केंद्रीय मंत्री की टेलीफोनिक वार्तालाप को गैर-कानूनी तरीके से इंटरसेप्ट करके सर्कुलेट किया गया। जबकि उनका यह कहना है कि उन्हें कोई टेलीफोनिक वार्तालाप को इंटरसेप्ट नहीं किया।

पृष्ठ एक का शेष

इजराइल के हमले ...

संसद और नागरिक मंत्रालय हैं। फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ अपने हमले में इजरायली सेना ने मंगलवार को घोषणा की कि उनका मुख्य निशाना गाजा की संसद और नागरिक मंत्रालय हैं। इजराइल ने जमीनी हमला तेज करने की रणनीति भी बनाई है। इजराइल ने तीन लाख आरक्षित सैनिकों को बुलाया है और गाजा पट्टी पर नाकाबंदी लगा दी, जिससे जमीनी हमले की आशंका बढ़ गई है। इस बीच हमास भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। हमास ने धमकी दी है कि जब भी इजरायल बिना किसी चेतावनी के किसी फिलिस्तीनी घर पर बमबारी करेगा, तो वह एक इजरायली बंदी को मार डालेगा। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा कि यह युद्ध यहूदी शासन के खिलाफ लोगों की लड़ने की क्षमता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए फिलिस्तीनी नागरिकों को बधाई दी जानी चाहिए।

हमास के वित्त मंत्री...

किया है लेकिन वह इसे खत्म करेगा। जॉर्जिया मेलोनी सरकार का कहना है कि इस सब के लिए हमास जिम्मेदार है। इजराइल अब अजेय है। इजराइली सेना ने देश के दक्षिणी हिस्से में ज्यादातर जगहों पर फिर से नियंत्रण कर लेने का दावा करते हुए कहा कि हमास के करीब 1500 आतंकवादियों के शव इजराइली क्षेत्र में पाए गए हैं। सेना ने कहा कि एक अप्रत्याशित हमले के बाद जारी युद्ध के चौथे दिन सीमा पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया गया है। सेना के प्रवक्ता रिचर्ड हेक्ट ने बताया कि देर रात से हमास का एक भी आतंकवादी इजराइल में दाखिल नहीं हुआ है हालांकि घुसपैठ अभी भी संभव हो सकती है। बीते चार दिनों में इजराइल ने 900 सैनिकों और नागरिकों के मारे जाने की और फलस्तीनी अधिकारियों ने गाजा और वेस्ट बैंक में करीब 700 लोगों की मौत की सूचना दी है। इजराइल के युद्धक विमानों ने युद्ध के चौथे दिन मंगलवार सुबह गाजा सिटी में लगातार बमबारी की जो आतंकवादी संगठन हमास द्वारा संचालित सरकार का केंद्र है। यह कार्रवाई तब की गई है जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस्लामिक आतंकवादी समूह से ऐसा बदला लेने का संकल्प लिया है जिसकी *गूंज कई पीढ़ियों तक सुनाई देगी।* पिछले चार दिन से जारी इस युद्ध में कम से कम 1,600 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इजराइल में जारी संघर्ष पर चर्चा के लिए अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं से बात की है। इसके कुछ समय बाद सुनक उत्तरी लंदन के एक यहूदी उपासनागृह में आयोजित प्रार्थना में शामिल हुए और देश के यहूदी समुदाय को आश्वस्त किया कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। सुनक ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ अपने संयुक्त बयान में इजराइल के लिए *दृढ़ता और एकजुटता* के साथ समर्थन व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के भयावह कृत्यों के लिए हमास की स्पष्ट तौर पर निंदा भी की। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि हम स्पष्ट करते हैं कि हमास की आतंकवादी कार्रवाइयों का कोई औचित्य नहीं है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए। आतंकवाद का कभी कोई औचित्य नहीं होता। बयान में कहा गया कि हमारे देश इस तरह के अत्याचारों के खिलाफ अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने के प्रयासों में इजराइल का समर्थन करेंगे। हम इस बात पर भी जोर देते हैं कि इजराइल के प्रति शत्रुता का भाव रखने वाले किसी भी संगठन के लिए यह समय इन हमलों का लाभ उठाने का नहीं है।

सुनक ने भी हमास ...

प्रदर्शन हो रहे हैं। कहीं-कहीं प्रदर्शन उग्र होते जा रहे हैं। सोमवार शाम लगभग छह बजे लंदन के इस्राइली दूतावास के बाहर काफी भीड़ बढ़ने लगी थी। फलस्तीन के झंडे लेकर हजारों प्रदर्शनकारी इस्राइल के खिलाफ और धार्मिक नारे लगा रहे थे। तो वहीं, कुछ लोगों ने इस्राइल दूतावास की ओर आतिशबाजी शुरू कर दी। इस बीच इस्राइल समर्थकों और फलस्तीन समर्थकों के बीच झड़प हो गई। पुलिस का कहना है कि झड़प की जानकारी मिलते ही हम वहां पहुंचे। हमने दोनों गुटों के लोगों को अलग-अलग किया। हमारी प्राथमिकता है कि हम इलाके में शांति बनाए रखें और तनाव को जल्द से जल्द खत्म करें। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि दोनों पक्षों के बीच हुई झड़प अब खत्म हो गई है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हमास का समर्थन करने वाले लोगों को आतंकवादी करार दिया है। सुनक ने ट्वीट कर कहा कि जो लोग हमास का समर्थन करते हैं, वे इस भयावह हमले के लिए जिम्मेदार हैं। वे स्वतंत्रता सेनानी हैं। वे आतंकवादी हैं। वहीं, ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने ब्रिटेन की सड़कों पर आंतकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का आह्वान किया।

हिंसा में विस्थापित...

कहा गया कि विस्थापित स्थानीय लोगों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। कई लोगों की संपत्तियों को तबाह किया गया है। आदेश में साफतौर पर कहा गया कि राज्य सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर गंभीर विचार कर रही है। यदि कोई ऐसा करता है, तो इससे राज्य में कानून व्यवस्था खराब हो सकती है। साथ ही आदेश के जरिए उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को कार्रवाई करने और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने की सलाह दी गई है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 3 मई को आयोजित *आदिवासी एकजुटता मार्च* के बाद भड़की हिंसा में 180 से अधिक लोग मारे गए थे। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नागा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं, जो पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

भारत पर भी ...

रखा तो प्रतिक्रिया होगी और भारत और पीएम मोदी इसके लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि एसएफजे मतपत्र और वोट में विश्वास करता है और दावा किया कि पंजाब की मुक्ति निश्चित है। पन्नू कैमरे की ओर इशारा करते हुए वीडियो में कहते हैं, भारत, चुनाव आपका है। पन्नू का नवीनतम संदेश अहमदाबाद, गुजरात में निर्धारित भारत-पाकिस्तान आईसीसी विश्व कप 2023 मैच से पहले धमकी जारी करने और दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में उनके खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज किए जाने के कुछ ही दिनों बाद आया है। सूत्र ने अहमदाबाद के साइबर क्राइम डीसीपी अजीत राजियन के हवाले से बताया कि धमकी देने वाले उनके पहले से रिकॉर्ड किए गए संदेश कई सोशल मीडिया हैंडल पर भेजे गए थे। संदेश में यह भी कहा गया कि एसएफजे कनाडा में आतंकवादी हरदीप सिंह निजर की हत्या का बदला लेगा। अमृतसर में जन्मे पन्नू 2019 से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के स्कैनर पर हैं, जब जांच एजेंसी ने खालिस्तानी आतंकवादी के खिलाफ अपना पहला मामला दर्ज किया था। उन पर आतंकवादी कृत्यों और गतिविधियों की वकालत करने और उन्हें संचालित करने में प्राथमिक भूमिका निभाने और अपनी धमकियों और डराने-धमकाने की रणनीतियों के माध्यम से पंजाब और भारत के अन्य हिस्सों में भय और आतंक फैलाने का आरोप लगाया गया है।

विपक्षी दलों के ...

कोई नई बात नहीं है। मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जैसे-जैसे समय बीतता जा रहा है कई लोग अब इनके साथ प्रयोग करने के जोखिम को लेना बंद करते जा रहे हैं। मालूम हो कि जोरम पीपुल्स मूवमेंट, जो 2018 विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरा है। अब यह बदलाव और नई राजनीतिक व्यवस्था की राज्य में वकालत कर रहा है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री आर लालथंगलियाना ने पार्टी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि लोग हमें इस आधार पर वोट देने के बारे में सोचे कि हमने क्या किया है और हम वर्तमान में क्या कर रहे हैं, न कि केवल हमारे साथ एक्सपेरिमेंट करें। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को घोषणा की कि मिजोरम की 40 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 7 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को की जाएगी। वहीं, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्तूबर है और नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्तूबर को होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 23 अक्तूबर है। सत्तारूढ़ एमएनएफ और विपक्षी जेडपीएम ने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। एमएनएफ सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जोरमथांगा अपने वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र एजल पूर्व-1 से चुनाव लड़ेंगे। विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है।

इजरायल ने गाजा...

में सेना हमास के आतंकियों की तलाश कर रही है। लड़ाई में दोनों पक्षों के अब तक 1,587 लोग मारे गए हैं। इनमें अकेले इजरायल में 73 सुरक्षाकर्मियों समेत 900 लोगों की जान गई है। इजरायल के जवाबी आक्रमण में गाजा पट्टी में 687 फिलिस्तीनी जान गंवा चुके हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा है कि हम मानव के रूप में जानवरों से लड़ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायल की वायुसेना ने सोमवार को हमास के कई परिचालन मुख्यालयों के साथ-साथ विभिन्न इमारतों पर हमला किया। इन ठिकानों में हमास के नेता रहते हैं। वायुसेना ने तीन मंजिला मुख्यालय और हमास के वरिष्ठ नौसैनिक बल, मुहम्मद काश्ता से जुड़े मुख्यालय पर भी हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजरायल की सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा है कि हमास के नियंत्रण से दक्षिणी इजरायल के 24 में से 15 क्षेत्र खाली करा लिए हैं। नौ को 24 घंटे में मुक्त करा लिया जाएगा। जिन जगहों पर कंटीली बाड़ तोड़कर आतंकवादी घुसे थे, वहां टैंक तैनात किए हैं। घुसपैठ रोकने के लिए ड्रोन से नजर रखी जा रही है। अब तक तीन लाख रिजर्व समेत करीब पांच लाख सैनिक इस लड़ाई के मैदान में उतारे जा चुके हैं। हमास के पैर गाजा पट्टी से उखाड़ दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि हमास ने सात अक्तूबर को इस आक्रमण की शुरुआत कर इजरायल को सीधी चुनौती दी। इसके बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने चेतावानी दी कि इजरायल को निशाना बनाने वाले एक भी आतंकवादी को जिंदा नहीं छोड़ा नहीं जाएगा। उसे पाताल से भी निकालकर लाया जाएगा।

अमर्त्य सेन का ...

निधन हो गया। मरे पास कोई शब्द नहीं! इसके बाद यह खबर इंटरनेट मीडिया के हर प्लेटफार्म से लेकर विभिन्न वेबसाइट पर जंगल के आग की तरह फैलने लगी। जब इस संबंध में सेन की पुत्री नंदना सेन से दैनिक जागरण ने संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि मैं अपने पिताजी के साथ ही कैंब्रिज में हूं। चिंता मत कीजिए। पिताजी ठीक हैं। नंदना ने कहा कि यह अफवाहें फैलाना बंद करें कि मेरे पिताजी नहीं रहे। वे बिल्कुल स्वस्थ हैं। जीवन शक्ति से भरपूर। वह अपनी नई किताब में व्यस्त हैं। नंदना ने इस बारे में जानकारी देने के बाद अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर पिता के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए खबर को झूठ बताया।

म्यांमार : विस्थापितों के...

और तस्वीरें म्यांमार की जुंटा-विरोधी राष्ट्रीय एकता सरकार (एनयूजी) के एक मंत्री द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गईं है, जिसकी अब तक पुष्टि नहीं की जा सकी है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स का अब तक म्यांमार के जुंटा के प्रवक्ता से संपर्क नहीं हो सका है। काचिन पीस नेटवर्क सिविल सोसाइटी समूह की एक प्रसिद्ध स्थानीय कार्यकर्ता खोन जा ने रॉयटर्स को बताया कि उन्होंने स्थानीय अस्पताल का दौरा किया था और उन्हें बताया गया था कि 29 लोग मारे गए है। कार्यकर्ता खोन जा ने रॉयटर्स को बताया कि हमला आधी रात को हुआ। बम बहुत शक्तिशाली था। गांव पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि 59 लोग घायल हुए हैं। वहीं, 29 लोग मारे गए हैं। हालांकि, अस्पताल ने अब तक इसकी पुष्टि की है। लाइजा, उत्तरी म्यांमार का एक शहर, केआईए की राजधानी है, जो दशकों से सेना से जूझ रहे दर्जनों जातीय समूहों में से सबसे बड़े समूहों में से एक है। यह चीनी सीमा के करीब है और शहर और उसके आसपास विस्थापन शिविरों में रहने वाले कई नागरिकों का घर है।

मुकेश अंबानी भारत...

बरकरार रखा, जिनका टर्नओवर 278,500 करोड़ था, जो पिछले साल की तुलना में 36 फीसदी अधिक है। शिव नादर (228,900 करोड़) और लंदन स्थित गोपीचंद हिंदुजा (1,76,500 करोड़) क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के चेयरमैन दिलीप सांघवी (1,64,300 करोड़) छठे स्थान पर रहे।

भारत के टॉप 10 अमीर

1) मुकेश अंबानी- 808,700 करोड़
2) गौतम अडानी- 474,800 करोड़
3) साइरस एस पूनावाला- 2,78,500 करोड़
4) शिव नादर- 2,28,900 करोड़
5) गोपीचंद हिंदुजा- 1,76,500
6) दिलीप सांघवी - 1,64,300
7) एलएन मित्तल और परिवार- 1,62,300
8) राधाकिशन दमानी- 1,43,900
9) कुमार मंगलम बिड़ला- 1,25,600
10) नीरज बजाज- 1,20,700

सूची में कुल 259 बिलेनियर हैं। इनकी संख्या पिछले साल की तुलना में 38 फीसदी है। जेप्टो के फाउंडर कैवल्य वोहरा लिस्ट में सबसे कम उम्र के बिलेनियर हैं। हुरुन लिस्ट के लॉन्च के बाद पहली बार इस सूची में शामिल अमीरों की क्युमुलेटिव वेल्थ बढ़कर 109 लाख करोड़ रुपए हो गई है। ये सिंगापुर, यूएई और सऊदी अरब की कंबाइंड जीडीपी से ज्यादा हैं।

कनाडा में चीन के ...

मंत्रालय ने एक उच्च रैंकिंग अधिकारी को अमेरिका के सिएटल भेजा। वहां एक गुप्त बैठक आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य भारत और पश्चिम देशों के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाना था। जेंग के अनुसार कि एजेंटों को कनाडा में सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का काम सौंपा गया था। बैठक के बाद सीसीपी एजेंटों ने सावधानीपूर्वक हत्या की योजना को अंजाम दिया। ब्लॉगर ने सीसीपी एजेंट के काम को अंजाम देने के तरीका बताते हुए कहा कि 18 जून को आवाज न करने वाले बंदूकों से लैस एजेंटों ने निज्जर को ट्रैक किया। जब हत्या कर दी गई तो उन्होंने सबूत को मिटाने के लिए निज्जर की कार के डैश कैमरा को तोड़ दिया। हत्या के बाद एजेंट भाग गए। सभी सबूतों को खत्म करने के लिए सभी हथियारों को जला दिया और इसके अगले दिन ही वे लोग हवाई जहाज से कनाडा से रवाना हो गए।

बंगाल के रसगुल्ले ...

जो त्योहारी सीजन के दौरान काफी आम हैं, उन्हें भी इस विशेष सेवा के माध्यम से विदेश भेजा जा सकता है। एकमात्र शर्त यह है कि भेजने वाले को इसकी पेशेवर पैकेजिंग की व्यवस्था करनी होगी। उल्लेखनीय है कि पहले भी कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जब भारतीय डाक विभाग ने खुद को रसगुल्ले की वैश्विक लोकप्रियता से जोड़ा था। जनवरी 2018 में विभाग ने पश्चिम बंगाल के प्रतिष्ठित मिठाई निर्माता नबीन चंद्र दास को 1868 में एक टिकट और विशेष कवर के साथ रसगुल्ला निर्माता के रूप में स्वीकार किया था।

चिंतन उपाध्याय को...

ने पांच अक्तूबर को चिंतन उपाध्याय को इस मामले में दोषी करार दिया था। अन्य आरोपियों विजय राजभर, प्रदीप राजभर और शिवकुमार राजभर को भी इस दोहरी हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा दी गई है। हत्याकांड को अंजाम देने वाला आरोपी विद्याधर राजभर फिलहाल फरार है। शनिवार को सजा पर बहस के दौरान चिंतन ने अदालत में कहा कि मेरी अंतरात्मा साफ है। मैंने कोई गुनाह नहीं किया है। मैं निर्दोष हूं। हालांकि, अदालत ने मुझे दोषी करार दिया है, कोई दया नहीं दिखाई जानी चाहिए। अदालत मुझे जो भी सजा सुनाएगी, मैं उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हूं। हत्या के तुरंत बाद ही चिंतन को गिरफ्तार कर लिया गया था। साल 2021 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने से पहले करीबन छह सालों तक चिंतन जेल में था। चिंतन ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत अपने अंतिम में दावा किया था पुलिस इस हत्याकांड को सुलझाने में नाकाम रही और इसी का फायदा उठाकर उसे झूठे मामले में फंसाया गया है।

एक करोड़ युवाओं ...

के तहत 393 नव चयनित होम्योपैथिक फार्मासिस्ट को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 35 लाख करोड़ रुपए के निवेश के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया था, लेकिन अब यह आंकड़ा बढ़कर 38 लाख करोड़ हो गया है, जिससे युवाओं को और अधिक रोजगार मिल सकेगा। सीएम योगी ने कहा कि अब यूपी निवेश व रोजगार का प्रमुख गंतव्य बन गया है। छह वर्ष पूर्व दंगे व अराजकता का बोलबाला होने से विकास नहीं हो पाता था। अब माहौल पूरी तरह बदल गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में आयुष चिकित्सा पद्धति व योग ने पूरे विश्व में अपना डंका बजाया। उन्होंने कहा कि भारत के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को पूरे विश्व ने हाथों हाथ लिया। ऐसे में युवा आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा आदि में करियर बनाने में संकोच न करें। जल्द युवाओं के लिए नए डिग्री व डिप्लोमा कोर्सेज शुरू किए जाएंगे। उन्होंने आयुष विभाग को निर्देश दिए कि वह हेल्थ टूरिज्म पर पूरा फोकस करें। प्रदेश को इस क्षेत्र में आगे ले जाएं। कार्यक्रम में आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि तेजी से आयुष कॉलेजों की संख्या में बढ़ोतरी की जा रही है, ताकि इस अधिक से अधिक युवाओं को पढ़ाई का अवसर मिले। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव, आयुष लीना जौहरी व होम्योपैथी निदेशक प्रो. अरविंद कुमार वर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहले परिणाम घोषित होने में काफी लंबा समय लग जाता था। अब तो छह महीने से लेकर नौ महीने के भीतर ही पारदर्शी ढंग से परिणाम घोषित हो रहे हैं। राजधानी में रहने वाली साधना मौर्य को जब नियुक्ति पत्र मिला तो वह भावुक हो गईं। बोली योगी सरकार में निष्पक्ष भर्ती का ही नतीजा है कि हम दोनों बहनों को सरकारी नौकरी मिली। मुझे होम्योपैथिक फार्मासिस्ट की और मेरी बड़ी बहन को प्राथमिक स्कूल में शिक्षक की। रायबरेली की वर्षा शुक्ला ने कहा कि लंबे समय से तैयारी कर रही थी और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती होने से मेहनत सफल हो गई। योगी ने कहा कि अगर डाक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ मरीजों से अच्छा व्यवहार करे तो आधी बीमारी उसकी ऐसे ही ठीक हो जाती है। अगर आप मरीज की सेवा करेंगे तो वह दुआ देगा, नहीं करेंगे तो बद्दुआ मिलेगी, क्योंकि जो अस्पताल में भर्ती होता है, वह शारीरिक व मानसिक दोनों कष्ट से पीड़ित होता है।

अगप की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक आयोजित

चुनाव के लिए संगठनात्मक तैयारियों की अपील

गुवाहाटी (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष और मंत्री अतुल बोरा ने पार्टी के सभी सदस्यों से बड़े पैमाने पर संगठनात्मक तैयारियों के साथ चुनावी लड़ाई की तैयारी करने की अपील की है। पार्टी सदस्यों से राज्य भर में जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का आग्रह किया है। राजधानी के आमबारी स्थित पार्टी मुख्यालय में आज आयोजित असम गण परिषद पार्टी की विस्तारित केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष बोरा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन के अनुरूप सांगठनिक तैयारियां नए रूप में की जानी चाहिए। उन्होंने पार्टी के सदस्यों को राय दी कि आगामी लोकसभा चुनाव में अगप का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की रणनीति को स्थानीय स्तर पर अपनाया जाना चाहिए। बैठक का उद्देश्य व्याख्या महासचिव रमेंद्र नारायण कलिता ने की। बैठक में वरिष्ठ नेता फणीभूषण चौधरी, सांसद और महासचिव बीरेंद्र प्रसाद बैश्य, डॉ. कमलाकांत कलिता, प्रदीप हजारिका, प्रवीण हजारिका, भूपेन रॉय, मनोज सैकिया, उत्पल दत्ता, सत्यब्रत कलिता, बिमलेंदु सिंह, भवेन भराली, कुमार दीपक दास, सुनील डेका, बिष्णु दास, डॉ. तपन दास आदि मौजूद थे। बैठक में जिला समितियों को कम समय के भीतर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र समितियों का पुनर्गठन करने का निर्देश दिया।

असम का परिवेश खराब नहीं करें भूपेन बोरा : पीयूष

शोणितपुर (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा से अनुरोध किया है कि वे असम के परिवेश को खराब नहीं करें। मंत्री ने अमृत कलश यात्रा में भाग लेने वाले दो पंचायत सदस्यों को कांग्रेस द्वारा निलंबित किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं रखते हैं, इसीलिए निचले स्तर के सदस्यों का निलंबन करके अपने गुस्से को शांत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा ही कांग्रेस अध्यक्ष अपने दल के विधायकों पर अविश्वास करते हैं। लेकिन, बयानवाजी के अलावा कभी कोई कार्रवाई नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी अंदरूनी विवादों से जर्जर

हो चुकी है। मंत्री ने आज एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए पत्रकारों के कई सवालों के सीधे-सीधे उत्तर दिए।

एशियाई खेलों में भारत के सफल रहे खिलाड़ियों को दी बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। चीन में भारत के 19वें एशियाई खेल में अभूतपूर्व सफलता के लिए प्रत्येक पदक विजेता खिलाड़ी को भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांकू अंकुर बरुवा ने उन्हें बधाई दी है। प्रदेश भाजपा के वशिष्ठ स्थित मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बरुवा ने कहा कि नेतृत्व मजबूत हो तो देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ता है। भारत के मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अन्य क्षेत्र की तरह खेल के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए गए बहुत सारे काम का यह परिणाम है। भारत इन खेलों में 107 पदक जीतने में सफल रहा है। गौरतलब है कि नेशनल गेम्स के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने तैयारी के लिए 220 करोड़ रुपए से अधिक जारी किए थे। यह हमारे पड़ोसी राज्य मणिपुर में देश का पहला खेल विश्वविद्यालय 450 करोड़ रुपए की लागत से बनने जा रहा है। डिब्रूगढ़ में भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा जिले के चाबुआ में अनिरुद्ध देव खेल विश्वविद्यालय शुरू किया

गया है। एशियाई खेलों में महिला मुक्केबाजी में रजत पदक जीतने वाली असम की गौरव लवलीना बरगोहाईं हर युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का प्रतीक। लवलीना बरगोहाईं के साथ शिवांगी शर्मा, उमा छेत्री, प्रिया देवी, शिव थापा, अस्मिता चालिहा और भारतीय जनता युवा मोर्चा, असम, अमलान बरगोहाईं को उन्होंने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पूजा से पहले बाहरी राज्य से आए बाल मजदूरों को छुड़ाया गया

गुवाहाटी (हिंस)। दुर्गा पूजा के दौरान बाहरी राज्यों के विभिन्न मेला दल राज्य के अलग-अलग स्थानों से पूजा मंडप के आसपास मेले का आयोजन करते हैं। पूजा के दिनों वे अस्थायी रूप से मेले का आयोजन करते हैं और वहीं रहते हैं। पूजा के बाद वे वापस अपने घर चले जाते हैं। मंगलवार को जिला ट्रस्ट बल के श्रम विभाग के अधीन सार्वजनिक और निजी संगठनों और जालुकबारी पुलिस ने संयुक्त रूप से पांडु मालीगांव इलाके से बाल मजदूरी के सिलसिले में अभियान चलाकर 11 बाल श्रमिकों को छुड़ाया। बाहरी राज्य से आए 6 बाल श्रमिक मेला पार्टी के साथ काम कर रहे थे, उन्हें छुड़ाया गया। साथ ही पांडु इलाके के विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में बहुत कम वेतन पर काम करने वाले पांच बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया। श्रम निरीक्षक अंकित सैएकिया ने कहा कि राज्य के बाहर से मेला पार्टियां बाल श्रमिकों को कम वेतन पर काम करने के लिए लाती हैं। उन्होंने कहा कि हर उस व्यावसायिक प्रतिष्ठान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी जहां बाल श्रमिकों से कम करवाया जाता हैं। उन्होंने प्रत्येक व्यावसायिक प्रतिष्ठान से बाल श्रमिकों को काम पर नहीं रखने का अनुरोध किया।

भारतीय सेना का गुवाहाटी में आयोजित ईस्ट टेक 2023

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय सेना की ईस्टर्न कमांड गुवाहाटी में पहली बार ईस्ट टेक-2023 का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन असम सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। इसके उद्घाटन के अवसर पर असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा और सेना के लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता मौजूद थे। यह विशेष मेला दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित किया जा रहा है। अत्याधुनिक हथियारों के साथ-साथ सेना में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न मशीनरी को इसमें प्रदर्शित किया जा रहा है। टैंक, ड्रोन, बंदूकें, रोबोट,

नाइट विजन सहित अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन इसमें किया जा रहा है। पूर्वोत्तर में पहली बार यह मेला गुवाहाटी में आयोजित किया जा रहा है। सेना द्वारा हर साल इस विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। यह मेला पिछले साल कोलकाता में आयोजित किया गया था। ऐसी कंपनियां जिनसे विभिन्न उपकरण और हथियार खरीदते हैं, प्रदर्शनी में 200 कंपनियां भाग ले रही हैं। असम सरकार ने विभिन्न संस्थानों को आमंत्रित किया है। यदि संस्थान असम में स्थापित करना चाहते हैं तो उन्हें हर प्रकार की सहायता का आश्वासन दिया जाता है। मंत्री बिमल बोरा नई पीढ़ी से ऐसे संस्थानों में शामिल होने का आग्रह किया है। यह ईस्ट टेक 2023 मनीराम देवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी में आयोजित किया जा रहा है।

30 हजार में बेटे को बेचने वाला दंपत्ति गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के घिलामारा पुलिस थाने के तहत बलियानी गांव के एक व्यक्ति पर अपने नाबालिग बेटे को पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में बेचने का आरोप लगा है। शख्स का नाम द्विपज्योति गोगोई है। गोगोई द्वारा अपने

नाबालिग बेटे माहिम गोगोई को 30 हजार रुपए में बेचने की शिकायत मिलने के बाद से गांव का गार्ड उस व्यक्ति पर कड़ी नजर रख रहा था। सोमवार शाम को वह अरुणाचल से घर लौटा और मंगलवार सुबह अपनी पत्नी को अरुणाचल ले जाने की कोशिश की। इस संबंध में सूचना मिलने के बाद गांव के गार्ड ने स्थानीय लोगों की मदद से मंगलवार सुबह व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। बाद में जनता और गांव के गार्डों ने उस व्यक्ति को ग्राम सुरक्षा बल के अध्यक्ष उमाकांत बरुवा के हवाले कर दिया। घिलामारा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रंगिया : अखिल असम महिला किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में आठ विजेताओं का सम्मान

रंगिया (विभास)। हाल ही में आयोजित अखिल असम महिला किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप के आठ पदक विजेताओं को आज रंगिया के बैद्यगढ़ क्लब द्वारा सम्मानित किया गया। इस उपलक्ष्य में बैद्यगढ़ हाईस्कूल प्रांगण में बैद्यगढ़ क्लब के सचिव तथा प्रशिक्षक बिल्लाल अली द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में वैद्यगढ़ आंचलिक छात्र संस्था के सचिव नवजीत कलिता सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं दूसरी ओर स्वर्ण पदक विजेता सुमाया ईयासमिन, सुमाया जन्नत, नंदिता हाजोरिका, सेहनाज पारबीन सहित सिल्वर पदक प्राप्त निशा कलिता, दीक्षिता कलिता, मारुफा पारबीन और रीमा अहमद को सम्मानित किया गया।

गौड़ ब्राह्मण महिला समिति का गठन, 101 महिलाओं ने ली सदस्यता

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सदन (ब्राह्मण भवन) में मंगलवार को गौड़ ब्राह्मण महिला समिति का गठन किया गया, जिसमें 101 महिलाओं ने सदस्यता लेकर महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता का जबर्दस्त परिचय दिया। सभा का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की वंदना के साथ किया गया। गुवाहाटी मे पहली बार गौड़ ब्राह्मण महिलाओं की इतनी विशाल बैठक आयोजित हुई, जिसमें 200 से अधिक गौड़ ब्राह्मण महिलाओं ने हिस्सा लिया। सभा का संचालन प्रख्यात भजन गायक व समाजसेवीका श्रीमती संतोष शर्मा ने किया। सभा में उपस्थित सभी बहनो का परिचय किया गया।

तत्पश्चात सर्वसम्मति से गौड़ ब्राह्मण महिला समिति का गठन 101 सदस्याओं के साथ किया गया। श्रीमती शर्मा ने बताया कि आने वाले समय में समिति से बड़ी संख्या में और महिलाएं जुड़ेंगी। इस समिति के गठन करने का मुख्य उद्देश्य गौड़ ब्राह्मण महिलाओं को एकजुट कर एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जिसके माध्यम से उनके भीतर छीपी प्रतिभाओं को उजागर किया जा सकें। साथ ही समाज के बच्चों के हुनर को भी संवारने के अलावा मानव सेवा की दिशा में भी कार्य किए जाएंगे। अंत में ज्योति शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोनाराम खेल मैदान में गरबा उत्सव का आयोजन 19 से

गुवाहाटी (विभास)। महानगरवासियों को नवरात्रि के पावन पर्व के मौके पर गुजरात के पारंपरिक गुजराती गरबा, डांडिया नृत्य व बॉलिवूड संगीत पर थिरकाने के लिए गरबा उत्सव का आयोजन किया जा रहा हैं। रोटरी क्लब के तत्वावधान में रोटारैक्ट क्लब ऑफ रोंगाली गुवाहाटी, माहेश्वरी युवा संगठन व ऑरा एंटरटेनमेंट के सहयोग से भरलुमुख स्थित सोनाराम खेल मैदान में आगामी 19 से 24 अक्तूबर के बीच 6 दिवसीय नवरात्रा डांडिया रास का रंगारंग कार्यक्रम का आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष विनय डीडवानिया ने बताया कि इस अवसर पर पारंपरिक व फिल्मी गीतों पर गुवाहाटी वासियों न केवल डांडिया रास का आनंद लेंगे बल्कि बॉलीवुड की नामचीन हस्तियों के साथ नित्य करने का मौका भी मिलेगा। कार्यक्रम संयोजक रवि अग्रवाल ने बताया कि डांडिया रास के आयोजन से आय होने वाली संपूर्ण राशि को रोटरी क्लब वर्ष भर विभिन्न सामाजिक एवं मानव सेवा के कार्यों में उपयोग में लगी। उन्होंने बताया की रोटरी क्लब की हैप्पी

स्कूल नमक स्थाई परियोजना है। इसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों के लिए ग्रामीण इलाके स्थित स्कूल में शौचालय, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने के अलावा मासिक धर्म, हाथ धोने सहित स्वच्छता संबंधित जागरूकता फैलाई जाती है। श्री अग्रवाल ने बताया कि एक लंबे अंतराल के बाद गुवाहाटी में इतने बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले नवरात्रा डांडिया रास को लेकर महानगर वासियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के सहसंयोजक मानस मजूमदार ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

नाजिरा के गेलेकी में पुलिस ने की हवाई फायरिंग

शिवसागर (हिंस)। नाजिरा के निकटवर्ती गेलेकी के दुलाकासरिया में फायरिंग होने का समाचार है। गेलेकी थाना पुलिस ने आज बताया कि पुलिस जवान की सर्विस पिस्तौल से बीती रात हवा में फायरिंग की गई। यह घटना पुलिस जवान जिंटू बरुवा के आवास पर हुई। हालांकि, गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस जवान को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। जिंटू बरुवा इससे पहले निलंबित पुलिस अधिकारी सुभलक्ष्मी दत्ता का अंगरक्षक था। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

प्राणिक हीलिंग कैंप का हेल्थ वर्कशाप का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज के 50वें स्वर्ण जयंती महोत्सव के अवसर पर प्राणिक हीलिगं कैंप का हेल्थ वर्कशाप का आयोजन किया गया। जिसे सीखने के लिए आपकी इच्छा और आपके हाथों की जरूरत है। जिसके द्वारा दर्द के शिकार रोगियों के लिए दर्द से मुक्ति का प्रोग्राम का आयोजन किया गया। गठिया,वात,मधुमेह, रक्तचाप, पीठ दर्द, माइग्रेन इत्यादि के रोगी बिना पेन किलर भी अपनी दर्द की बीमारी से मुक्ति पा सकते हैं। इस हेल्थ वर्कशाप में रोगी किस तरह से खुद को बिना दवा भी दर्द मुक्त कर सकता है। इस अवसर पर सोमवार को एटी रोड स्थित महावीर भवन धर्म स्थल में एक विशेष दर्द निवारक प्रशिक्षण वर्कशॉप का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम को डॉ. सपना पाटनी ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉक्टर सपना ने उर्जा शरीर की जानकारी, दृह्रदय ध्यान (मानसिक शांति एवं एकाग्रता हेतु), बच्चों के मानसिक विकास के लिए, हाई बीपी, ह्रदय रोग, कब्ज, गैस, एसिडिटी आदि जैसी सेकड़ो जीवन शैली की बीमारियों की जानकारी दी। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों के अलावा काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई है।

होजाई : मणिपुरी साहित्य सभा भवन में हथकरघा मेला का आयोजन

होजाई (विभास)। शहर के नया बजार स्थित मणिपुरी साहित्य सभा भवन में गत 6 अक्तूबर 2023 से 20 अक्तूबर 2023 तक मणिपुरी हथकरघा मेला स्टेट हेंडलुम द्वारा आयोजन किया गया है। उक्त मेले में मणिपुर सरकार की एक्सपो हेंडलूम और टैक्सटाइल के हथकरघा बुनकरों और हस्तशिल्प कारीगर एवं सीएस लिमिटेड पाओना बेजर इंफाल द्वारा प्रदर्शित की गई थी। मेले का उद्देश्य मणिपुर के साथ - साथ असम राज्य में भी हस्ततांत की बड़ी तादात में बिक्री तथा असम के लोग हस्ततांत की ज्यादा से ज्यादा व्यवहार या उपयोग कर सके। मणिपुर सरकार की एपेक्स हेंडलुम और टैक्सटाइल के जनरल मैनेजर एल अजित सिंह ने एक संबददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हथकरघा मेला स्टेट हेंडलुम का आयोजन मणिपुर राज्य सरकार की एपेक्स हेंडलुम और टैक्सटाइल द्वारा की गई है। इस मेले से आम लोग लाभान्वित होंगे। सभी नागरिक इसका प्रयोग कर सके इसलिए दुर्गा पूजा उत्सव पर यह मेले का आयोजन किया गया है। उक्त स्थान पर मणिपुर राज्य सरकार की एपेक्स हेंडलुम और टैक्सटाइल के जनरल मैनेजर एल अजित सिंह, होजाई जिले के हेंडलुम टैक्स टाइल के प्रभारी रूबल सैकिया के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

किडनी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर केसी जैकब ने किया मारवाड़ी हॉस्पिटल का अवलोकन

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित मारवाड़ी हॉस्पिटल में प्रसिद्ध किडनी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर केसी जैकब ने अस्पताल की व्यवस्था का अवलोकन करने के पश्चात अस्पताल प्रबंधन को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके पश्चात एक संवाददाता सम्मेलन में अस्पताल के महामंत्री आर एस जोशी ने डॉक्टर सी के जैकब का परिचय करवाया। डॉक्टर जैकब ने संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि भारत में 100 रोगियों के बीच 10 से 15 रोगी किडनी के बीमारी से ग्रसित होते हैं। पर ऐसा नहीं है कि यह इलाज करने लायक नहीं होते हैं। अगर किडनी की जांच करें या खून, पेशाब, टेस्ट करें तो किडनी का इलाज संभव होता है। किडनी की बीमारी में कई सालों के बाद धीरे-धीरे किडनी का फंक्शन खराब होकर किडनी काम करना बंद कर देती है। कई कारणो से किडनी खराब हो जाती है इसके लिए इलाज के अलावा खून की सफाई करना जिसे डायलिसिस कहते हैं यह पहला उपाय है। दूसरा उपाय पैरोंटोनीयल सिस्टम है जिसके द्वारा अपने घर में ही पेट में सुई लगाकर सफाई कर सकते हैं। तीसरा उपाय किडनी बदलना है। किडनी बदलने के भी कई नियम निर्धारित किए गए हैं। डॉक्टर जब ने किडनी प्रत्यारोपण के नियमों के बारे में जानकारी देते हुए आगे कहा कि किडनी प्रत्यारोपण हमेशा अपने पारिवारिक सदस्यों से ही करनी चाहिए। यह ज्यादा सालों तक टिकी रहती है। व्यवसायी किडनी दाता या दलालों के द्वारा किडनी नहीं लेनी चाहिए। क्योंकि यह गैर कानूनी भी है और किडनी की गुणवत्ता पर भी संदेह रहता है। भारत सरकार ने 1994 में किडनी प्रत्ययारोपण के लिए जो कानून बनाया है उसके अनुसार बाहर के लोगों के द्वारा किडनी नहीं ले सकते। मगर जिसकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई अथवा ब्रेन डेड हो गया और हार्ट सिस्टम पूरी तरह से काम कर रहा है उसकी किडनी चिकित्सक की सलाह से ली जा सकती है। हॉस्पिटलों को किडनी प्रत्यारोपण के नियमों के बारे में बताते हुए डॉक्टर जैकब ने आगे कहा कि

अस्पताल को किडनी प्रत्यारोपण के लिये सरकारी पंजीयन करना जरूरी है तथा हर महीने सरकार को किडनी प्रत्यारोपण की रिपोर्ट देना जरूरी है। किडनी की व्यवस्था किस रूप में की गई है यह भी बताना जरूरी है। इसके लिए दिल्ली में नेशनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन का मुख्यालय है जिसकी शाखा हर राज्य में है। किडनी के खराब होने के कारणो के बारे में बोलते हुए डॉक्टर जैकब ने कहा कि अल्कोहल और शराब से किडनी पर असर नहीं पड़ता। इसका असर लीवर पर ही पड़ता है। मगर तंबाकू सेवन का असर किडनी पर पड़ता है। किडनी फेल के लक्षण बताते हुए डॉक्टर जैकब ने आगे बताया कि पांव में सूजन, पेशाब में खून आना किडनी खराब होने के लक्षण है। उच्च रक्तचाप, खून में शुगर की मात्रा अधिक होने पर किडनी खराब हो जाती है। अत: मधुमेह और उच्च रक्तचाप रोगियों को 6 महीने में एक बार अपने खून, पेशाब की जांच करते रहना चाहिए। खान-पान के मामले में ज्यादा नमक खाना, अचार, पापड़ ज्यादा मात्रा में खाने से किडनी पर इसका असर पड़ता है। 90 प्रतिशत किडनी खराब हो जाए तो इलाज से ठीक हो सकती है। लेकिन अतिरिक्त अंतिम 10 प्रतिशत में डायलिसिस ही इसका एकमात्र उपाय है। संवाददाता सम्मेलन में अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय ने अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण सुविधा के बारे में पत्रकारों को बताया। संवाददाता सम्मेलन में एस एम फाउंडेशन के सुशील जैन भी उपस्थित थे। जिन्होंने अपनी किडनी का प्रत्यारोपण करवा कर आज भी स्वस्थ रूप से अपना जीवन जी रहे हैं। उन्होंने भी अपने संस्मरण के बारे में पत्रकारों को बताया।

अंडमान और निकोबार द्वीप से सेना ने दागी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल

- एक अन्य द्वीप पर रखे गए लक्ष्य पर मिसाइल ने लगाया सटीक निशाना
- सफल मिसाइल परीक्षण से दुश्मनों के लिए और अधिक मजबूत हुआ भारत

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप में मंगलवार को नई रेंज की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। विस्तारित रेंज वाली ब्रह्मोस 450 किलोमीटर तक लक्ष्य को भेद सकती है। यह सफल परीक्षण सेना की ब्रह्मोस मिसाइल रेजिमेंट ने पिन प्वाइंट सटीकता के साथ किया। इसके लिए एक अन्य द्वीप पर लक्ष्य रखा गया था, जिसे मिसाइल ने सटीक निशाना बनाया। इस सफल मिसाइल परीक्षण से भारतीय सेना के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है।

साथ ही दुश्मनों के लिए भारत और अधिक मजबूत हो गया है। इस महीने की शुरूआत में भारत ने एयरमेन को एक नोटम में कहा था कि 10 अक्टूबर को 450 किमी. या उससे अधिक की दूरी पर लक्ष्य को मारने वाली ब्रह्मोस के संस्करण का परीक्षण कर सकता है। परीक्षण के लिए अधिसूचित नो-फ्लाई जोन में सुझाव दिया गया था कि मंगलवार को क्रूज मिसाइल का विस्तारित संस्करण 450 किमी. या उससे अधिक की दूरी पर लक्ष्य को मार सकता है। नोटम एक तरह का नोटिस है, जो विमान पायलटों को हवाई मिशनों को सूचना देने के लिए जारी किया जाता है, ताकि उड़ान मार्ग या संभावित खतरों के बारे में सचेत किया जा सके। भारत के लगातार सफल परीक्षण किये जाने से विरोधियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। दुनिया की सबसे तेज ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के भूमि हमले संस्करण का पहला परीक्षण 24 नवम्बर, 2020 को भारतीय सेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से ही किया था। ब्रह्मोस लैंड-अटैक मिसाइल को चीन के खिलाफ लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में तैनात किया गया है। ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस कुछ सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब एयरबेस में तैनात हैं। भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से विकसित की गई ब्रह्मोस अब तक की सबसे आधुनिक प्रक्षेपास्त्र प्रणाली है, जिसने भारत को मिसाइल तकनीक में अग्रणी बना दिया है।

मोदी और नेतन्याहू में हुई बात, प्रधानमंत्री ने कहा भारत के लोग इजरायल के साथ खड़े

नई दिल्ली, (हि.स.)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टेलीफोन कर उन्हें गाजा पट्टी से हमास आतंकियों के हमले के बाद छिड़े युद्ध से जुड़े वर्तमान हालात से अवगत कराया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने इजरायली प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि भारत के लोग इस मुश्किल घड़ी में इजराइल के साथ मजबूती से खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि वे प्रधानमंत्री नेतन्याहू को उनके फोन कॉल और मौजूदा हालात से अवगत कराने के लिए धन्यवाद देते हैं। भारत के लोग इस मुश्किल घड़ी में इजरायल के साथ मजबूती से खड़े हैं। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करता है। उल्लेखनीय है कि हमास आतंकियों ने फलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के तहत शनिवार को गाजापट्टी से एक बड़ा हमला किया था। हमले में इजरायली नागरिकों की मौत हुई है और कई नागरिक हमास आतंकियों की कैद में है। भारत ने इस पूरे घटनाक्रम में इजरायल के साथ एकजुटता दर्शाई है और आतंकी हमले की निंदा की है।

जनाक्रोश रैली के समापन पर राहुल गांधी ने साधा भाजपा पर निशाना

शहडोल, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी मंगलवार को मप्र के एक दिवसीय प्रवास पर शहडोल के ब्यौहारी पहुंचे। उन्होंने यहां प्रदेश में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही जन आक्रोश रैली के समापन अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी ने अपनी किताब में लिखा था कि भाजपा की सच्ची लैबोरेट्री, सच्चा कारखाना गुजरात नहीं, मध्य प्रदेश में है। हिंदुस्तान की किसी और प्रदेश में मरे हुए लोगों का इलाज नहीं होता, यहां ऐसा होता है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में पैसा चोरी किया जाता है। महाकाल कॉरिडोर में शिवजी से चोरी की जाती है। बच्चों के स्कूल यूनिफॉर्म उनके मिड डे मील का पैसा चोरी की जाती है। यहां 18 साल में 18000 किसानों ने आत्महत्या की है। राहुल गांधी ने जनसभा में जातीय जनगणना कराने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो मप्र में पहला काम जातीय जनगणना कराने का होगा। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव मध्य प्रदेश के युवाओं का भविष्य तय करेगा। मध्य प्रदेश की तस्वीर सामने रखें। सोच समझकर मत के अधिकार का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि मैंने कौन सी गलती की, प्रदेश के 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। शहडोल जिले में 18000 किसानों का कर्ज माफ किया। यह पहली किस्त में था, दूसरा किस्त का काम चालू हो रहा था। यहां 100 यूनिट 100 रुपये बिजली दी, कौन सा गुनाह किया। दरअसल, कांग्रेस ने प्रदेश में 21 सितंबर से जन आक्रोश यात्राओं की शुरूआत की थी, जो 30 विधानसभा क्षेत्रों में घूमते हुए शहडोल के ब्यौहारी पहुंची है। इस जन आक्रोश यात्रा का मंगलवार को समापन हुआ। राहुल गांधी यहां समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। शहडोल से पहले राहुल गांधी विमान द्वारा सतना एयरपोर्ट पहुंचे, जहां उनका स्वागत करने के लिए कांग्रेसियों का हुजूम उमड़ पड़ा।

"सहकार से समृद्धि" के संकल्प को बल दे रहा है एनसीडीसी : शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के संकल्प को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) बल दे रहा है। शाह ने सोमवार को दिल्ली में एनसीडीसी की महापरिषद की 89वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीडीसी की क्षमता को पहचानते हुए इसे सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य भंडारण योजना के तहत परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। एनसीडीसी भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और संवर्धन को बढ़ावा देने वाली कार्यान्वयन एजेंसियों में से एक है, जो एफपीओ के रूप में नई सहकारी समितियों का पंजीकरण और उन्हें समर्थन प्रदान करती है। एनसीडीसी प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत मछली किसान उत्पादक संगठन (एफएफपीओ) के गठन और संवर्धन के लिए एक कार्यान्वयन एजेंसी भी है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि एनसीडीसी को निर्यात, जैविक और बीज उत्पादन पर गठित तीन नई राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि ये समितियां सहकारी क्षेत्र की कई दिग्गज कंपनियों की तरह अपने व्यवसाय में आगे बढ़ें। एनसीडीसी को शहरी सहकारी बैंक के प्रस्तावित छत्र संगठन में इक्विटी का पहला योगदानकर्ता भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, अपने गठन के बाद से, सहकारिता मंत्रालय ने देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने और जीडीपी में सहकारी समितियों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए पिछले 27 महीनों में 52 पहल की है। शाह ने कहा कि राज्य सरकारों की सहायता से एक राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस विकसित किया गया है, जिसमें देशभर की 8 लाख से अधिक सहकारी समितियों का व्यापक, प्रामाणिक और अपडेटेड डेटा उपलब्ध है।

विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश नहीं हुए भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद रमेश बिधूड़ी मंगलवार को संसद की विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश नहीं हुए। उन्हें लोकसभा में साथी सांसद के प्रति अभद्र टिप्पणी के लिए नोटिस भेजा गया था। सूत्रों के अनुसार भाजपा सांसद ने विशेषाधिकार समिति को सूचित किया है कि उनके पहले से निर्धारित अन्य कार्यों के कारण वे समिति के समक्ष पेश नहीं हो सकते। बिधूड़ी इस समय राजस्थान में भाजपा के चुनावी कैंपेन में लगे हुए हैं। सदन में चंद्रयान-3 मिशन पर चर्चा के दौरान कथित अनुचित आचरण के लिए उनके और कुंवर दानिश अली के खिलाफ विभिन्न संसद सदस्यों से प्राप्त शिकायतों के संबंध में रमेश बिधूड़ी से मौखिक साक्ष्य लिया जाना था।

हाकी खिलाड़ी अमित रोहिदास को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने दी बधाई

भुवनेश्वर, (हि.स.)। केन्द्रीय शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास में एशियाई खेलो में हाकी में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य अमित रोहिदास से भेंट कर उन्हें बधाई दी। इस बारे में प्रधान ने ट्वीट कर कहा कि एशियाई खेलों में अमित रोहिदास का प्रदर्शन काफी प्रशंसनीय था। उनकी सफलता से प्रेरणा लेकर आगामी दिनों में अनेक हाकी खिलाड़ी ओडिशा से पैदा होंगे तथा अपने प्रदर्शन से राज्य तथा देश को गौरवान्वित करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।

राजस्थान विस चुनावः 18 अक्टूबर तक जारी हो सकती है कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज कहा कि 18 अक्टूबर तक राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। गहलोत मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर गहलोत ने कहा कि 18 अक्टूबर के आसपास कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक होगी। इस दौरान हम राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों के नामों पर निर्णय लेंगे। उसके बाद उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस पुनः सरकार बनाने जा रही है। राज्य की जनता कांग्रेस की योजनाओं से खुश है। वह पुनः कांग्रेस को मौका देने के मूड में है। उन्होंने कहा कि जब वह दिल्ली आते हैं तो कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। इसी क्रम में वह आज उनसे मिले थे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में भी हिस्सा लिया था। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ यह बात दोहराई थी कि राजस्थान में जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी।

एक चिंगारी ने ले ली पटाखा यूनिट में काम करने वाले 11 लोगों की जान

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु की अरियालुर पटाखा यूनिट में विस्फोट में अब तक 11 लोगों की जान चली गई है। आज फिर विस्फोट में झुलसे एक और पीड़ित की मौत हो गई। इस तरह से मंगलवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 80 फीसदी जली हालत में तंजावुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराए गए 21 वर्षीय मुरुगानंदम की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान पी. सीनू (24), डी. पन्नीरसेल्वम (55), एस.रवि (45), आर. शिवकामी (45), के. रासथी (43) और एस. वेन्निला (38), के. अराविलगन (57), यू. शिवकुमार (50) और वी. आनंदराज (54) के रूप में हुई है। एक पुरुष के शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जिस फैक्ट्री और गोदाम में सोमवार को यह घटना घटी वह वेत्रियुर मदुरा विरागुलर गांव में स्थित है। फैक्ट्री के मालिक राजेंद्र (65) और उनके दामाद अरुण कुमार (39) को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दीपावली के मद्देनजर, राजेंद्रन ने 30 और श्रमिकों को नियुक्त किया था जो पटाखों की मांग को पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम कर रहे थे, जब यह घटना हुई। विस्फोटक घटकों में एक चिंगारी के कारण बड़ी तबाही हुई और आग ने पटाखा यूनिट और गोदाम परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। जबकि अन्य लोग सुरक्षा के लिए भागे, उनमें से ग्यारह की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 3 लाख रुपये और विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों को 1 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है।

राघव चड्ढा ने राज्यसभा से निलंबन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा से निलंबन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राघव चड्ढा को 11 अगस्त को निलंबित किया गया था। पांच सांसदों की सहमति के बिना उनका नाम सेलेक्ट कमेटी के लिए प्रस्तावित करने के आरोप में उन्हें निलंबित किया गया था। मामला अभी विशेषाधिकार कमेटी के पास है। राघव ने निलंबन को गलत बताया है। इस मामले मे पांच सांसदों का दावा था कि दिल्ली सेवा विधेयक को उनकी सहमति के बिना सेलेक्ट कमेटी को भेजने के प्रस्ताव पर उनके नाम का उल्लेख किया गया था। यह प्रस्ताव आप सांसद राघव चड्ढा ने पेश किया था, जिसमें सांसद चड्ढा पर फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप है। इसके विरोध दर्ज कराने वाले सदस्यों में से तीन बीजेपी के सांसद हैं। एक सांसद बीजेडी से हैं और एक अन्नाद्रमुक सांसद हैं। इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जांच की मांग की थी।

खान मंत्रालय ने खनिज रियायत नियम के 27 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से हटाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। खान मंत्रालय ने परमाणु खनिज रियायत नियम, 2016 में संशोधन कर 27 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया है। मंत्रालय ने इसके जरिए नियमों को आसान बनाने के अपने लक्ष्य को पूर्ण रूप से हासिल कर लिया है। इस संशोधन का लक्ष्य अनुपालन बोझ को कम करना और व्यापार सुगमता सुनिश्चित करना है। खान मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी बयान के मुताबिक विशेष अभियान 3.0 दो अक्टूबर 2023 से शुरू हुआ है। इस के तहत खान मंत्रालय ने परमाणु खनिज रियायत नियम, 2016 में संशोधन के जरिए 27 नियमों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण रूप से हासिल कर लिया है। मंत्रालय के मुताबिक अनुपालन बोझ को कम करने और व्यापार सुगमता सुनिश्चित करने के अभियान के तहत नियमों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इस अभियान के तहत खान मंत्रालय ने सभी लंबित मामलों का निपटान करने और अपने सभी कार्यालयों में कार्यस्थल के अनुभव में सुधार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा खान मंत्रालय ने कागजरहित के अपने 43 फीसदी लक्ष्य को हासिल कर लिया है। इससे करीब 9,212 वर्ग फुट कार्यालय क्षेत्र खाली हो गया है।

खान मंत्रालय
MINISTRY OF MINES
सत्यमेव जयते

27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर हाई कोर्ट की रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अगले माह होगी सुनवाई

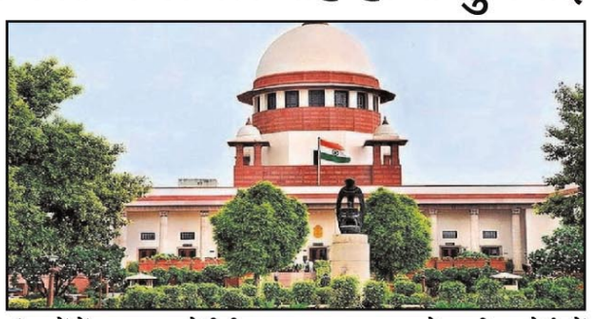

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों में और शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले के लिए ओबीसी आरक्षण को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी किए जाने के फैसले को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की रोक को हटाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई नवंबर के पहले सप्ताह में होगी। दरअसल, 2019 में राज्य में कमलनाथ की सरकार के दौरान सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में बढ़ाए गए ओबीसी आरक्षण के फैसले पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में हाई कोर्ट की रोक को हटाने की मांग की गई थी।

राजनाथ सिंह ने इतालवी रक्षा मंत्री के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग पर किया समझौता

नई दिल्ली, (हि.स.)। इटली और फ्रांस के दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रोम में अपने इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो के साथ बैठक की। उन्होंने भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग के समझौते पर हस्ताक्षर किए। राजनाथ सिंह के साथ प्रशिक्षण, सूचना साझाकरण और समुद्री सुरक्षा सहित रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रोम में इतालवी रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो के साथ गर्मजोशी भरी और सार्थक बैठक हुई। हमने रक्षा सहयोग से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें प्रशिक्षण, सूचना साझा करना और समुद्री सुरक्षा शामिल था। दोनों देश रक्षा साझेदारी और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा, भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग पर एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए। हम अपनी रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। राजनाथ सिंह की दो देशों की यात्रा के पहले चरण के दौरान उनका रोम में इतालवी रक्षा मंत्री गुइडो क्रिसेटो से मिलने का कार्यक्रम था। इतालवी प्रधानमंत्री की मार्च, 2023 में भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। दोनों देशों के बीच राजनीतिक और आधिकारिक स्तर पर यात्राओं का नियमित आदान-प्रदान होता रहा है। वह औद्योगिक सहयोग के संभावित अवसरों पर चर्चा करने के लिए फ्रांसीसी रक्षा उद्योग के सीईओ और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत करेंगे। राजनाथ सिंह यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में अपने समकक्ष फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ 5वीं वार्षिक रक्षा वार्ता का संचालन करेंगे। भारत और फ्रांस ने हाल ही में रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण औद्योगिक सहयोग सहित गहरे और व्यापक द्विपक्षीय रक्षा संबंध हैं। रक्षा मंत्री की फ्रांस यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब भारत भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार कर रहा है। फ्रांसीसी डसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर 26 अत्याधुनिक राफेल-एम फाइटर जेट खरीदने के लिए भारतीय नौसेना सौदे पर आगे की बातचीत के लिए भारत पहुंचे। भारतीय नौसेना वाहक आईएनएस विक्रांत पर तैनात करने के लिए भारत और फ्रांस सरकार से सरकार मार्ग से इस बहु अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर करना चाह रहे हैं। भारतीय नौसेना ने अमेरिकी जेट एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट को खारिज करके फ्रांसीसी राफेल एम का सौदा करने का विकल्प चुना है।

जो बसते हैं दिल में लोगों के, वो जाकर भी कहीं न जाते : अखिलेश यादव

सैफई, (हि.स.)। समाजवाद के प्रतीक धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर सैफई स्थित समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत तमाम नेता पुष्प अर्पित करने पहुंचे। सपा अध्यक्ष ने समाधि स्थल पर पहुंचकर नेताजी को याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान राम गोपाल यादव, शिवपाल यादव समेत परिवार व पार्टी नेतागण के साथ भारी संख्या में जनता की उपस्थित भीड़ ने नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित कर याद किया। नेताजी की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद सैफई स्थित आवास पर हवन-पूजन का आयोजन हुआ। इस दौरान सांसद डिम्पल यादव समेत परिवार के सभी सदस्यों ने हवन में आहूति देते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नेताजी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट कर लिखा कि 'जो बसते हैं दिल में लोगों के, वो जाकर भी कहीं न जाते हैं।' आपके सिद्धांतों और प्रयासों को नमन करते हुए उन्हें और भी साकार और सार्थक करने की वचनबद्धता के साथ श्रद्धांजलि! इसी तरह समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट कर कहा गया कि समाजवाद के प्रेरणापुंज, न्याय और बराबरी के पक्षधर, हर मजदूर, दलित, वंचित, शोषित की मुखर आवाज, जिनके विचारो का प्रकाशपुंज हमेशा हमें आलोकित करता है। ऐसे महान व्यक्तित्व, सरल हृदय और जमीन से सदा जुड़े रहे धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। हम हमेशा आपके दिखाए मार्ग पर चलते रहेंगे। नेताजी की प्रथम पुण्यतिथि पर सपा महासचिव प्रो. राम गोपाल यादव ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा 'आज नेताजी की प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर कृतज्ञ समाजवादी उन्हें सादर नमन करते हैं। नेता जी के द्वारा सत्ता के अन्याय के खिलाफ किया गया संघर्ष पीढ़ी दर पीढ़ी लोग याद करेंगे और उससे प्रेरणा लेंगे। नेता जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन वे एक विचार के रूप में न केवल हमारे बीच रहेंगे बल्कि देश के शोषित, वंचित और पीड़ित लोगों को संघर्ष की राह दिखाते रहेंगे। उन्हें शत शत नमन!' शिवपाल यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स से पोस्ट कर लिखा ठहरी-ठहरी सी जिंदगी है, सबकी आंखों में नमी है..., एक धोखा है ये सब रंग और सवेरा, बिन सूरज ये उजाला है तो अंधेरा क्या है? हम सभी के ऊर्जा के स्रोत और अभिभावक नेता जी हमारी स्मृतियों व विचारों में सदैव जीवित रहेंगे। विनम्र श्रद्धांजलि। सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट कर कहा कि समाजवादी किसान आंदोलन के माध्यम से सदैव गरीबों-मजदूरों, किसानों की लड़ाई लड़ने वाले महान नेता, पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय रक्षामंत्री, धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। इसी तरह सपा नेताओं द्वारा नेताजी को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी जा रही है। उनकी समाधि स्थल पर पहुंचने वालों को तांता लगा हुआ और सभी पुष्प अर्पित कर नेताजी को भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट को सौंपे नियुक्ति पत्र

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट को नियुक्ति सौंपे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी नवचयनित फार्मासिस्टों को हृदय से बधाई, अधीनस्थ चयन आयोग को निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के लिए भी बधाई। योगी ने कहा कि आज भारत ने ट्रेडिशनल मेडिकल के क्षेत्र में लम्बी छलांग लगाई है। कोरोना काल में आपने देखा होगा। होम्योपैथिक और आयुष के बारे मे लोग जागरूक रहे, लेकिन पहली बार देश में योग आयुष को मिलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयुष मंत्रालय का गठन किया गया। आज योग को वैश्विक मान्यता मिली है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में विश्व के 190 देश जुड़ते हैं, भारत की देन से वैश्विक मान्यता मिली। भारत का आयुष काढ़ा विपत्ति के समय लोगों के लिए जीवन रक्षक बना। उत्तर प्रदेश में पहली बार आयुष के अलग-अलग विधाओं के लिए आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। 2014 के पहले होम्योपैथिक फार्मासिस्ट के लिए सरकारी व्यवस्था में कोई भर्ती नहीं थी। यदा कदा हो गया तो हो गया। आज हम हर 05 हजार की आबादी पर योग और वेलनेस सेंटर बनाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। आयुष के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। आयुष को आमजन के सुविधा के लिए पहुंचाने के कार्य हो रहे है। आयुर्वेद नेचुरोपैथी यूनानी विधाओं में आज भी लोग करियर बनाने मे हिचकते हैं। जबकि इसके माध्यम से उत्तम आरोग्यता मिलेगी ही, साथ ही अच्छा कॅरियर भी बनेगा, इनसे जुड़े लोग अपनी सोच को बदलें। इसमें उत्कृष्ट संभावनाएं हैं। पैरामेडिक्स इसके बैक बोन हैं। होम्योपैथिक का जन्म जर्मनी

में हुआ। जबकि इसकी मीठी गोलियां कोई भी व्यक्ति ले सकता है। जहां आपको ड्यूटी दी जाए, वहां उपलब्ध रहकर आप इस विधा को मजबूती दे सकते हैं। अगर आपकी नियुक्ति के बाद आप ड्यूटी पर न जाएं, मरीजों को इलाज न मिले तो यह कृतज्ञता नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कैबिनेट ने योग प्राकृतिक चिकित्सा की डिग्रियों को भी मान्यता दी है। आयुष विश्वविद्यालय और निदेशालय के माध्यम से इसमें तकनीकी डिग्री डिप्लोमा के लिए दिये जाने के कार्य हो रहे हैं। पहले लोक सेवा आयोग और चयन आयोगों में परिणाम आने में डेढ़ दो साल लग जाते थे। अब कार्य इतनी तेजी से हो रहा है कि पिछले छह वर्षों में छह लाख से ज्यादा नौकरियां मिलीं। छह लाख नौजवान सरकारी नौकरी से वंचित थे। अगर ये छह लाख युवा अगर अपनी सामर्थ्य से सेवा करें तो उत्तर प्रदेश को फिर से बीमारू नहीं बनेगा। उत्तर प्रदेश की स्पीड तेजी से बढ़ जाएगी। नियुक्ति मे पारदर्शिता रखी गयी है। उसी अनुसार सबकी जवाबदेही भी तय की गयी है। आज उत्तर प्रदेश में निवेश की नई संभावनाएं बनी हैं। ये वही उत्तर प्रदेश है जहां पहले आराजकता, गुंडागर्दी और दंगो से ग्रस्त था। आज उत्तर-प्रदेश न सिर्फ निवेश में आगे बढ़ा है, बल्कि युवाओं को रोजगार भी दे रहा है। उत्तरप्रदेश के 38 लाख करोड़ के निवेश जिस दिन धरातल पर उतरेंगे तो एक करोड़ से ज्यादा युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। इसके लिए हमको कड़े कदम भी उठाने पड़े। इन कड़े कदम में समाज का भी आशीर्वाद प्राप्त हुआ। अगर आपका व्यवहार सद्भावनापूर्ण होगा तो मरीज की आधी बीमारी दूर हो जाती है। दवा के साथ उसकी दुआ भी आपको लगेगी। इसलिए आपका व्यवहार सद्भाव पूर्ण होना चाहिए। मुझे विश्वास है कि आप सभी बेहतरीन कार्य करेंगे।

उप्र में पुलिस को मिलेगा हाई स्पीड डाटा

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश के कई विभाग ई-ऑफिस से संचालित हो रहे हैं। इसी के तहत राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश पुलिस में इस्तेमाल होने वाले सीयूजी नम्बरों के सिम को अपग्रेड करने का निर्देश दिया है। इसकी वजह से पुलिसकर्मियों को हाई स्पीड मोबाइल डाटा मिलेगा और नेटवर्क फेल की समस्या भी दूर होगी। गृह विभाग की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए निर्देश के बाद अब पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके थ्रीजी सिम की जगह फोरजी सिम देने की तैयारी शुरू कर दी गयी है। इसको लेकर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय के अधिकारियों ने भारत संचार निगम लिमिटेड को निर्देशित किया है। फोरजी सिम मिलने के बाद पुलिसकर्मियों को हाई स्पीड से जोड़ा जा सकेगा। उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा डाटा मिलेगा और उनकी कनेक्टिवटी भी बेहतर होगी, जिससे अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यूपी पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी कई वर्षों से थ्रीजी सिम से काम चला रहे हैं। इसमें अब तकनीकी समस्याएं भी आने लगी हैं। मोबाइल टेक्नोलॉजी में बदलाव की वजह से जल्द ही फाइवजी इस्तेमाल होने लगेगा। वहीं, वर्तमान में इस्तेमाल हो रहे थ्रीजी सिम की वजह से कई जगहों पर नेटवर्क की समस्या का सामना भी करना पड़ता है, जिसे इस पहल से दूर किया जा सकेगा। इसके अलावा ट्राई की गाइडलाइन के मुताबिक, मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों को पुलिस के सीयूजी से होने वाली कॉल को प्राथमिकता देनी होगी। उदाहरण के तौर पर यदि किसी जगह बड़ी घटना होने पर आमजन के साथ पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का जमावड़ा लग जाता है, तो वहां मौजूद बीटीएस अधिक संख्या में कॉल करने की वजह से जाम हो जाता है। समस्या को देखते हुए ट्राई ने कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर्स को निर्देश दिया है वह पुलिस के सीयूजी सिम से होने वाली कॉल को प्राथमिकता प्रदान करे, ताकि आपात स्थिति में इमरजेंसी सेवाओं में देरी न हो।

वीके सिंह ने किया रैपिड रेल परियोजना का निरीक्षण

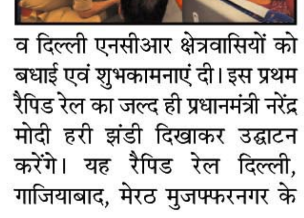

गाजियाबाद, (हि.स.)। सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नगर विमान राज्य मंत्री जनरल डॉ. विजय कुमार सिंह ने भारत की पहली रैपिड रेल परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने रैपिड रेल में सफर भी किया। रैपिड रेल निजामुद्दीन दिल्ली से लेकर मेरठ तक चलने वाली है। यह रैपिड रेल पहले चरण में गाजियाबाद में शहीद स्थल से लेकर दुहाई तक 17 किलोमीटर की दूरी में चलाई जानी है । श्री सिंह ने इसका निरीक्षण करते हुए समस्त गाजियाबाद व दिल्ली एनसीआर क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस प्रथम रैपिड रेल का जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन करेंगे। यह रैपिड रेल दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ मुजफ्फरनगर के यात्री जो इस रूट पर प्रतिदिन आवाजाही करते हैं, उन्हें इसका बेहद लाभ मिलेगा। यह रैपिड रेल भारत की सबसे आधुनिक सबसे तेज गति से चलने वाली पहली रैपिड रेल है जो जल्दी ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण होकर जनता को समर्पित होने जा रही है। इस निरीक्षण के दौरान गाजियाबाद के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक और रैपिड रेल के अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी खिलाड़ी निष्ठा और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करें : डीआईजी

मुरादाबाद, (हि.स.)। रिजर्व पुलिस लाइन में मंगलवार को 71वीं अन्तरजनपदीय पुलिस वार्षिक (महिला/पुरुष) एथलेटिक्स, खो-खो व साईकिलिंग प्रतियोगिता-2023 का शुभारंभ हुआ। पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में बरेली जोन के नौ जिलों से आए महिला और पुरुष खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। रिजर्व पुलिस लाइन ग्राउंड में मुख्य अतिथि डीआईजी मुनिराज जी और एसएसपी हेमराज मीणा ने मार्च पास्ट की सलामी लेकर और गुब्बारे उड़ाकर अन्तरजनपदीय पुलिस वार्षिक प्रतियोगिता-2023 का शुभारंभ किया। इस दौरान डीआईजी ने सभी खिलाड़ी को निष्ठा और खेल भावना से प्रतियोगिता में शामिल होने की शपथ दिलाई। इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद के साथ ही रामपुर, बिजनौर, संभल, अमरोहा, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत के करीब 170 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। महिला और पुरुष दोनों वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न प्रकार के एथलेटिक्स की स्पर्धा के साथ ही खो-खो और साइकिल रेस भी होगी। आरआई रकम सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन 13 अक्तूबर को होगा।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नगर अखिलेश भदौरिया, एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार, एपी देहात संदीप मीना, सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

झारखंड इंटेलेक्चुअल फोरम समिट 11 से 13 अक्टूबर तक रांची में

रांची, (हि.स.)। झारखंड इंटेलेक्चुअल फोरम समिट 11 से 13 अक्टूबर तक रांची के पुराने विधानसभा में आयोजित होगा। यह तीन दिवसीय समिट का थीम वैश्विक स्तर पर झारखंड को एक अलग पहचान दिलाना, भारत में नंबर वन राज्य बनाना, कौशल निर्माण, युवाओं को सशक्त बनाना, क्रिएटिंग फ्यूचर है। ये बातें मंगलवार को फोरम के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में कहीं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन झारखंड इंटेलेक्चुअल फोरम नामक संस्थान की ओर से किया गया है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड को भारत का नंबर वन राज्य बनाना, वैश्विक स्तर पर हमारे झारखंड के आत्मविश्वास को बढ़ाना, युवाओं का झारखंड कला,खेल, तकनीकी, साहित्य एवं उद्यम, नए झारखंड के निमार्ता को नमन, युवा शक्ति, युवा संवाद, हमारा स्वर्णिम भविष्य, मेरे राज्य का प्रवासी झारखंडवासी, मेरी विरासत मेरा जीवन जैसे बिंदुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श होगा। उन्होंने कहा कि जल, जंगल, जमीन, लंबे संघर्ष, हजारों लाखों लोगों के त्याग, समर्पण, बलिदान और उनके शहादत के बाद 15 नवंबर, 2000 को भारत के भूखंड पर झारखंड बिहार से अलग होकर एक राज्य के तौर पर स्थापित हुआ।

यह झारखंड राज्य अगले कुछ ही दिनों में 23 वर्ष का हो जाएगा यानी हमारा यह प्रदेश पूरे तरीके से युवा झारखंड बन जाएगा। उन्होंने कहा कि इस युवा झारखंड में हमारा यह दायित्व बनता है कि युवा झारखंड के आत्मविश्वास, युवा शक्ति, हमारा स्वर्णिम भविष्य, खेल, कला तकनीकी, उद्योग और झारखंड को भारत के भूखंड पर नंबर वन राज्य बनाना है। इस विषय पर राज्य के सभी राजनीतिक पार्टियों सामाजिक संगठनों को युवाओं को पत्रकारों को साहित्यकारों को एक मंच पर लाकर चर्चा करे। यह झारखंड इंटेलेक्चुअल समिट इसी का एक प्रयास है।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, विधायक लॉबिन हेम्ब्रम, रांची विधायक सीपी सिंह, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, मांडर विधायक नेहा शिल्पी तिर्की, वीसी सरला बिरला यूनिवर्सिटी गोपाल पाठक, यूपीएससी चेयरमैन मैरी नीलिमा केरकेट्टा, आईएएस मुकेश कुमार, जनरल एडवोकेट अशोक कुमार, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, बड़कागांव विधायक अम्बा प्रसाद और कई मंत्री उपस्थित रहेंगे।

धनबाद में दुर्गा पूजा के मद्देनजर पुलिसकर्मियों की छुट्टी स्थगित

धनबाद, (हि.स.)। दुर्गा पूजा के मद्देनजर धनबाद में सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियों को स्थगित कर दिया गया है। इस बाबत धनबाद एसएसपी संजीव कुमार ने मंगलवार को सभी थानेदार, सार्जेंट, सिटी एसपी एवं पर्यवेक्षक को पत्र लिखकर आदेश जारी किया है। इस आदेश के मुताबिक दुर्गा पूजा पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था के मद्देनजर सभी पुलिस पदाधिकारियों, पुलिसकर्मियों का सभी प्रकार का अवकाश तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाता है। सभी थाना, ओपी प्रभारी, पुलिस निरीक्षक, परिचारी प्रवर, डीएसपी, एसडीपीओ को निर्देश दिया जाता है कि पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण के लिए काफी संख्या में बलों की प्रतिनियुक्ति को दृष्टिगत रखते हुए किसी भी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं की जाएगी। साथ ही नौ अक्टूबर से स्वीकृत अवकाश में भी प्रस्थान नहीं देंगे। विशेष परिस्थिति में आरक्षी, हवलदार संवर्ग के कर्मियों का अवकाश संबंधित डीएसपी, एसडीपीओ एवं पुलिस पदाधिकारियों का अवकाश अधोहस्ताक्षरी के स्तर से स्वीकृत किया जायेगा। सभी पुलिस पदाधिकारी, कर्मी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में मुस्तैदी से विधि-व्यवस्था संधारण का कार्य करेंगे। विधि व्यवस्था को देखते हुए श्रावणी मेला ड्यूटी के लिए पांच दिनों की अनुमति अवकाश लेकर समय पर योगदान नहीं करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अनुमति अवकाश पर गये पुलिसकर्मी को 11 अक्टूबर तक योगदान देना होगा।

रतन हाइट्स मामले में पुराने बिल्डर को हाई कोर्ट का नोटिस, अंतिम सुनवाई एक नवंबर को

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने रतन हाइट्स के पुराने बिल्डर नरेंद्र बुटाला को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई आज हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। कोर्ट ने अंतिम बहस के लिए एक नवंबर की तिथि निर्धारित की। मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स मामले में एकल पीठ के आदेश के खिलाफ बिल्डर वीकेएस रियलिटी और लैंड ओनर की अपील पर मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट में सभी पक्षों की ओर से बहस की गई। प्रतिवादी रतन हाइट्स रेसीडेंशियल सोसायटी की ओर से अधिवक्ता रोहित रंजन सिन्हा, अधिवक्ता इंद्रजीत सिंह एवं फ्लैट ओनर की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने पैरवी की, जबकि रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता शशांक शेखर ने पैरवी की। रतन हाइट्स की ओर से बताया गया कि मामले में एकल पीठ ने उनके पक्ष में फैसला दिया है, लेकिन बिल्डर एवं लैंड ओनर ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया है। इसी मामले की अवमानना याचिका पर तीन नवंबर को सुनवाई होनी है। प्रतिवादी की ओर से कोर्ट को यह भी बताया गया कि एकल पीठ के आदेश के बावजूद बिल्डर ने रतन हाइट के बहु मंजिला इमारत के बगल में स्थित गड्ढे को नहीं भरा है। हाल ही में रांची में हो रही भारी बारिश की वजह से रतन हाइट्स की एक और बाउंड्री को गिर गई थी। बाउंड्री वॉल गिरने के कारण गड्ढे का पानी रतन हाइट्स की नींव के भीतर प्रवेश करने की आशंका पैदा हो गयी है इससे इस बहुमंजिला इमारत को खतरा बढ़ गया है। रतन हाईट्स बिल्डिंग रेसिडेंशियल सोसाइटी की याचिका पर हाई कोर्ट ने इस वर्ष जुलाई माह में अपना फैसला सुनते हुए नगर आयुक्त द्वारा संशोधित नक्शा पास किए जाने के आदेश एवं संशोधित नक्शे को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 46 कट्ठा पर जो कॉमन एरिया था वह कॉमन एरिया ही रहेगा। कोर्ट ने लैंड ओनर और बिल्डर वीकेएस रियलिटी को गड्ढा भरने और यदि उसमें कोई कंस्ट्रक्शन किया है तो उसे हटाने, रिटेनिंग वॉल हटाने और उस जमीन को एक माह में सोसाइटी को हैंड ओवर करने का दिया निर्देश दिया था । कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि 86 कट्ठा का नक्शा पास हुआ था वह सही था, उसमें कॉमन एरिया डिसाइडेड था। इसलिए 86 कट्ठा में से 46 कट्ठा को अलग कर उसका संशोधित नक्शा पास करना गलत है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में बिहार राजस्व कर्मचारी नियमावली के गठन सहित 14 एजेंडों पर मुहर

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार दोपहर संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत बिहार राजस्व कर्मचारी नियमावली-2023 के गठन की स्वीकृति सहित कुल 14 एजेंडों पर मुहर लगी। बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ एस सिद्धार्थ ने प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि वित्त विभाग के अन्तर्गत चुनाव कर्मी/सुरक्षा कर्मी के निर्वाचन कार्य के दौरान मृत्यु या स्थायी अपंगता की स्थिति में देय अनुग्रह अनुदान की स्वीकृति दी गई। पूर्व से निर्गत इस आदेश में राष्ट्रपति तथा उप राष्ट्रपति के निर्वाचन के दौरान भी आदेश प्रभावी होगा, इसे जोड़ा गया है। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम, 2021 की धारा-29(1) में निहित प्रावधान के आलोक में बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के प्रथम परिनियम की स्वीकृति दी गई। सहकारिता विभाग के अन्तर्गत राज्य में अधिप्राप्ति कार्य में संलग्न सहकारी संस्थाओं पैक्स/व्यापार मंडलों को (चावल) की आपूर्ति के आधार पर पूर्व से देय प्रबंधकीय अनुदान की राशि को खरीफ विपणन मौसम, 2022-23 से 10 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर प्रोत्साहन स्वरूप 30 जून तक शत-प्रतिशत आपूर्ति करने पर 30 रुपये प्रति क्विंटल, 31 जुलाई तक शत प्रतिशत आपूर्ति करने पर 25 रुपये प्रति क्विंटल एवं उसके बाद शत-प्रतिशत (चावल) आपूर्ति करने पर 20 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रबंधकीय अनुदान की राशि की भुगतान की स्वीकृति दी गई।

गृह विभाग (कारा) के अन्तर्गत कारा चिकित्सा सेवा को सुदृढ़ बनाने एवं मानसिक रोग से ग्रसित बंदियों के विशेष चिकित्सा सुविधा हेतु राज्य के सभी 08 केन्द्रीय काराओं में एक-एक नैदानिक मनोचिकित्सक (संविदा आधारित) का पद सृजित करने की स्वीकृति दी गई। इनमें आदर्श केंद्रीय कारा बेऊर, पटना, केंद्रीय कारा गया, केंद्रीय कारा बक्सर, केंद्रीय कारा पूर्णिया, केंद्रीय कारा मोतिहारी, केंद्रीय कारा भागलपुर, विशेष केंद्रीय कारा भागलपुर, खुदीराम बोस केंद्रीय कारा मुजफ्फरपुर हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत जल संसाधन विभाग के कुल 07 सिंचाई अंचल पदाधिकारियों का बिहार राजस्व सेवा के मूल कोटि के पद-राजस्व अधिकारी एवं समकक्ष ग्रेड में सेवा समायोजन की स्वीकृति दी गई। सामान्य प्रशासन विभाग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिहार प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (बिपार्ड) गया के निर्माण के लिए 10.36 एकड़ रैयतों की भूमि के मुआवजा भुगतान के लिए दस करोड़ सताईस लाख रुपये के विरुद्ध पुनरीक्षित राशि कुल चौवन करोड़ ग्यारह लाख छियालीस हजार पांच सौ इकहत्तर रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत बिहार वित्त सेवा गृह निर्माण सहयोग समिति लिमिटेड, पटना को पटना जिलान्तर्गत पटना सदर अंचल के मौजा-धीराचक, थाना सं0-16 के विभिन्न खाता एवं खेसरा की कुल रकबा-11.86 एकड़ भवन निर्माण विभाग के स्वामित्व की भूमि अवमाननावाद (सिविल) संख्या- 123/2011 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में लीज पर बन्दोबस्त भू-खण्ड के कतिपय खेसरा का सर्वे नक्शा से रकबा एवं खतियानी रकबा में भिन्नता होने के फलस्वरूप वास्तविक रूप में 11.86 एकड़ के बजाय 12.02 एकड़ आवंटित हो जाने एवं अंश भाग पर भवन निर्माण विभाग के कनीय अभियन्ता का कार्यालय अवस्थित होने के कारण उक्त बन्दोबस्ती सम्बन्धी राजस्व एवं भूमि सुधार विभागीय स्वीकृत्यादेश की भूमि विवरणी को संशोधित करने की स्वीकृति दी गई। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के ही तहत राकेश कुमार, तत्कालीन अंचल अधिकारी, राजपुर, बक्सर को सरकारी सेवा से बर्खास्तगी, जो सामान्यतया सरकार के अधीन भविष्य में नियोजन के लिए निरर्हता होगी, का दण्ड अधिरोपित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत गजेन्द्र कुमार मिश्रा, भाप्रसे के संयुक्त सचिव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार, पटना के उनकी सेवानिवृति की तिथि 31 अक्टूबर के बाद उसी पद के विरुद्ध संविदा पर अगले दो वर्षों या नियमित पदस्थापन होने तक के लिए, जो पहले हो, नियोजन की स्वीकृति दी गई। निर्वाचन विभाग के अन्तर्गत लोक सभा आम निर्वाचन, 2024 की तैयारी के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से प्राप्त निर्वाचन संचालन से संबंधित पुस्तकों के मुद्रण के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के उपक्रम मेसर्स सरस्वती प्रेस लिमिटेड को नामांकन के आधार पर प्राधिकृत करने की स्वीकृति दी गई।

बरौनी रिफाइनरी को मिला 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ रिफाइनरी प्रदर्शन सुधार पुरस्कार

बेगूसराय, (हि.स)। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के बरौनी रिफाइनरी (बीआर) ने नौ एमएमटीपीए से कम क्षमता की श्रेणी के तहत प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ रिफाइनरी प्रदर्शन सुधार पुरस्कार 2022-23 प्राप्त किया है। यह पुरस्कार भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएचटी) ने दिया है। नई दिल्ली में सीएचटी द्वारा आयोजित 26वीं ऊर्जा प्रौद्योगिकी बैठक में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी मामले मंत्रालय के केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य (एस.एम. वैद्य), निदेशक (रिफाइनरीज) शुक्ला मिस्त्री एवं बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा को प्रदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, हाइड्रोकार्बन के वैज्ञानिक सलाहकार समिति पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोडकर एवं पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन भी उपस्थित थे। बैठक का विषय "उभरती ऊर्जा प्रवृत्तियां और रिफाइनिंग का भविष्य" था। इसमें दुनिया भर के करीब 14 सौ प्रतिनिधियों और वक्ताओं ने भाग लिया। पुरस्कार का मूल्यांकन वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सात महत्वपूर्ण मापदंडों पर आधारित था। पुरस्कार से सम्मानित बरौनी रिफाइनरी ने 2022-23 के दौरान क्रूड थ्रूपुट 6785.40, एमबीएन 71.24, परिचालन उपलब्धता 99.90 प्रतिशत, परिचालन लागत 1.92 डॉलर/बीबीएल, विशिष्ट भाप खपत 0.90, ऊर्जा संरक्षण उपाय 18807 एसआरएफटी/वर्ष, विशिष्ट जल खपत 0.83 तथा कार्बन उत्सर्जन तीव्रता 1459.50 टीएमटी सहित सभी पैरामीटर पर देश में नौ एमएमटीपीए से कम क्षमता वाली सभी रिफाइनरियों से बेहतर प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इंडियन ऑयल के अध्यक्ष एस.एम. वैद्य ने बरौनी रिफाइनरी के इतिहास में समग्र प्रदर्शन हासिल करके खुद को आगे बढ़ाने के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आप सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने और एक एकीकृत मजबूत टीम के रूप में अपनी सीमाओं से आगे बढ़ते हुए बरौनी रिफाइनरी को इस ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए सराहनीय प्रयास किया। बेहद गौरवान्वित और उत्साहित हूं कि हमारे ऊर्जा सैनिक हमेशा राष्ट्र प्रथम के अभियान के साथ सेवा करने के मिशन पर लगे हैं। निदेशक (रिफाइनरीज) शुक्ला मिस्त्री ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी कर्मचारियों को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी है। उन्होंने विशेष रूप से उच्चतम क्रूड थ्रूपुट और ऊर्जा दक्षता मापदंडों तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करने के लिए टीम की सराहना की। कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट रूप से दृढ़ विश्वास है कि हम बरौनी रिफाइनरी के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीम सभी सीमाओं को पार कर सकते हैं। सभी लोगों पर गर्व है, क्योंकि आपने वास्तव में इंडियन ऑयल के नीतिपरक मूल्यों को चरितार्थ किया है। यकीन है कि एक टीम के रूप में आप इस उत्साह को जारी रखेंगे और सर्वश्रेष्ठ से बेहतर हासिल करके कॉर्पोरेशन को आगे बढ़ाएंगे। निदेशक (रिफाइनरीज) शुक्ला मिस्त्री के मार्गदर्शन और प्रेरणा से टीम बीआर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने के लिए समर्पित हुई। उन्होंने इंडियन ऑयल के अध्यक्ष एवं निदेशक (रिफाइनरीज) का प्रेरणा और सकारात्मक सुदृढ़ीकरण के लिए आभार जताया है।

संपादकीय

नए पर्यटन की पैदावार

पर्यटन से मुलाकात करतीं योजनाएं अब एडीबी फंडिंग के तहत मुस्करा रही हैं और इस दृष्टि से कुल 2300 करोड़ के प्रस्तावों में से 1313 करोड़ की मंजूरी, बरसाती आपदा के बाद अपनी क्षमता को फिर से उगाने का सबब बनेगी। वर्तमान सुक्खू सरकार के इरादों के फलक पर पर्यटन का मकसद जिस आर्थिकी को पुकार रहा है, उसे कुछ हद तक एशियन डिवेलपमेंट बैंक ने सुना और प्रोजेक्ट के पहले चरण के बिड डाक्यूमेंट को मंजूर कर दिया। जाहिर है इससे धर्मशाला कान्वेंशन सेंटर, दियोटसिद्ध मंदिर परिसर और पालमपुर शहर के परिदृश्य में सौंदर्यीकरण से पर्यटन सुदृढ़ होगा। एडीबी की मदद से पर्यटन की अन्य अनेक मीनारें भी खड़ी होनी हैं और अगर यह प्रक्रिया मुकम्मल होती है, तो गुणात्मक दृष्टि से यह क्षेत्र कुछ नए मील पत्थर रख पाएगा। ऐसा नहीं है कि पर्यटन के हिस्से पहले कम फंड आया, लेकिन कुछ परियोजनाएं केवल सियासी मंसूबों के खातिर दफन हो गईं। कई ऐसी संपत्तियां या चौबारे खड़े हो गए, जो पर्यटन के नाम पर अपनी प्रासंगिकता दर्ज नहीं कर पाए। सार्वजनिक उपक्रम हिमाचल पर्यटन विकास निगम को घाटा उठाना पड़ रहा है, तो इसके परिसरों के बेहतर इस्तेमाल की एक नई कड़ी बनानी होगी। मसलन हर शहर के किसी न किसी बाजार को पर्यटन बाजार की अहमियत में विकसित करें, तो हिमाचल का खान पान और उपहार सारे देश में पहुंच जाएंगे। इसके लिए शहरी व ग्रामीण निकायों को बाध्य किया जाए कि ये अपने संसाधनों से प्रदेश के पर्यटन नक्शे में इजाफा करें। बहुत पहले मंडी शहर में पंडित सुखराम ने इंदिरा मार्केट की परिकल्पना में एक ऐसा अद्भुत संसार रचा कि यह स्थान रौनक, रोमांच और व्यापार की अनिवार्यता में मनोरंजन सरीखा हो गया। विडंबना यह है कि हमने शिमला के मॉल और गेयटी थियेटर के पर्यटन महत्त्व का प्रदेश में प्रसार नहीं किया। कमोबेश हर शहर, पर्यटन डेस्टिनेशन और धार्मिक स्थल को सुकून की राहें-चरागाहें चुननी चाहिएं और इसके लिए वाहन वर्जित मार्केट, बड़े मैदान और ईको टूरिज्म के निशान बढ़ाने होंगे। पिछले दशक में हमीरपुर शहर के मुख्य बाजार को वाहन वर्जित माल रोड बनाने की मांग उठी, लेकिन जिन्हें अफरातफरी में व्यापारिक हित नजर आता है, वे इसके सियासी विरोध पर उतर आए। धर्मशाला का कोतवाली बाजार यह नहीं चाहता कि वाहन बाइपास से गुजर जाएं और कुछ इसी तरह के असमंजस में शाहपुर बाजार प्रस्तावित फोरलेन से उलझ रहा है। प्रमुख बाजारों को मालरोड बनाने के लिए एडीबी फंडिंग के बजाय इच्छाशक्ति चाहिए। अगर एक प्वाइंट से इलेक्ट्रिक कार्ट प्रमुख बाजारों को चलें और बाजार से पहले महापार्किंग में वाहन आगमन थमे, तो हिमाचल के कई शहर पर्यटकों के लिए भी कनाट प्लेस या चंडीगढ़ के सत्रह सेक्टर जैसा माहौल पैदा कर सकते हैं। इसी तरह एडीबी की मदद के बिना सार्वजनिक परिवहन के साथ पर्यटन परिवहन के विकल्प जोड़े जाएं, तो हर शहर का मंजर कुछ और होगा। प्रदेश को छोटे-बड़े बस अड्डों के प्रारूप में सुधार करते हुए, इन्हें निजी पार्टनरशिप में निखारना चाहिए, ताकि ये स्थल भविष्य की महापार्किंग, मनोरंजन व व्यापारिक केंद्र के रूप में सिटी सेंटर भी बनें। ऐसे में एचआरटीसी के साथ-साथ, मिल्क फेडरेशन, एचपीएमसी व कुछ अन्य सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के सहयोग से बस स्टैंड के पते पर पर्यटक को हिमाचल से रू-ब-रू कराने का मंतव्य पूरा कर सकते हैं। हमारा मानना है कि अगर धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम के साथ एक खेल, सांस्कृतिक व व्यापारिक परिसर खड़ा किया जाए, तो हर दिन वहां सारे हिमाचली उत्पादों के उपहार, कलाओं के प्रदर्शन, पर्यटन केंद्रों के दर्शन तथा यात्रा के नए डेस्टिनेशन का प्रचार किया जा सकता है। इस दिशा में मंडी व शिमला के प्रस्तावित खादी प्लाजा निश्चित रूप से एक आशातीत संकल्प हैं। बेशक 'नई मंजिलें, नई राहों' की तलाश जारी रहनी चाहिए और यह भी कि पिछली रुकी हुई तमाम पर्यटक परियोजनाओं के अवरोध भी हटा कर, इन्हें पूरा करना होगा। हिमाचल के एक दर्जन मंदिरों की आय से हम हिमाचल के कला जगत का प्रोत्साहन कर सकते हैं, इसलिए प्रमुख धार्मिक स्थलों पर कला केंद्र या कला परिसर विकसित करके हर तरह के कलाकार को अपनी कला के प्रदर्शन व संरक्षण का अवसर मिलना चाहिए।

> सार्वजनिक उपक्रम हिमाचल पर्यटन विकास निगम को घाटा उठाना पड़ रहा है, तो इसके परिसरों के बेहतर इस्तेमाल की एक नई कड़ी बनानी होगी। मसलन हर शहर के किसी न किसी बाजार को पर्यटन बाजार की अहमियत में विकसित करें, तो हिमाचल का खान पान और उपहार सारे देश में पहुंच जाएंगे। इसके लिए शहरी व ग्रामीण निकायों को बाध्य किया जाए कि ये अपने संसाधनों से प्रदेश के पर्यटन नक्शे में इजाफा करें। बहुत पहले मंडी शहर में पंडित सुखराम ने इंदिरा मार्केट की परिकल्पना में एक ऐसा अद्भुत संसार रचा कि यह स्थान रौनक, रोमांच और व्यापार की अनिवार्यता में मनोरंजन सरीखा हो गया। विडंबना यह है कि हमने शिमला के मॉल और गेयटी थियेटर के पर्यटन महत्त्व का प्रदेश में प्रसार नहीं किया। कमोबेश हर शहर, पर्यटन डेस्टिनेशन और धार्मिक स्थल को सुकून की राहें-चरागाहें चुननी चाहिएं और इसके लिए वाहन वर्जित मार्केट, बड़े मैदान और ईको टूरिज्म के निशान बढ़ाने होंगे। पिछले दशक में हमीरपुर शहर के मुख्य बाजार को वाहन वर्जित माल रोड बनाने की मांग उठी, लेकिन जिन्हें अफरातफरी में व्यापारिक हित नजर आता है।

कुछ अलग

एक शाश्वत युद्ध

यह एक देश ने दूसरे देश के खिलाफ युद्ध नहीं छेड़ा है। फिलस्तीन की गाजा पट्टी के अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन 'हमास' ने संप्रभु, स्वायत्त देश इजरायल पर अचानक आतंकी हमला किया है। हमास इजरायल के प्रति नफरत और दुश्मनी की हद तक सोचता है, लिहाजा उसके अस्तित्व को ही मान्यता नहीं देता। यह युद्ध कहां तक खिंचेगा, अभी आकलन करना मुश्किल है, लेकिन इजरायल ने इस हमले को 'युद्ध' करार देते हुए पलटवार किया है। नतीजतन गाजा पट्टी में विध्वंस जारी है। हमास इजरायल पर हमला कर बहुत कुछ तबाह कर चुका है। हैवानियत की हद तक उसके लड़ाके चले गए हैं। हमास ने जिन्हें बंधक बना कर गाजा की सुरंगों में रखा है, वह उन्हें मानव-ढाल के तौर पर इस्तेमाल करेगा। दोनों पक्षों के 1000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। घायलों की संख्या 4000 से ज्यादा बताई जा रही है। इजरायल ने हवाई हमले कर गाजा पट्टी में हमास के 426 ठिकानों को 'मलबा' बना दिया है। इजरायल के कुछ सैन्य अधिकारी 800 से ज्यादा ठिकानों पर हमले का दावा कर रहे हैं। उनमें रिहायशी इलाके, अस्पताल, स्कूल, बाजार भी शामिल हैं। गाजा करीब 23 लाख की आबादी वाला सबसे घना इलाका है, लिहाजा नुकसान और मौतें भी उसी अनुपात में होंगी। आखिर इजरायल वहां कितने हमले करेगा, क्योंकि गाजा के बाद अन्य देशों की सीमाएं शुरू होती हैं। बहरहाल इस अचानक, अप्रत्याशित युद्ध ने दुनिया के प्रमुख देशों को दो हिस्से में विभाजित कर दिया है। हालांकि हमास एक आतंकी संगठन है, जिसकी ताकत 50,000 से अधिक लड़ाके हैं, लेकिन ईरान, लेबनॉन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, ओमान, बांग्लादेश, पाकिस्तान आदि इस्लामी देश हमास का समर्थन कर रहे हैं। वे उसकी फंडिंग भी करते हैं। दूसरी तरफ भारत समेत अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, यूरोपीय देशों ने हमास के इजरायल पर हमले को '9/11 जैसा आतंकी हमला' करार दिया है और उसकी निंदा भी की है। भारत इजरायल के साथ खड़ा है, लेकिन उसने फिलिस्तीन के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला है। भारत के 18,000 से अधिक छात्र और कामगार, पर्यटक आदि इजरायल में हैं। फिलहाल सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। उनकी सकुशल वापसी के प्रयास शुरू हो चुके हैं। खुद प्रधानमंत्री दफ्तर इस अभियान की निगरानी कर रहा है। दरअसल अमरीका ईरान, सऊदी अरब और इजरायल की 'दोस्ती' कराने की मध्यस्थता कर मध्य-पूर्व की परिभाषा ही बदल देना चाहता था। उसका हमास, हिजबुल्लाह सरीखे आतंकी संगठन और कुछ अन्य देशों ने जमकर विरोध किया। अरब की दुनिया और यहूदियों के देश इजरायल के बीच एक शाश्वत वैमनस्य रहा है। विरोध और जंगों का लंबा अतीत है। दरअसल इजरायल में शनिवार को छुट्टी थी और अधिकतर लोग 'यहूदी उत्सव' के मूड में थे। सैनिक भी छुट्टी लेकर गए थे। ऐसे में हमास के लड़ाकों ने घुसपैठ की और इजरायल पर 5000 रॉकेट भी दागे गए। हवा, जमीन, समंदर से एक साथ अचानक हमले ने इजरायल को स्तब्ध कर दिया और दुनिया चौंक उठी।

युवाओं के पासपोर्ट तक एजेंटों के द्वारा कब्जा लिए जाते थे और उनका तरह-तरह से शोषण भी किया जाता था

घातक हो रहा है विदेशों में पढ़ाई का क्रेज

अश्विनी महाजन

> केन्द्र सरकार के अनुसार वर्ष 2016 और 2021 के बीच 26 .44 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढने के लिए गए। एसोसिएटेड चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) का अनुमान है कि वर्ष 2020 में 4 .5 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने गए और उन्होंने 13 .5 अरब डालर का खर्च किया।

पिछले कुछ वर्षों से भारत से विदेशों में जाकर शिक्षा प्राप्त कर वहीं बसने की आकांक्षा का क्रेज बढ़ता जा रहा है। केन्द्र सरकार के अनुसार वर्ष 2016 और 2021 के बीच 26.44 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढने के लिए गए। एसोसिएटेड चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) का अनुमान है कि वर्ष 2020 में 4.5 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने गए और उन्होंने 13.5 अरब डालर का खर्च किया। वर्ष 2022 में यह खर्च 24 अरब डालर यानी लगभग 2 लाख करोड़ रुपए रहा और रेडसियर स्टार्टेजी कन्स्लटेंट की रिपोर्ट के अनुसार 2024 तक यह खर्च 80 अरब डालर यानी 7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जब अनुमानित 20 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढने के लिए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री बी. मुरलीधरन ने 25 मार्च 2022 को लोकसभा को सूचित किया किया कि वर्तमान में 13 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार के इस वक्तव्य के अनुसार वर्ष 2021 में 4.44 लाख विद्यार्थी विदेशों में पढने गए। एक अन्य सरकारी वक्तव्य के अनुसार नवंबर 30, 2022 तक विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 6.46 लाख थी, यानी 45 प्रतिशत की वृद्धि। यदि राज्यवार ब्यौरा देखें तो वर्ष 2021 तक विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों में 12 प्रतिशत पंजाब से, 12 प्रतिशत ही आंध्र प्रदेश से और 8 प्रतिशत गुजरात से थे। अगर युवाओं की कुल संख्या के अनुपात में देखा जाए तो पंजाब से प्रत्येक हजार में से 7 युवा, आंध्र प्रदेश में प्रति हजार में 4 युवा और गुजरात से प्रति हजार में से कम से कम 2 युवा विदेशों में हर साल पढने जा रहे हैं। यदि वर्ष 2016 से 2022 की संचयी संख्या लें तो स्थिति काफी भयावह दिखाई देती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, आंध्र प्रदेश में 30 प्रति हजार और गुजरात में 14 प्रति हजार है। विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि कई कारणों से चिंता का विषय है। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि ये युवा पढ़ाई और रोजगार की तलाश में विदेशों को पलायन कर रहे हैं और इस कारण देश के समक्ष युवा शक्ति के पलायन की समस्या बढ़ रही है, इससे देश के उद्योग-धंधों के लिए श्रम शक्ति की कमी की समस्या भी आ सकती है। इसके अलावा देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा विदेशों में जा रही है। ऐसा देखने में आ रहा है कि उनके माता-पिता अपनी परिसंपत्तियों को बेचकर इन युवाओं को विदेशों में पढने के लिए

भेज रहे हैं। एक समय था कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के माध्यम से पंजाब के गांवों में बड़ी मात्रा में विदेशों से धन आता था। विदेशों में पढ़ाई के इस क्रेज के चलते यह प्रक्रिया उलट हो गई है, यानी अब विदेशों से धन आने के बजाय विदेशों को धन भेजा जा रहा है। ऐसे में जब वर्ष 2024 तक विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 20 लाख और उनके द्वारा खर्च की जाने वाली राशि 80 अरब डालर पहुंच जाएगी, तो यह देश के लिए अत्यंत संकटकारी स्थिति का कारण बनेगा। **नहीं है देश में शिक्षा सुविधाओं की कमी :** गौरतलब है कि युवाओं का शिक्षा के लिए विदेशों में पलायन, देश में शिक्षा सुविधाओं की कमी की वजह से नहीं है। वास्तव में देश में पिछले दो-तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में भारी प्रगति हुई है। यदि उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों का प्रवेश देखें तो 1990-91 में जहां मात्र 49.2 लाख विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया, यह संख्या वर्ष 2020-21 में 414 लाख तक पहुंच गई। मोटे तौर पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या पिछले 30 वर्षों में 10 गुणा से भी ज्यादा हो चुकी है। यदि उच्च शिक्षा संस्थानों की बात की जाए तो देखते हैं कि वर्ष 2021 में देश में 1113 विश्वविद्यालय और समकक्ष संस्थान, 43796 महाविद्यालय और अन्य स्वतंत्र संस्थान 11296 थे। इसी वर्ष देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में 15.51 लाख शिक्षक कार्यरत थे। देश में कई विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं और कई अन्य राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में निजी विश्वविद्यालय हैं और कई 'विश्वविद्यालय सम' यानी 'डीम्ड विश्वविद्यालय' हैं। देश में कई विश्वस्तरीय प्रबंधन एवं इंजीनियरिंग संस्थान हैं, जिनसे शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी वैश्विक कंपनियों में उच्च पदों पर आसीन हैं। जहां तक शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए फीस का सवाल है, अधिकांश भारतीय शिक्षा संस्थानों में फीस विदेशी संस्थानों में फीस से कहीं कम है और जिन विदेशी संस्थानों में भारतीय युवा प्रवेश ले रहे हैं, उनमें से अधिकांश का स्तर अत्यंत नीचा है। तो सवाल उठता है कि भारी भरकम राशि खर्च कर भारत के युवा विदेशी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश क्यों लेते हैं? इसका सीधा उत्तर यह है कि विदेशों में जाने वाले अधिकांश विद्यार्थी उच्च स्तरीय शिक्षा में प्रवेश लेकर वास्तव में कोई उच्च स्तरीय डिग्री प्राप्त करने के लिए जाते हैं, ऐसा नहीं है। आस्ट्रेलिया, कनाडा, और यहां तक कि इंग्लैंड समेत अन्य यूरोपीय देशों में जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों का वास्तविक लक्ष्य शिक्षा प्राप्त करना नहीं, बल्कि वहां रोजगार प्राप्त करना है। लेकिन भारतीय युवा यह समझने के लिए तैयार नहीं हैं कि इन देशों में भी रोजगार की भारी कमी है। कई देशों में वहां के स्थानीय लोग भारतीय एवं अन्य देशों से आने वाले युवाओं के खिलाफ हिंसा की वारदातें भी देखने को मिल रही हैं। देश से जाने वाले अधिकांश युवा विद्यार्थी वहां रोजगार प्राप्त करने में असफल हो रहे हैं और उन्हें स्वदेश वापस लौटना पड़ता है, जिसके कारण वे भारी कुंठा का भी शिकार हो रहे हैं। **विदेश जाने के क्रेज को थामने की जरूरत :** चूंकि व्यक्तिगत तौर पर विदेशों में जाने वाले युवा विद्यार्थी पूर्व में विदेशों में जाने वाले भारतीयों की सफलता की गाथाओं से प्रभावित होकर विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन वे यह समझ नहीं पा रहे कि आज कनाडा, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों में, जहां वे शिक्षा संस्थानों में प्रवेश ले रहे हैं, वे शिक्षा संस्थान स्वयं के अस्तित्व को बचाने हेतु भारतीय विद्यार्थियों को आसानी से अपने शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दे रहे हैं। यही नहीं, भारतीय और अन्य देशों के अति इच्छुक विद्यार्थियों से भारी फीस ऐंठने हेतु शिक्षा की कई दुकानें भी खुल रही हैं, जिनका वास्तविक शिक्षा से कोई सरोकार नहीं है। ऐसे में केन्द्र और राज्य सरकारों को विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं को इस हेतु वास्तविकता से अवगत कराने के लिए विशेष प्रयास करने की जरूरत है, ताकि वे विदेशों में जाकर अपने माता-पिता की गाढ़ी कमाई को यूं ही न गंवा दें। गौरतलब है कि पिछले लगभग दो दशकों से भारत के कई नागरिक एजेंटों के माध्यम से विदेशों में, खास तौर पर खाड़ी के देशों में रोजगार की तलाश में गए और वहां उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। इन युवाओं के पासपोर्ट तक एजेंटों के द्वारा कब्जा लिए जाते थे और उनका तरह-तरह से शोषण भी किया जाता था।

श्राद्ध कर्म की उपयोगिता एवं व्यावहारिकता

> सनातन धर्मावलंबियों द्वारा पितरों की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए तर्पण, श्राद्ध कर्म आदि करना आवश्यक समझा जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्राद्ध करने से कुल में वीर, निरोगी, शतायु एवं श्रेय प्राप्त करने वाली संततियां उत्पन्न होती हैं। श्राद्ध करने से वृद्धि, पुष्टि, स्मरण शक्ति, धरणा शक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती है। भारतीय संस्कृति में पुत्रों या पौत्रों द्वारा पितरों के प्रति श्रद्धा तथा आस्था रखते हुए उनकी मुक्ति, सद्गति तथा शांति के लिए श्राद्ध कर्म करने का उत्तरदायित्व निभाना एक सभ्य, संस्कारी तथा जिम्मेदार मनुष्य की निशानी समझा जाता है। श्राद्ध का अर्थ श्रद्धापूर्वक किया हुआ वह संस्कार जिससे पितर संतुष्टि प्राप्त करते हैं। पितृपक्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है जो अमावस्या तक रहता है। मान्यता है कि पितृपक्ष में श्राद्ध और तर्पण करने से पितर प्रसन्न होते हैं और परिजनों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

भारतीय हिन्दू संस्कृति एवं परम्परा के अनुसार श्राद्ध का अभिप्राय श्रद्धा से है, इसलिए हर वर्ष पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों को याद करते श्राद्ध कर्म किया जाता है। प्रत्येक वर्ष पितरों की प्रसन्नता, दुःखों से मुक्त होने का पर्व श्राद्ध 16 दिनों तक मनाया जाता है। प्रत्येक परिवारजन मृत्युतिथि पर श्राद्ध, पिंडदान, जलदान आदि करके पितरों को तृप्त करते हैं। सनातन धर्मावलंबियों द्वारा पितरों की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए तर्पण, श्राद्ध कर्म आदि करना आवश्यक समझा जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्राद्ध करने से कुल में वीर, निरोगी, शतायु एवं श्रेय प्राप्त करने वाली संततियां उत्पन्न होती हैं। श्राद्ध करने से वृद्धि, पुष्टि, स्मरण शक्ति, धरणा शक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती है। भारतीय संस्कृति में पुत्रों या पौत्रों द्वारा पितरों के प्रति श्रद्धा तथा आस्था रखते हुए उनकी मुक्ति, सद्गति तथा शांति के लिए श्राद्ध कर्म करने का उत्तरदायित्व निभाना एक सभ्य, संस्कारी तथा जिम्मेदार मनुष्य की निशानी समझा जाता है। श्राद्ध का अर्थ श्रद्धापूर्वक किया हुआ वह संस्कार जिससे पितर संतुष्टि प्राप्त करते हैं। पितृपक्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है जो अमावस्या तक रहता है। मान्यता है कि पितृपक्ष में श्राद्ध और तर्पण करने से पितर प्रसन्न होते हैं और परिजनों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। मानवीय मूल्यों पर विचार करते हुए यह ठीक भी है कि हमें पारिवारिक जड़ों को याद रखते हुए अपने पूर्वजों के लिए आदर एवं सम्मान व्यक्त करना चाहिए। धार्मिक संस्कारों तथा सामाजिक परम्पराओं को जीवित रखते हुए यह आवश्यक भी है। संस्कृति तथा परम्पराओं का सम्मान करते हुए व्यक्ति को कुछ आवश्यक बातों पर गम्भीरतापूर्वक भी विचार करना चाहिए। वर्ष में एक बार पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म के समय अपने पूर्वजों तथा माता-पिता का कुत्ते, कौवे, गाय तथा भिखारी में अपने प्रियजनों का अक्स देखने वालों को यह याद रखना चाहिए कि हमने अमुक व्यक्ति के साथ उसकी मजबूरी, बीमारी तथा उसके जीते जी कैसा व्यवहार किया है? रूढ़िवादी परम्पराओं में लिप्त तथा आडम्बर करते हुए अपने भावों की अभिव्यक्ति का कोई लाभ नहीं होता। यदि हमने किसी व्यक्ति के साथ समय रहते अच्छा व्यवहार नहीं किया हो, उसका दुःख-दर्द महसूस न किया हो, मृत्युपरांत मात्र लोक लाज के लिए दिखावा एवं ढकोसलेबाजी करना कहां तक सही है? वर्तमान समाज में अपने माता-पिता तथा बुजुर्गों के साथ अपमान, अत्याचार, बदतमीजी तथा मारपीट करने की बहुत सी घटनाएं सामने आ रही हैं। घर के पालतु कुत्ते बुजुर्गों से अधिक प्रिय एवं सम्मानीय हो चुके हैं। घर में तकलीफ, लाचारी, बीमारी से ग्रसित वृद्ध रात भर कराहता रहता है। भोजन, पानी तथा दवाई के लिए तरसता रहता है, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं होती। संस्कार रहित युवा तथा घर के बच्चे भी उसकी उपेक्षा करते हुए बदतमीजी करते हैं। समाज में असहाय वृद्धों को घरों के भीतर मारपीट तथा प्रताड़ित किया जाता है। फिर मरने के बाद पितृ कर्म से पुण्य प्राप्त करने का आडम्बर करते हैं। ऐसे निष्ठुर तथा क्रूर लोगों को तो जन्मजन्मांतर तक भी सुख-शांति तथा चैन नहीं मिलना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों को तो सामाजिक तथा कानूनी दृष्टि से अपराधी घोषित किया जाना चाहिए। वर्तमान समाज में वृद्ध आश्रम का खुलना विकास की निशानी समझा जा रहा है, लेकिन यह हमारी बुद्धि एवं सोच का दिवालियापन है। हालांकि किसी मजबूर एवं लाचार व्यक्ति के लिए ये वृद्धाश्रम वरदान भी साबित हुए हैं। कड़वा सच यह है कि समाज में अधिकतर वृद्ध अपनी ही औलादों के निकृष्ट एवं असंवेदनशील व्यवहार से कुंठित एवं ग्रसित हैं। घरों में वृद्धों को रखने तथा उनकी रोजाना भोजन व्यवस्था पर बेटों और बहुओं को आमतौर पर लड़ते-झगड़ते तथा हिसाब-किताब करते देखा गया है। अनेकों बड़े सम्भ्रांत परिवारों, पढ़े-लिखे, राजनेताओं, व्यापारियों तथा आला अधिकारियों के घरों में यह जगजाहिर तथा खुला सत्य है। यह बहुत ही गंभीर एवं विचित्र स्थिति है। ऐसे में विचार करने योग्य है कि मरने के चार वर्षों के उपरांत यदि किसी मृत आत्मा को श्राद्ध तिथि के अवसर पर पूड़ी, खीर, पकवान, फल, मेवे तथा वस्त्र मिल भी जाएं तो किस काम के? वृद्धाश्रम में रहने वाले उपेक्षित वृद्धों का मानना है कि जीते जी उनकी संतानें कपड़े, दवाई तथा खाने को भोजन नहीं देती तथा मरने के बाद लोकलाज के लिए श्राद्ध, पिंडदान तथा तर्पण का दिखावा करते हैं। अभी हाल ही में कानपुर के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रेम साहनी का बेटा उनकी मृत्यु पर कनाडा से घर नहीं पहुंच पाया। उल्लेखनीय है कि डॉ. साहनी अपने आवासीय परिसर में हृदयघात या फिर कोई जहरीला पदार्थ निगलने से मृत पाए गए थे। चण्डीगढ़ निवासी उनकी बहन डॉ. डेजी तथा डॉ. संजीव ने उन्हें मुखाग्नि दी तथा उनके बेटे को वीडियो कॉल से अन्तिम दर्शन करवाए गए। समाज को आधुनिक, व्यावसायिक तथा भौतिकवादी इन विचित्र स्थितियों पर गम्भीरता से विचार करना होगा। अपने पूर्वजों के सम्मान तथा उनकी आत्मिक शांति के लिए श्रद्धा का प्रतीक श्राद्ध अवश्य करें, परन्तु जीते जी उनसे प्रेम करें, उनका सम्मान करें, उन्हें सुख-शान्ति प्रदान करें। श्राद्ध कर्म का फर्ज निभाते हुए वृद्धों का दर्द भी महसूस करने का प्रयास करें। यह श्राद्ध कर्म सामाजिक रूप से पीढियों की सुख-शांति के लिए आवश्यक है, वहीं पर सही अर्थों में इसकी व्यावहारिकता को समझने की आवश्यकता है। मानवीय, सामाजिक, नैतिक तथा सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करते हुए मृत प्रियजनों का श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करते हुए जीवित प्रियजनों के लिए सेवा, आदर एवं श्रद्धा का भाव रखें।

दृष्टिकोण

झूला झूलें पिंग लाल

देश में आजकल बारहमासी सावन के जिन झूलों का रिवाज है, उनमें रस्सी भी चीन की है और पटरा भी। लेकिन मुझे इस बात की पूरी तसल्ली है कि कम से कम पेड़ मेड इन इण्डिया हैं। जब तक देश में दरख्त हैं, तब तक हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि हम न सिर्फ मेक इन इण्डिया का आवाह्न करते हैं बल्कि अपने देश में पेड़ भी बनाते हैं और उन पर झूले भी डालते हैं। पर दुःख है तो केवल इस बात का कि इन झूलों पर चीन झूल रहा है और हमें कहना पड़ रहा है कि 'झूला झूलें पिंग लाल (शी जिनपिंग)'। जिनके हाथ में झूलों की रस्सियाँ हैं, वे शी जिनपिंग को गलबहियाँ डालने के बाद उसके साथ झूला झूलते हैं और बेचारा विकास ज़मीन पर पड़ा दर्द से बिलबिलाता रहता है। झूले की रस्सी थामने वाले ने साबरमती में जिनपिंग को चीन में बने स्टेंड, रस्सी और पटरे पर झूला झुलवाया था। जिनपिंग मेड इन इण्डिया पेड़ देखकर नाराज़ न हो जाएं, इसलिए झूले को पेड़ पर भी नहीं डलवाया गया। सच्ची दोस्ती की यही निशानी है कि जिसके साथ की जाए, उसे पूरी शिद्दत से निभाया जाए। देश का क्या, वह तो चीन में बनी रस्सी, पटरे और स्टेंड की तरह कहीं भी बनाया जा सकता है। वैसे भी जब चीन ने लद्दाख और अरुणाचल में अपने तम्बू तानने के बाद गाँव बसा ही लिए हैं तो उसे देश के बाक़ी हिस्सों में पहुँचने से भला कौन रोक सकता है। हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर अकाट्य तर्क पेश करते हैं कि सवाल कॉमन सेंस का है। चीन बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम छोटी। क्या किसी छोटी अर्थव्यवस्था को बड़ी अर्थव्यवस्था से पंगा लेना चाहिए। क्यूबा और फिदेल कास्त्रो की बात और है कि उसने आकार और अर्थव्यवस्था में संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने चिंदी होने के बावजूद उससे हार नहीं मानी। अमेरिका झल्लाता रहा, पर कुछ नहीं कर पाया। लेकिन फिदेल कास्त्रो की तरह दाढ़ी रखने का मतलब यह तो नहीं कि हमारे परिधान मंत्री शी जिनपिंग से भिड़ जाएं। फिदेल कास्त्रो ने कभी अपनी छाती का नाप नहीं बताया। कम से कम हमारे परिधान मंत्री अपने सीने का नाप तो बताते हैं। भले उनके कपड़े का नाप लेने वाला दरजी कहता रहे कि उनकी छाती का नाप तैंतालीस इंच है। पर दावा तो दावा है। वादे और दावे में केवल अक्षर ही आगे-पीछे हैं। लेकिन दोनों की ज़ात तो एक है। पर ऐसा भी नहीं कि चीन का झूला डाल पर ही पड़ा दीखे या किसी चीनी स्टेंड पर। उन पत्रकारों और न्यूज़ हाऊस से पूछ कर देखिए, जिनके गले में आजकल ईडी के झूले पड़े हैं। राष्ट्रपिता की जंयती के अगले दिन सुबह-सवेरे जब चार दरजन से अधिक ये हजऱात अभी अपनी हाजत भी नहीं उतार पाए होंगे कि ईडी ने उनके गले में झूले डाल दिए। चीन से जिन भारतीयों के सीधे व्यापारिक सम्बन्ध हैं, जो चीनी कम्पनियाँ सीधे भारत में निवेश कर रही हैं या जिन चीनी कम्पनियों ने पीएम केयर फंड में भारत में अपने व्यापारिक हितों की पैरवी के लिए खरबों का निवेश किया था, उन्हें छोड़ कर ईडी ने ऐसे न्यूज़ हाऊस पर छापा डाला, जिसे अमेरिका निवासी किसी साम्यवादी विचारधारा के समर्थक रिटायर उद्योगपति ने करीब दस करोड़ का चंदा दिया था। आजकल भारत में बीजे पार्टी की सरकार जिस तरह ईडी का उपयोग कर रही है, उससे मुझे युँगाडा के तानाशाह ईदी अमीन की बड़ी याद आ रही है। ईडी और ईदी में केवल ड और द का फर्क है। लेकिन अपने विरोधियों को गले लगाने का दोनों का तरीका एक सा है। ईदी का हश्र तो पूरी दुनिया जानती है। पर ईडी पर कोई फर्क नहीं पडने वाला। अगली सरकार जिसकी होगी, वह भी अपने विरोधियों के गले में इसी तरह से ईडी की गलबहियाँ डलवाएगी।

देश दुनीया से

पक्षियों का वास, बचाने की आस

> उत्तर में बर्फ से ढके हिमालय से लेकर दक्षिण में पश्चिमी घाट के मनमोहक जंगलों तक, और पश्चिम में राजस्थान के शुष्क रेगिस्तानों से लेकर उत्तर-पूर्व की हरी-भरी आर्द्रभूमि तक। भारत का पक्षी जगत इसके भूगोल की तरह ही विविधताओं से भरा है। स्टेट ऑफ इंडियाज बड्र्स (एसओआईबी) 2023 की रिपोर्ट से पता चलता है कि यह देश पक्षियों की 1,300 से अधिक प्रजातियों का निवास-स्थान है और पक्षियों की वैश्विक विविधता के लगभग 12 .40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। पक्षियों की इन 1,353 प्रजातियों में से 78 प्रजातियां (5 प्रतिशत) इस देश में स्थानिक हैं। हालांकि, इस जीवंत झुंड का भविष्य तेजी से अंधकारमय हो रहा है, क्योंकि इनके निवास स्थान के विनाश, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन उनके अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं।

भारत पक्षियों के लिहाज से एक अनूठी विविधता वाला का देश है। यहां के विविध भौगोलिक इलाकों में पक्षियों की बहुरंगी प्रजातियां निवास करती हैं। उत्तर में बर्फ से ढके हिमालय से लेकर दक्षिण में पश्चिमी घाट के मनमोहक जंगलों तक, और पश्चिम में राजस्थान के शुष्क रेगिस्तानों से लेकर उत्तर-पूर्व की हरी-भरी आर्द्रभूमि तक। भारत का पक्षी जगत इसके भूगोल की तरह ही विविधताओं से भरा है। स्टेट ऑफ इंडियाज बड्र्स (एसओआईबी) 2023 की रिपोर्ट से पता चलता है कि यह देश पक्षियों की 1,300 से अधिक प्रजातियों का निवास-स्थान है और पक्षियों की वैश्विक विविधता के लगभग 12.40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। पक्षियों की इन 1,353 प्रजातियों में से 78 प्रजातियां (5 प्रतिशत) इस देश में स्थानिक हैं। हालांकि, इस जीवंत झुंड का भविष्य तेजी से अंधकारमय हो रहा है, क्योंकि इनके निवास स्थान के विनाश, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन उनके अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं। इस क्षेत्र में पक्षियों को वर्तमान में कई प्रकार के खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण खतरा निवास स्थान की हानि और ह्रास है इसके बाद मानव और वन्य जीवों के बीच का संघर्ष है। आवासों की क्षति एवं हानि के मूल कारण जटिल व आपस में जुड़े हुए हैं। इन कारणों में शहरीकरण, ढांचागत विकास, वर्तमान कृषि पद्धतियां, अत्यधिक दोहन के कारण प्राकृतिक वन आच्छादन को खतरा, संसाधनों की उच्च विदेशी मांग और संरक्षण समर्थक नीतियों का अपर्याप्त कानूनी प्रवर्तन शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन एक और मंडराता हुआ खतरा है। मौसम के बदलते ढर्रे (पैटर्न), प्रवासन के बदले हुए मार्ग और भोजन की उपलब्धता में व्यवधान पक्षियों की कई प्रजातियों के अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। बढ़ता तापमान पक्षियों के प्रजनन और घोंसला बनाने के पैटर्न को प्रभावित कर रहा है। परिणामस्वरूप कई पक्षियों के लिए अनुकूलन करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। आक्रामक प्रजातियों का समावेश एवं प्रसार भी संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर और इको सिस्टम में परिवर्तन करके देशज पक्षियों की आबादी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इन खतरों से निपटने के लिए भारत ने पक्षियों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित 10 वर्षीय योजना 'देश में पक्षियों की विविधता, उनके इको सिस्टम, आवास और भौगोलिक परिदृश्य के संरक्षण के लिए दूरदर्शी परिप्रेक्ष्य योजना (2020-2030)' –का उद्देश्य भारत में पक्षियों और उनके आवासों के संरक्षण से संबंधित कार्रवाई को आगे बढ़ाना है। यह कदम भारत की राष्ट्रीय वन्यजीव कार्ययोजना (2017 से 2031 तक) के अतिरिक्त है। इस कार्ययोजना में भी पक्षियों एवं उनके आवासों की सुरक्षा से जुड़े कई संरक्षण कार्य शामिल हैं। यह योजना पक्षियों की दुर्लभ एवं लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए छोटी, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाओं की एक श्रृंखला का प्रस्ताव करती है। गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों की पुनर्प्राप्ति के लिए कार्यक्रम शुरू करती है। उनकी घटती हुई आबादी को थामने के लिए भौगोलिक परिवेश से संबंधित दृष्टिकोण पेश करती है। यह योजना इस तथ्य को भी रेखांकित करती है कि ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन के स्तर में बढ़ोतरी करने वाली मानवजनित गतिविधियां वैश्विक स्तर पर पर्यावरण पर भी प्रभाव डाल रही हैं। और इसीलिए, वह पक्षीजात (एविफॉन) पर ऐसे प्रभावों को कम व नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक उपायों का आह्वान करती है। भारत ने पक्षियों के महत्वपूर्ण प्राकृतिक वासों की सुरक्षा के प्रयासों को हमेशा प्राथमिकता दी है। आर्द्रभूमि की बहाली, पुनर्वनीकरण पहल और जैविक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना कुछ ऐसी रणनीतियां हैं, जिनका उपयोग किया जा रहा है।

गोपनीय दस्तावेज को लेकर विशेष वकील ने बाइडन से किए सवाल-जवाब, व्हाइट हाउस ने कहा- हम हर सहयोग करेंगे

वाशिंगटन ।
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के डेलावेयर में आवास और वाशिंगटन डीसी में उनके निजी कार्यालय में मिले गोपनीय दस्तावेजों की कुल संख्या लगभग दो दर्जन हो गई है। इसी मामले की जांच के लिए न्याय विभाग ने जनवरी में एक विशेष वकील नियुक्त किया था। अब वकील ने दस्तावेजों की जांच के सिलसिले में बाइडन से सवाल-जवाब किए हैं।

व्हाइट हाउस काउंसिल के कार्यालय के प्रवक्ता इयान सैम्स ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो दिनों तक राष्ट्रपति बाइडन से व्हाइट हाउस में पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि जांच के लिए नियुक्त विशेष वकील रॉबर्ट हूर ने सवाल-जवाब किया। उन्होंने कहा, 'हमने शुरू से ही कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन और व्हाइट हाउस जांच में हर संभव सहयोग कर रहे हैं। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मामले से संबंधित जो भी जानकारी होती है उसे हम सार्वजनिक रूप से बताते हैं।' बाइडन के आवास और निजी कार्यालय से कुछ और गोपनीय दस्तावेज मिले : व्हाइट हाउस 'व्हाइट हाउस' ने जनवरी में कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आवास और उनके निजी कार्यालय से कुछ और गोपनीय दस्तावेज मिले हैं। वाशिंगटन में बाइडन के निजी कार्यालय से बरामद ये दस्तावेज 2009 से 2016 के बीच के हैं, जब वह उपराष्ट्रपति थे। राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के विशेष वकील रिचर्ड सॉबर ने एक बयान में कहा था कि नवंबर 2022 में पेन बाइडन सेंटर में सरकारी दस्तावेज मिलने के बाद और न्याय विभाग के साथ निकटता से समन्वय करते हुए, राष्ट्रपति के वकीलों ने बाइडन के विलमिंगटन और रेहोबोथ बीच, डेलावेयर, आवासों की तलाशी ली। ये उन स्थानों में शामिल हो सकते हैं जहां पर 2017 में सत्ता हस्तांतरण के समय उपराष्ट्रपति कार्यालय से फाइल भेजी गई होंगी। बाद में, राष्ट्रपति बाइडन ने मेक्सिको में संवाददाताओं से कहा था कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ था कि कुछ वर्गीकृत दस्तावेज एक निजी कार्यालय में पाए गए थे। बाइडन ने कहा था कि वह इस बात से अनजान हैं कि उन कागजात में क्या है और अधिकारियों के साथ 'सहयोग' कर रहे हैं।

'व्हाइट हाउस' ने पूर्व में कहा था कि न्याय विभाग यहां बाइडन के थिंक-टैंक कार्यालय में मिले पिछले ओबामा-बाइडन प्रशासन से ''वर्गीकृत चिह्नों के साथ कुछ दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है। बाइडन ने कहा था कि मुझे इस बारे में बताया गया और यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वहां कोई सरकारी रिकॉर्ड था जो उस कार्यालय में ले जाया गया था।

न्यूज ब्रीफ

जान बचाने को बस भागते जा रहे थे, लोगों ने बयां की म्यूजिक फेस्ट पर हमास के हमले की दर्दनाक दास्तां

येरूशलम । फलस्तीन की आतंकी संगठन हमास द्वारा इजराइल के विभिन्न इलाकों में किए गए हवाई हमले से 700 से अधिक इस्राइली नागरिकों की जान चली गई। वहीं हमास ने कई सारे लोगों को बंधक भी बना रखा है, जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। मीडिया ने हमले के दौरान लिए गए दर्जनों वीडियों की समीक्षा की, और जीवित बचे लोगों का साक्षात्कार भी किया। साक्षात्कार में स्थानीय नागरिक माया एल्पर ने उसस भयावाह दृश्य का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि वह पर्यावरण के प्रति जागरूक स्वयंसेवकों की टीम के साथ कचरा उठा रही थी। वहीं एक खुले हजारों की संख्या में लोग पार्क में आयोजित म्यूजिक फेस्ट में नाच-गा रहे थे। सुबह के करीब छह बजे के लगभग हवाई सायरन की आवाजों आने लगी, जिसे सुनकर 25 वर्षीय एल्पर भागते हुए अपनी कार में घुस गई। एल्पर ने बताया कि वह कार में बैठकर मुख्य सड़क की तरफ भागने की कोशिश कर रही थी, लेकिन भीड़ की वजह से वह निकल नहीं पाई। अचानक से उसे एक पटाखे की आवाज सुनाई दी, जिससे सड़कों पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते सड़क पर लाशे बिछ गई। उन्होंने कहा कि यह अबतक का सबसे दर्दनीय नोवा फेस्टिवल होगा, जिसे कोई नहीं भूल सकता है। एल्पर ने बताया कि उसने कई स्थानीय लोगों को अपनी कार में शरण दी थी। उनमें से एक की पत्नी की जान चली गई थी, तो वहीं एक लड़की के दोस्त की मौत हो गई थी। उन्होंने घटना का जिक्र करते हुए कहा, हम कहीं भी सुरक्षित नहीं थे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते गए, गोलियों और विस्फोट की आवाजें तेज हो रही थी। कुछ दूर जाने के बाद हम कार से बाहर निकलकर भागने लगे। तभी मुझे ऐसा लगा की गोली मेरे कान के पास से निकल गई। उन्होंने आगे कहा, मैं नहीं बता सकती कि आतंकियों में कितनी ऊर्जा थी। वह हमें इंसान के रूप में नहीं देख रहा था। टेल अवीव के निवासी अरीक नानी अपना 26वां जन्मदिन मनाने के लिए उत्सव में शामिल हुए थे। उन्होंने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा, हम खुले मैदान में भाग रहे थे और छिप रहे थे। उस स्थिति में आप संभवत: खराब जगह पर हो सकते थे। इस उत्सव में शामिल कई लोगों को हमास के आतंकियों ने बंधक बना लिया है। उन्होंने इस्राइली सेना को धमकी दी है कि यदि फलस्तीन पर हमला किया गया तो वह उन सभी नागरिकों के साथ मारना शुरू कर देगा।

महात्मा गांधी ने जहां से शुरू की थी वकालत, अब उसी जगह उनकी प्रतिमा का हुआ अनावरण

जोहानेसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में महात्मा गांधी की आठ फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया है। इस प्रतिमा का अनावरण टॉलस्टॉय फॉर्म में हुआ। गौरतलब है कि 20वीं सदी की शुरुआत में जोहानेसबर्ग की इसी जगह से महात्मा गांधी ने अपने वकालत के करियर की शुरुआत की थी। महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण दक्षिण अफ्रीका में भारत के राजदूत प्रभात कुमार ने किया। महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर भारतीय राजदूत प्रभात कुमार ने कहा कि यह प्रतिमा महात्मा गांधी के जीवन के उस समय की याद दिलाती है, जब वह दक्षिण अफ्रीका छोड़कर गए थे। यह टॉलस्टॉय फार्म के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जहां महात्मा गांधी पांच-छह साल रहे।

अमेरिकी नागरिकों को बचाने के लिए कड़ा रुख अपनाएंगे, लड़ाई के बीच एफबीआई की चेतावनी

वॉशिंगटन । अमेरिका की शीर्ष जांच एजेंसी एफबीआई ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी नागरिकों की जान पर किसी भी संभावित खतरे की वह जांच कर रहे हैं और अमेरिकी नागरिकों को बचाने के लिए कोई भी सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। एफबीआई की यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब इजराइल और हमास के बीच लड़ाई छिड़ी हुई है। एफबीआई ने सोशल मीडिया पर साझे किए गए एक पोस्ट में यह बात कही। एफबीआई ने लिखा कि अभी तक उन्हें ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है, जिसमें अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर किसी खतरे की बात बताई गई हो लेकिन वह इजराइल पर हमास के हमले और उसके बाद के हालात पर करीब से नजर रखे हुए हैं और कोई सूचना मिलने पर उसे तुरंत राज्य सरकारों, संघीय जांच एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा। एफबीआई ने लिखा कि हम कड़ा रुख अपनाने से बिल्कुल भी नहीं झिझकेंगे और उचित कदम उठाएंगे।

हमास के खिलाफ एकजुट हुए अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देश, बोले- हम इजराइल के साथ हैं

वाशिंगटन ।
आतंकी संगठन हमास और इजराइल के बीच संघर्ष जारी है। इन हमलों में अभी तक करीब 1600 लोगों की मौत हो चुकी है। हमास के हमलों के बाद कई देश इजराइल के पक्ष में उतर आए हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस समेत कई देशों ने एक संयुक्त बयान जारी कर हमास के हमलों की निंदा की है।

इन देशों के नेताओं ने समर्थन किया

व्हाइट हाउस ने कहा कि आज हम यानी फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, जर्मनी के चांसलर स्कोल्ज, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपना समर्थन इजराइल के लिए व्यक्त करते हैं।

हमास की निंदा

संयुक्त बयान में हमास और उसके आतंकवाद के भयावह करतूतों की निंदा की गई। साथ ही कहा गया कि हम स्पष्ट करते हैं कि हमास की आतंकवादी कार्रवाइयों का कोई औचित्य नहीं है, कोई वैधता नहीं है और सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए।

आतंकवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता

व्हाइट हाउस ने कहा कि आतंकवाद को कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। हाल के दिनों में, दुनिया ने देखा है कि किस तरह हमास ने आतंक फैला कर रखा है। हमास के सदस्यों ने परिवारों को उनके घरों में मार डाला, एक संगीत समारोह का आनंद ले रहे 200 से अधिक युवाओं को मार डाला। इतना ही नहीं, बुजुर्ग महिलाओं, बच्चों और पूरे परिवारों का अपहरण कर उन्हें बंधक बना लिया।

अब तक क्या हुआ

इजराइल पर आतंकी संगठन हमास के हमले से दुनियाभर में हलचल मच गई है। जहां पश्चिमी देशों ने हमास के हमले को लेकर इजराइल का समर्थन किया है, तो वहीं पश्चिमी एशिया के इस्लामिक देश फलस्तीन के समर्थन में साथ खड़े हैं। इस बीच इजराइल में इन दर्दनाक हमलों में अब तक करीब 900 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, इजराइल की ओर से गाजा पट्टी पर किए गए पलटवार में 690 की जान जाने की बात सामने आई है। इन हालात के बीच हमास ने धमकी दी है कि अगर गाजा पट्टी पर हमले नहीं रुकते हैं तो वह इस्राइली बंधकों की हत्या कर देगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रोम में इटली के अपने समकक्ष से की मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

रोम।
द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों और सैन्य हार्डवेयर के संयुक्त विकास के लिए औद्योगिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इटली और फ्रांस के दौरे पर रहेंगे। पहले चरण में राजनाथ सिंह रोम की यात्रा पर पहुंचे। उन्होंने यहां इटली के समकक्ष गुडो क्रिसेटो से मुलाकात की। राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा कि इटली के रक्षा मंत्री क्रिसेटो के साथ गर्मजोशी भरी बैठक हुई। इस दौरान हमने रक्षा सहयोग से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें प्रशिक्षण, सूचना साझा करना और समुद्री सुरक्षा शामिल थे।' उन्होंने बताया कि भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग के एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए। हम अपनी रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।

राजनाथ सिंह फ्रांस और इटली के दौरे पर

इससे पहले, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया था कि फ्रांस और इटली के दौरे पर पहले चरण में राजनाथ सिंह रोम की यात्रा करेंगे। बता दें मार्च में इटली के प्रधानमंत्री के भारत दौरे के बाद से दोनों देशों के संबंध प्रगाढ़ हुए हैं। साथ ही मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नौ से 12 अक्तूबर तक इटली और फ्रांस के दौरें पर रहेंगे। मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया था कि राजनाथ सिंह पेरिस में फ्रांसीसी समकक्ष सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ पांचवें वार्षिक भारत-फ्रांस रक्षा संवाद में भाग लेंगे। जारी बयान के मुताबिक, भारत और फ्रांस ने हाल ही में रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण औद्योगिक सहयोग सहित गहरे और व्यापक द्विपक्षीय रक्षा संबंध हैं। अपनी यात्रा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रोम और पेरिस दोनों देशों में औद्योगिक सहयोग के संभावित अवसरों पर चर्चा करने के लिए रक्षा उद्योग के सीईओ और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत करेंगे। साथ ही जानकारों की माने तो डसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर भारत द्वारा राफेल विमान के 26 नौसैनिक वेरिएंट की प्रस्तावित खरीद के कई पहलुओं पर चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा कर सकते हैं।

हमास के हवाई हमले में बाल-बाल बची अमेरिकी पत्रकार की जान, लाइव टेलीकास्ट के दौरान पास में गिरा रॉकेट

येरूशलम ।
अमेरिकी न्यूज चैनल की मुख्य अंतर्राष्ट्रीय संवाददाता क्लेरिसा वार्ड एक लाइव सेगमेंट के बीच थी, तभी उन्होंने रॉकेटों की तेज आवाज सुनी। आवाज सुनते ही वह अपनी तीन साथियों के साथ सड़क किनारे जाकर छिप गई। इस दौरान कैमरामैन को बोलते सुना गया, ठीक है, ठीक है।

संवाददाता वर्ड ने इस दौरान अपनी स्थिति के लिए सीएनएन टीम से माफी मांगी और वहां के दृश्य का वर्णन किया। उन्होंने बताया, हम यहां भारी मात्रा में रॉकेट आते हुए देख रहे हैं। यह हमसे ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए हमें छिपने के लिए सड़क किनारे आना पड़ा।अमेरिकी संवाददाता ने बताया कि वे लोग रॉकेट से केवल पांच मिनट की दूरी पर थे।

उन्होंने कहा, इजराइल से लगने वाली सीमा को तोड़ते हुए उन्होंने हमला किया और इसी सड़क से उन्होंने हमले की शुरुआत की। आतंकी जहां भी जा रहे थे वे वहां शीशा का छिड़काव कर रहे थे। उन्होंने एक ट्रक की तरफ भी इशारा किया, जिसे बाद में इस्राइली सेनाओं द्वारा उठा लिया गया।

हमले में अबतक दो हजार से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं फलस्तीन स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गाजा में मरने वालों की संख्या 450 से अधिक है। हमास के आतंकियों ने सैकड़ों इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाया हुआ है।

साजिश में ईरान शामिल, लेकिन हमारे पास सबूत नहीं इजराइलपर हमास के हमले को लेकर बोला अमेरिका

वॉशिंगटन ।
फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास के अचानक सात अक्तूबर को इजराइल पर हमले किए जाने के बाद तनाव बढ़ता जा रहा है। कुछ लोगों का मानना था कि इन हमलों में ईरान की भागीदारी हो सकती है। हालांकि, अब अमेरिका ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसके पास ऐसी कोई खुफिया जानकारी या सबूत नहीं है, जो हमलों में ईरान के शामिल होने की ओर इशारा करता हो।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, ईरान लंबे समय से हमास और अन्य आतंकवादी नेटवर्कों को समर्थन देता रहा है। इसलिए स्पष्ट रूप से ईरान शामिल है, लेकिन अगर आप सबूतों की बात करते हैं तो हमारे पास कुछ भी नहीं है।'

हिजबुल्ला ने भी की थी पुष्टि

हिजबुल्ला के वरिष्ठ सदस्यों ने भी हाल ही में एक दावा किया है। उसका कहना है कि इजराइल पर हमला करने में हमास की मदद ईरान ने की है। हिजबुल्ला ने वॉल स्ट्रीट जर्नल को बताया कि ईरान ने इजराइल पर फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के हमले की योजना बनाने में मदद की।

पिछले हफ्ते लेबनान की राजधानी बेरूत में एक बैठक के दौरान हमले के लिए मंजूरी दी गई थी। उसने बताया कि देश की सबसे शक्तिशाली सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अधिकारी अगस्त से हमास के साथ काम कर रहे थे ताकि जमीन, हवा और समुद्र के रास्ते इजराइल पर हमले की योजना बनाई जा सके। बेरूत में कई बैठकों के दौरान इजराइल पर हमला करने के बारे में चर्चा की गई। इस बैठक में आईआरजीसी के अधिकारियों, हमास और हिजबुल्ला सहित चार ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के अनुसार, गाजा पट्टी पर हमास का, जबकि लेबनान में हिजबुल्ला का नियंत्रण है। हमास और हिजबुल्ला के सदस्यों के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुलाहियान ने अगस्त के बाद से कम से कम दो बैठकों में भाग लिया।

दूसरे क्षेत्रों में युद्ध फैलने का बढ़ा खतरा, मिस्र और कतर ने तेज किए मध्यस्थता के प्रयास

यरूशलेम ।
इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के गाजा पट्टी के अलावा दूसरे क्षेत्रों में फैलने का खतरा बढ़ गया है। लेबनान की तरफ से इस्राइली क्षेत्रों में घुसपैठ की कोशिश की जा रही है।

इजराइल की सेना ने लेबनान की तरफ से उसके क्षेत्र में घुसपैठ कर रहे सशस्त्र संदिग्धों को मार गिराया। इस बीच, युद्ध को रोकने की कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। मिस्र और कतर ने इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थता के प्रयास तेज कर दिए हैं।

इस्राइली सेना ने घुसपैठियों को मार गिराने का दावा तो किया, लेकिन उनकी संख्या नहीं बताई। सेना ने कहा कि सीमा पर ड्रोन से भी नजर रखी जा रही है और संदिग्धों पर हेलिकॉप्टर से निशाना साधा जा रहा है। हालांकि, हिज्बुल्ला ने इजराइल के खिलाफ किसी तरह का सशस्त्र अभियान शुरू करने से इन्कार किया है।

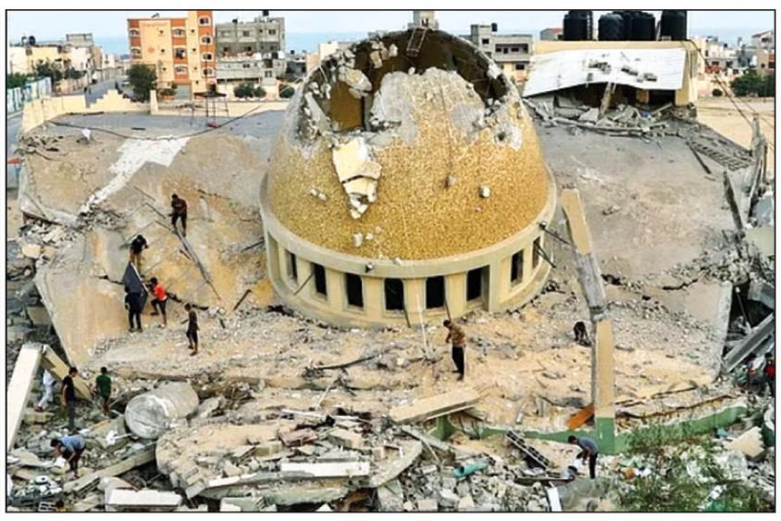

वहीं, हिज्बुल्ला के अल-मनार टीवी के एक संवाददाता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि इजराइल से लगती दक्षिणी लेबनान की सीमा पर तोप और टैंक से गोलीबारी की आवाजे सुनी गई हैं। फलस्तीनी इस्लामी जिहाद मूवमेंट के अल कुद्स ब्रिगेड ने लेबनान-इजराइल सीमा पर हमले की जिम्मेदारी ली है।

इस बीच, मिस्र के सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, संघर्ष खत्म कराने के लिए मिस्र हमास व इजराइल दोनों पक्षों के संपर्क में है। मिस्र पहले भी दोनों पक्षों में मध्यस्थता कर चुका है। कतर के मध्यस्थों ने भी हमास से जुड़े लोगों से संपर्क किया है।

वे इजराइल की जेलों में बंद 36 फलस्तीनी महिलाओं व बच्चों के बदले बंधक बनाए गए इस्राइली महिलाओं और बच्चों को छोड़ने के लिए बातचीत कर रह रहे हैं। हालांकि, एक इस्राइली अधिकारी ने कहा कि कोई बातचीत नहीं चल रही है।

फलस्तीनी बोले, मिल रही चेतावनी

फलस्तीनियों ने दावा किया है कि उन्हें इस्राइली सेना की तरफ से फोन किए जा रहे हैं और ऑडियो संदेश भेजे जा रहे हैं। इसमें उनसे उत्तरी और पूर्वी गाजा क्षेत्रों को खाली करने को कहा जा रहा है। ये इलाके इजराइल से लगते हैं। उन्हें चेतावनी दी जा रही है कि अगर उन्होंने इलाकों को खाली नहीं किया तो इस्राइली सेना उन्हें भगाने के लिए ऑपरेशन शुरू करेगी।

हमले में भारतीय महिला घायल

इजराइल में हमास के हमले में केरल के कन्नूर जले की शीजा आनंद घायल हो गई है। वह वहां देखभाल सेवा के क्षेत्र में काम करती है। भारतीय मिशन शीजा और केरल में उसके परिवार के संपर्क में है। ब्रिटेन, जर्मनी और ऑस्ट्रिया ने फलस्तीन को मानवीय मदद तत्काल रोक दी है।

भयमुक्त चुनाव कराने के लिए पुलिस मैदान में

बीकानेर (हिंस)। चुनाव आचार संहिता लागू होते ही बीकानेर जिले में भयमुक्त चुनाव करवाने के लिए पुलिस मैदान में उतर गई है। खासतौर पर उन इलाकों में पुलिस जा रही है जिन्हें संवेदनशील या हाईरिस्क वाले माना जाता है। इसी कड़ी में मंगलवार को एसपी तेजस्विनी गौतम ने श्रीकोलायत के बाजार से लेकर भारत-पाकिस्तान बॉर्डर तक का दौरा किया। फ्लैग मार्च के रूप में हथियारबंद जवानों की टुकड़ी के साथ निकली एसपी का संदेश साफ है, धांधली या चुनाव में अनैतिक आचरण करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान लोगों से कहा भी, किसी के दबाव या डर में आए बगैर अपने मत का प्रयोग करें। झझू चौराहा पर एसपी तेजस्वी गौतम, निर्वाचन अधिकारी एसडीएम राजेंद्र कुमार, एडिशन एसपी ग्रामीण प्यारेलाल, सीओ अरविंद कुमार बिश्नोई, कोलायत एसएचओ बलवंत कुमार आदि ने हथियारबंद पुलिस जवानों के साथ फ्लैग मार्च निकाला।

शहनाई वादन के साथ दो दिवसीय डीग महोत्सव का आगाज

डीग (हिंस)। राजस्थान पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन डीग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय डीग महोत्सव का आगाज मंगलवार को शहनाई वादन के साथ हुआ। डीग के जलमहल में मंगलवार सुबह शहनाई वादन के बीच पर्यटन विभाग के उप निदेशक संजय जौहरी ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो बैंड बाजे के साथ डीग शहर के सिंह पोल स्थित जल महल परिसर से प्रारंभ होकर हिंदी पुस्तकालय, लक्ष्मण मंदिर, घंटाघर, मुख्य बाजार, लोहा मंडी, नई सड़क, पुराना बस स्टैंड होते हुए वापस जलमहल पहुंची।

आचार संहिता के उल्लंघन की सूचना *सी-विजिल* पर एप पर दें, सौ मिनट में होगी प्रभावी कार्रवाई

जयपुर (हिंस)। विधानसभा आम चुनाव-2023 में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई के लिए आमजन *सी-विजिल* (नागरिक सतर्कता) एप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस एप की खास बात यह है कि आचार संहिता से जुड़ी किसी भी शिकायत का समाधान महज सौ मिनट में हो जाता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन प्रक्रिया को सुगम और प्रभावी बनाने के लिए नित नई तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। इसी कड़ी में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को रोकने में यह एप अहम भूमिका निभा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग ने कई राज्यों में इस एप के जरिए प्रभावी कार्यवाही की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अभी तक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर पर्याप्त सबूतों के अभाव में कड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती थी, अब इस एप के जरिए फास्ट ट्रेक शिकायत प्राप्ति और समाधान प्रणाली से प्राप्त शिकायतों पर तय समय सीमा में कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति एंड्रॉयड आधारित सी-विजिल एप को मोबाइल फोन में डाउनलोड कर सकता है। उन्होंने बताया कि यह एप्लीकेशन केवल उन्हींय राज्यों की भौगोलिक सीमा के भीतर उपभोग्ये होगी जहां निर्वाचन चल रहे हैं। गुप्ता ने बताया कि आमजन आदर्श आचार संहिता का उल्लंउघन करने वाली गतिविधियों का संक्षेप में विवरण करते हुए एक फोटो खींचें या 2 मिनट का एक वीडियो बनाएं। शिकायत दर्ज करने से

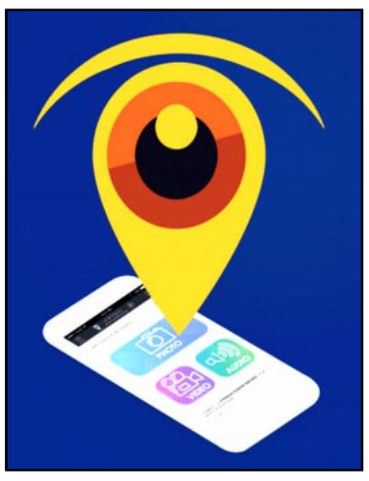

पहले उसका संक्षेप में उल्लेख करें। शिकायत के साथ संलग्न जीआईएस सूचना स्वत: संबंधित जिला नियंत्रण कक्ष तक पहुंच जाती है, जिसके फलस्वरूप उड़नदस्ता कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर भेजकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। *सी-विजिल* किसी भी व्यक्ति को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट करने की अनुमति देता है। आमजन इस एप का इस्तेमाल करके कदाचार की घटना की जानकारी भेज सकता है। सौ मिनट की समय सीमा में अधिकारीगण समस्या का निस्तारण करेंगे। इस एप की सबसे खास बात यह है कि शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाने का भी विकल्प है। कोई भी व्यक्ति एंड्रॉयड आधारित *सी-विजिल* एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है।

अकाल तख्त साहिब का फैसला पालकी व गुरु ग्रंथ साहिब पर अब नहीं होगा परफ्यूम का छिड़काव

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत सहित देश-विदेश में बसी सिख संगत अब गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश तथा पालकी साहिब पर किसी तरह से परफ्यूम का छिड़काव नहीं करेगी। मंगलवार को अकाल तख्त साहिब की तरफ से इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। पहले श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश के समय पालकी साहिब पर परफ्यूम छिड़का जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। दरअसल, परफ्यूम का आधार अल्कोहल होता है, इसलिए सिख विद्वानों ने परफ्यूम का छिड़काव न करने की मांग रखी थी। परफ्यूम में कई हानिकारक केमिकल भी होता हैं। सिख मर्यादा में अल्कोहल के सेवन को गलत कहा गया है। इसी के चलते अब फैसला लिया गया है कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हाजिरी में परफ्यूम का प्रयोग बिल्कुल नहीं होगा। सिख विद्वानों के मुताबिक गुरु ग्रंथ साहिब पर पहले किसी भी प्रकार के इतर या परफ्यूम का प्रयोग नहीं होता था। जहां भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश किया जाता था, वहां अगरबत्ती जला दी जाती थी, ताकि संगत को अच्छी सुगंध मिलती रहे। कुछ साल पहले से गुरु ग्रंथ साहिब के आसपास इतर का प्रयोग किया जाने लगा। बीते कुछ समय से बाजारों में मिलने वाले महंगे परफ्यूम का प्रयोग किया जाने लगा। इसमें अल्कोहल व हानिकारक केमिकल भी हैं। सिख विद्वानों ने जब इस पर ध्यान केंद्रित किया तो इस प्रथा को अब रोक दिया गया है।

ग्रामीण सफाईकर्मियों ने शुरू की तीन दिवसीय हड़ताल

जींद (हिंस)। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की। लघु सचिवालय पर धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान ईश्वर बुआना व संचालन जिला सचिव पवन कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल के नोटिस दो महीने पहले 10 अगस्त को हरियाणा के तमाम जिलों में जिला एवं पंचायत अधिकारियों के माध्यम से तथा विभाग के निदेशक को चंडीगढ़ में जाकर दिया जा चुके हैं। लंबे समय से ग्रामीण सफाई कर्मचारी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं लेकिन प्रदेश सरकार की मंशा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के प्रति ठीक नहीं है। कर्मचारियों की नियुक्ति का पैमाना आज भी 2001 वाली जनसंख्या के आधार पर ही है। सरकार इसको बदलने के लिए तैयार नहीं है जबकि 17 सालों में जनसंख्या काफी बढ़

चुकी है। जिस कारण कर्मचारियों पर काम के बोझ का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। वो लगातार सरकार के सामने यह सवाल उठाते आ रहे हैं कि जब शहरों में यह पैमाना 400 की आबादी का है तो हमारे लिए यह दो हजार क्यो है। 17 साल समाज की सेवा करने के बाद भी सरकार की नजर में उनका कोई खाता नही है। उन्हें ना तो मजदूर माना जाता है और न ही कर्मचारी का दर्जा दिया जाता है। उन्होंने मांग की कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को पक्का किया जाए। पंचायत की बजाए सरकार के पेरोल पर लिया जाए। न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए मासिक किया जाए। वेतन में वार्षिक बढ़ोत्तरी व महंगाई भत्ता लागू करो। तीन महीने की बजाए वार्षिक बजट जारी किया जाए और महीने की सात तारीख से पहले वेतन का भुगतान किया जाए। पीएफईएसआई कार्ड जारी किया जाए। मृत्यु हो चुके कर्मचारियों के परिजनों को पांच लाख रुपए मुआवजा व एक्सग्रेशिया नीति लागू करके परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाए। काम के औजारों का मासिक भत्ता तय किया जाए। वर्दी भत्ता लागू किया जाए। शहर की तरह गांव में भी 400 की आबादी पर एक सफाई कर्मी नियुक्त किया जाए। डोर टू डोर के कर्मचारियों को ठेकेदारों की बजाए बीडीपीओ के पे रोल पर लिया जाए और ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के बराबर मानदेय दिया जाए। बेगार से मुक्ति के लिए पंचायत की बजाए अलग से सुपरवाइजर लगाया जाए।

पंजाब के बर्खास्त एआईजी की गिरफ्तारी पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने लगाई रोक

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए ड्रग्स तस्करी केस में बर्खास्त हुए एआईजी राजजीत सिंह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इसी केस में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल चुकी है। हाईकोर्ट ने केस की अगली सुनवाई 16 अक्तूबर तय की है। इससे पहले हाई कोर्ट ने अगस्त महीने में बर्खास्त एआईजी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। मार्च में ड्रग मामले की जांच रिपोर्ट के बाद सरकार ने पूर्व एसएसपी राजजीत हुंदल के खिलाफ केस दर्ज कर अप्रैल में नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। बर्खास्तगी के बाद से वे फरार चल रहा है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ड्रग रैकेट मामले में बर्खास्त राजजीत हुंदल को अंतरिम जमानत दे दी थी और पंजाब सरकार को नोटिस भी जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने राजजीत सिंह को अंतरिम जमानत देते हुए आदेश दिया है कि वे जांच अधिकारी के सामने रोजाना पेश होकर अपना पक्ष रखें और जांच में सहयोग दें। इससे पहले जुलाई में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने ड्रग्स तस्करी मामले में राजजीत सिंह हुंदल को अंतरिम राहत दी थी। इसके साथ ही भगोड़ा

घोषित करने की प्रक्रिया पर एक हफ्ते के लिए रोक लगा दी थी। अदालत ने हुंदल को पहले अग्रिम जमानत दाखिल करने को कहा। अदालत अन्य मामलों पर बाद में सुनवाई करेगी।

नूंह दंगों के बलिदानी होमगार्ड के परिजनों को 50 लाख के चेक सौंपे

फतेहाबाद (हिंस)। नूंह दंगों में सर्वोच्च बलिदान देने वाले गांव फतेहपुरी निवासी होमगार्ड जवान गुरसेव सिंह के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। मंगलवार को मंगलवार को महा आदेशक गृह रक्षी एवं निदेशक नागरिक सुरक्षा हरियाणा देशराज सिंह ने बलिदानी के परिजनों को मंगलवार को मुआवजा के रूप में 50 लाख रुपए के चेक सौंपे गए। जिसमें बलिदानी गुरसेव सिंह की पत्नी गुरपिन्द्र कौर को 30 लाख रुपये, माता सुखपाल कौर को 10 लाख रुपए व पिता सैंसीराम को भी 10 लाख रुपए के चेक सौंपे गए। इस मौके पर नोडल अधिकारी आशीश हांडा, जिला आदेशक रघबीर सिंह, राज्य मुख्यालय अधीक्षक संदीप पाल सिंह, रीडर महा आदेशक सुरज सोलंकी, हवलदार प्रशिक्षक शमशेर खान, हवलदार प्रशिक्षक कॉलआउट धर्मवीर, हवलदार लिपिक कॉलआउट मुकेश शर्मा व ग्राम पंचायत सरपंच गुरसेवक सिंह फतेहपुरी उपस्थिति थे। इस मौके पर शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति सभी ने संवेदना व्यक्त की। गृह रक्षी हरियाणा के जिला आदेशक रघबीर सिंह ने बताया कि विभाग में पंजीकृत स्वयंसेवकों को दुर्घटना अथवा सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवान के परिजनों को पहले 15 लाख रुपए मुआवजा देने का प्रावधान था। बाद में महा आदेशक गृह रक्षी एवं निदेशक नागरिक सुरक्षा हरियाणा के देशराज सिंह ने एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों से वार्ता कर 15 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के होमगार्ड गुरसेव सुपुत्र सैंसीराम निवासी फतेहपुरी की गुरुग्राम में ड्यूटी के दौरान दंगाइयों के हमले में 31 जुलाई को मौत हो गई थी।

पाकिस्तान की गाजी पनडुब्बी को डूबोने वाले वीर चक्र विजेता कमांडर इंद्र सिंह का निधन

99 वर्षीय कमांडर इंद्र सिंह का सोमवार देर रात हो गया था स्वर्गवास

रोहतक (हिंस)। भारत पाक के 1971 में हुए युद्ध में अपने शौर्य का प्रदर्शन करने वाले वीर चक्र विजेता कमांडर इंद्र सिंह का मंगलवार को शीला बाईपास स्थित रामबाग श्मशान घाट में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जिला प्रशासन की ओर से उपमंडलाधीश राकेश कुमार सैनी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। सोमवार देर रात को 99 वर्ष की आयु में कमांडर इंद्र सिंह का देहांत हो गया था। कमांडर इंद्र सिंह ने 1971 में भारत-पाक युद्ध में अपना

कौशल दिखाते हुए पाकिस्तान की गाजी पनडुब्बी को समुंद्र की गहराइयों में दफना दिया था। शौर्य के लिए उन्हें वीरचक्र से सम्मानित किया गया था। झंग कॉलोनी निवासी कमांडर इंद्र सिंह ने सोमवार को अंतिम सांस ली, कमंडर को अंतिम विदाई देने वालों में जिला सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण विभाग की कल्याण अधिकारी विंग कमांडर गोरिका सुहाग, कल्याण व्यवस्थापक जगबीर सिंह अहलावत एवं रविंद्र कुमार सहित भारी संख्या में जन समूह शामिल रहा।

केएल आर्य डीएवी पब्लिक स्कूल में भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजित

हिसार (हिंस)। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की ओर से केएल आर्य डीएवी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छठी से बारहवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत गाकर किया गया। प्राचार्य ओमप्रकाश यादव एवं भारत विकास परिषद के विशिष्ट अतिथियों द्वारा गुरु वंदन कार्यक्रम के तहत गणित अध्यापक कृष्ण कुमार सिहाग को व छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के तहत कक्षा ग्यारहवीं के छात्र हितेश को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। भारत को जानो प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में संस्कार, निर्माण, देशभक्ति की भावना व हमारी संस्कृति से परिचय करवाना था। विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों से छात्र भारत की संस्कृति को जान सकते हैं व अच्छे संस्कारों का निर्माण कर सकते हैं और भविष्य में देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। प्राचार्य ओम प्रकाश यादव ने अंत में सभी को धन्यवाद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका पूनम गिरधर, उषा धमीजा सहित सभी शिक्षकों व कर्मचारियों का योगदान रहा।

कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश में होंगे चार उपमुख्यमंत्री : हुड्डा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर चार उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हुड्डा के इस बयान से पार्टी में नया विवाद खड़ा हो गया है। तीन दिन पहले एक कार्यक्रम में हुड्डा ने एक ब्राह्मण को उपमुख्यमंत्री बनाने का ऐलान करके पार्टी में अपने विरोधियों को नया मुद्दा दे दिया था। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान हरियाणा में नौ विधायकों को मुख्य संसदीय सचिव बनाया गया था। बाद में हाई

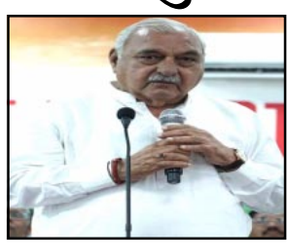

कोर्ट ने संसदीय सचिव के पद को अमान्य करार दिए जाने के बाद सरकार को उन्हें पद से हटाना पड़ गया था। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि यह पार्टी हाई कमान से स्वीकृत फार्मूला है। वर्ष 2019 में यह बात कही गई थी। उन्होंने दोहराया कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री के अलावा ब्राह्मण, दलित, ओबीसी और सामान्य श्रेणी से एक-एक विधायक को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। हुड्डा ने कहा कि इस फार्मूले को गलत तरीके से प्रचारित करने की बजाए यह माना जाए कि कांग्रेस पार्टी प्रत्येक जाति के लोगों को प्रतिनिधित्व देती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा ही छत्तीस बिरादरी के लोगों के आवाज को उठाया है। ऐसे में सत्ता में आने पर सभी छत्तीस बिरादरी के लोगों को सत्ता में भागीदार बनाया जाएगा।

दशहरा की तैयारियां जोरों पर

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर दशहरा कमेटी द्वारा करणी सिंह स्टेडियम के दशहरा आयोजन की झांकी के लिए विभिन्न पात्रों का चयन 15 अक्तूबर रविवार शाम 6 बजे तनेजा धर्मशाला धोबी तलाई गली नंबर 3 में किया जायेगा, जिसमें झांकियो में बनने वाले किरदार चुने जाएंगे। कमेटी की झांकी हर बार से बेहतर हो इसके लिए पूरी टीम दिन-रात मेहनत करके इनकी वेशभूषा, साजो-सामान आदि पर कार्य करती है ताकि जो भी किरदार चुना जाये वो उस रोल में अच्छा लगे। झांकी का सारा काम महासचिव संजय झाम्ब और उपाध्यक्ष कबीर झाम्ब की निगरानी में उनकी पूरी टीम प्रेम सिंह, ओम मोदी , बजरंग मोदी, राहुल, गिरिराज रामावत द्वारा किया जा रहा है।

गुजवि में अब विद्यार्थी एक साथ कर सकेंगे दो-दो कोर्स

हिसार (हिंस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार ने विद्यार्थियों को खास तोहफा दिया है। अब विद्यार्थी एक साथ दो-दो कोर्स कर सकेंगे। यूजीसी की नई गाइडलाइन के मुताबिक एक ही समय रेगुलर व डिस्टेंस की डिग्री कर सकते हैं व साथ ही जो भी व्यक्ति जॉब कर रहा है, वह जॉब के साथ ही डिस्टेंस एजुकेशन से डिग्री भी प्राप्त कर सकता है। इस सत्र से स्किल आधारित सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं जो कि छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेंगे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने मंगलवार को बताया कि विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय ने सत्र 2023-24 के लिए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों एवं ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए प्रवेश की तिथि को 20 अक्तूबर, 2023 तक बढ़ाने की घोषणा की है। इसके लिए विद्यार्थियों को 500 रूपए विलंब फीस लगेगी।

यह उन विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा, जो किन्हीं कारणों से वंचित रह गए थे। कुलपति प्रो. बिश्नोई ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत जो भी विद्यार्थी विश्वविद्यालय के रेगुलर कोर्स में प्रवेश लेकर डिस्टेंस कोर्सेज में भी एडमिशन लेंगे उनको डिस्टेंस कोर्स की फीस में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। विद्यार्थी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी करते हुए भी डिस्टेंस से कोर्स कर सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ. खजान सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में छात्रों का रुझान बीए, बीकॉम जैसे कोर्सेज की तरफ ज्यादा बढ़ा है। विभाग में अब तक 3000 से अधिक छात्र प्रवेश ले चुके हैं जबकि पंजीकरण प्रक्रिया अभी जारी है। निदेशक डॉ. खजान सिंह ने बताया कि मुक्त और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के तहत विद्यार्थी बीए, बीए (मास कम्यूनिकेशंस), बीकॉम, एमए इंग्लिश, एमए (मास कम्यूनिकेशंस), एमबीए, एमकॉम, एमएससी (मैथमेटिक्स), एमसीए डिग्री कोर्सेज में दाखिल ले सकते हैं। इसके अलावा बीकॉम एवं एमबीए ऑनलाइन के लिए भी दाखिला ले सकते हैं। विद्यार्थी डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशंस, डिप्लोमा इन फूड क्वॉलिटी एश्योरेंश, डिप्लोमा इन सॉलिड एंड हाजर्डर्स वेस्ट मैनेजमेंट शामिल हैं।

लश्कर के दो आतंकवादियों का मारा जाना सुरक्षा बलों की बड़ी जीत : एसएसपी

शोपियां (हिंस)। शोपियां की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री ने मंगलवार को कहा कि शोपियां में हुई मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकवादियों का मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी जीत है, क्योंकि यह आतंकवादी इलाके में हमले की योजना बना रहे थे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों को सोमवार रात इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली और अभियान पूरी रात जारी रहा। एसएसपी तनुश्री ने कहा कि मंगलवार सुबह करीब 7 बजे दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा बलों के लिए यह एक बड़ी जीत है, क्योंकि वे हमलों की योजना बना रहे थे और आतंकी संगठनों में युवाओं की भर्ती कर रहे थे। एसएसपी ने कहा कि सुरक्षा बलों को रात में सूचना मिली कि दो आतंकवादी देखे गए हैं। सूचना मिलते ही जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 44 आरआर और 178 सीआरपीएफ के संयुक्त बलों ने इलाके की घेराबंदी कर अलशीपोरा इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि मारे गए दोनों आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के थे। कश्मीर जोन के पुलिस अधिकारियों ने उनकी पहचान मोरीफत मकबूल और जाजिम फारूक उर्फ अबरार के रूप में की है। एसएसपी तनुश्री ने कहा कि जाजिम फारूक उर्फ अबरार कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या में शामिल था। संजय शर्मा की फरवरी में पुलवामा के अचान इलाके में उनके घर के बाहर हत्या कर दी गई थी। वह जेएंडके बैंक में एटीएम गार्ड के पद पर कार्यरत था। अक्तूबर, 2022 के बाद यह पहली बार था जब किसी कश्मीरी पंडित को निशाना बनाया गया था।

गोवंश से भरे आठ ट्रकों को रोका, गाड़ियों में तोड़-फोड़

प्रतापगढ़ (हिंस)। शहर के सूरजपोल चौराहे पर मंगलवार को आठ वाहनों में गोवंश को कत्लखाने ले जाने की सूचना मिलने पर सामाजिक संगठनों सहित कई लोगों ने वाहनों को रोक लिया और हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस और लोगों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान कुछ लोगों ने वाहनों के शीशे भी तोड़ दिए। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। प्रतापगढ़ में सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं को कुछ वाहनों में गोवंश ले जाने की सूचना मिली थी। इस पर सूरजपोल चौराहे पर लगभग आठ वाहनों को रोककर उनकी तलाशी ली गई, तो उनमें गोवंश भरा हुआ था। कत्ल खाने ले जाए जाने की आशंका में कार्यकर्ताओं की ट्रक चालकों से कहासुनी हुई। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसी दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस दौरान अज्ञात लोगों द्वारा वाहनों पर पत्थर फेंके गए जिससे कुछ वाहनों के शीशे टूट गए। सूरजपोल चौराहे पर करीब एक घंटे तक मुख्य मार्ग एनएच पर दोनों और लंबा जाम लगा।जाम को हटाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने इस दौरान कई बार हल्का

बल प्रयोग भी किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा ने बताया कि कोतवाल को सूचना मिली कि ट्रक में गोवंश मध्य प्रदेश की ओर ले जा रहे हैं। एसएचओ मौके पर पहुंचे। वहां कुछ लोगों ने गाड़ियां रुकवा रखी थीं और उनमें गोवंश भरा हुआ था। इसपर सभी गाड़ियों को थाने लाया गया है। आठ गाड़ियां है, उनमें 108 गोवंश हैं। इन आठों गाड़ियों के आठों ड्राइवरों को डिटेन किया गया है। अब इसके संबंध में जो भी इनके पास दस्तावेज हैं, परमिट है या नहीं व अन्य जानकारी ली जाएगी।

पराली को लेकर किसान पर केस हुआ दर्ज तो करेंगे आंदोलन : एसकेएम

यमुनानगर (हिंस)। संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य मंगलवार को धान की पराली और धान के पोर्टल से संबंधित समस्याओं को लेकर जिला उपायुक्त मनोज कुमार से मिले। इस मौके पर भाकियू चढूनी के जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना ने कहा कि सरकार दबाव बना रही है कि किसान अपने खेत में धान के अवशेष न जलाएं। वहीं, प्रशासन द्वारा किसानों पर पराली जलाने को लेकर केस दर्ज करवाए जा रहे हैं, जिसे लेकर किसानों में रोष है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्यों ने मिलकर जिला उपायुक्त को किसानों के सामने आ रही समस्याओं से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि कोई किसान पराली जलाना नहीं चाहता, लेकिन मजबूरीवश थोड़ी बहुत परली जलाई जा रही है, क्योंकि जिन खेतों में हमें सब्जियों की फसल लगानी है, उनको हम बिना पराली जलाए तैयार नहीं कर सकते। सरकार द्वारा जरूरी मात्रा में पराली की गांठें और बेलर बनाने के साधन किसानों को मुहैया नहीं करवाए जा रहे हैं। जिले में तकरीबन तीन लाख एकड़ में धान की फसल है और मात्र दो या तीन बेलर मशीन हैं। पराली की जो गांठें बनती हैं, उनको कोई खरीदने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि किसान सरकार को अपनी पराली देने को तैयार हैं, लेकिन सरकार उठाने को तैयार नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अधिकारियों द्वारा पराली के मामले को लेकर किसानों पर केस दर्ज किया जाता है तो किसान मजबूर होकर जेल भरो आंदोलन चलाने के लिए तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि किसी एक अकेले किसान पर मामला दर्ज नहीं होने दिया जाएगा। सभी किसान संगठन मिलकर सरकार के विरुद्ध धरना-प्रदर्शन करेंगे और जेल भरो आंदोलन चलाएंगे।

वेदांता की सहायक कंपनी पर 1.81 करोड़ का जुर्माना; ईडी ने हिंदुस्तान जिंक की संपत्ति जब्त करने का दिया आदेश

नई दिल्ली ।
बहुराष्ट्रीय खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड ने कहा कि कर अधिकारियों ने उसकी सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक पर 1.81 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। वेदांता लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि यह आदेश प्राप्त हुआ। वेदांता ने एक बयान में कहा, कंपनी को सहायक आयुक्त, डिवीजन-ए, केंद्रीय जीएसटी ऑडिट सर्कल, सीजीएसटी, उदयपुर से एक आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें जुलाई 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए एसजीएसटी अधिनियम, 2017 के संबंधित प्रावधानों और आईजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 20, जीसीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 74 (9) के तहत 1,81,06,073 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बयान में कहा गया है कि यह आदेश इस तर्क पर पारित किया गया है कि कंपनी ने गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया था। कंपनी ने आगे कहा कि उसे अपीलीय स्तर पर अनुकूल परिणाम की उम्मीद है और उसे नहीं लगता कि इस आदेश का कंपनी पर कोई वित्तीय प्रभाव पड़ेगा।

वेंकटेश्वर हैचरीज की 24 करोड़ की संपत्ति को जब्त करने का आदेश - प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने प्रमुख हैचरी कंपनी वेंकटेश्वर हैचरीज प्राइवेट लिमिटेड की 24 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को जब्त करने का नया आदेश जारी किया है। एजेंसी ने कहा कि उसने यह आदेश विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन से संबंधित जांच के तहत दिया है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत महाराष्ट्र और कर्नाटक में स्थित छह अचल संपत्तियों को जब्त किया है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य 24.64 करोड़ रुपये है। ईडी की जांच 2010 से अब तक कंपनी द्वारा अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी वेंकीज लंदन लिमिटेड, कार्डिफ, यूके को अवैध रूप से भेजे गए धन से संबंधित है। एजेंसी ने पिछले महीने इसी तरह इस मामले में 65 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी।

न्यूज ब्रीफ

भारत में बेरोजगारी दर छह साल के निचले स्तर पर, एनएसएसओ की वार्षिक रिपोर्ट जारी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण वार्षिक रिपोर्ट 2022-2023 के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए भारत में बेरोजगारी दर जुलाई 2022 से जून 2023 के दौरान छह साल के निचले स्तर 3.2 प्रतिशत पर दर्ज की गई। बेरोजगारी या बेरोजगारी दर को श्रम -बल में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है। अधिक लगातार समय अंतराल पर श्रम बल डेटा की उपलब्धता के महत्व को ध्यान में रखते हुए, एनएसएसओ ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) शुरू किया। यहां संदर्भ अवधि जुलाई 2022 से जून 2023 तक है। अखिल भारतीय स्तर पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति में बेरोजगारी दर (यूआर) 2022-23 में 4.1 प्रतिशत से घटकर 2021-22. में 3.2 प्रतिशत हो गई। अप्रैल-जून तिमाही में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी एक फीसदी घटकर 6.6 प्रतिशत देश में इस साल अप्रैल-जून तिमाही में शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर सालाना आधार पर एक फीसदी घटकर 6.6 फीसदी रही।राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के मुताबिक, एक साल पहले की समान अवधि में यह 7.6 फीसदी रही थी।

आईएमएफ ने वित्तीय वर्ष 2024 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत किया, बताया ये कारण

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अप्रैल-जून तिमाही में उम्मीद से अधिक खपत का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। आईएमएफ की ओर से किया गया यह बदलाव भारत के आंकड़ों में किए गए कई बदलावों में सबसे नया है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्वानुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। वित्त वर्ष 2025 के लिए विकास के पूर्वानुमान को 6.3 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया है। आईएमएफ के अनुसार आने वाले समय में भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में कहा कि भारत की विकास दर मजबूत बनी रहेगी। 2023 और 2024 में इसके 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऐसा अप्रैल से जून-तिमाही में उम्मीद से बेहतर खपत के आंकड़ों के कारण है। आईएमएफ ने अपने हालिया पूर्वानुमानों में पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव को शामिल नहीं किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले वर्ष की तुलना में अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आईएमएफ की ओर से भारत की वृद्धि दर के पूर्वानुमानों में किया गया ताजा इजाफा अप्रैल में उसकी ओर से लगाए गए अनुमानों से 0.4 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024 के लिए विश्व बैंक ने भारत की विकास दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

त्योहारी सीजन से पहले बैंक ऑफ बड़ौदा ने ग्राहकों को दिया तोहफा एफडी पर बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली। देश के बड़े सरकारी बैंकों में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा ने त्योहारी सीजन में अपने ग्राहकों को ज्यादा मुनाफा कमाने का मौका दिया है। दरअसल बैंक ने अपने विभिन्न फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की अवधि पर ब्याज दर को बढ़ाया है। इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा ने मई 2023 और मार्च 2023 में रिटेल टर्म डिपॉजिट की ब्याज दरें बढ़ाई थीं। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 3 साल तक की विभिन्न अवधियों के लिए एफडी पर ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट (बीपीएस) तक की बढ़ोतरी की है। बैंक ने बताया कि ये नई दरें 9 अक्टूबर, 2023 से 2 करोड़ रुपये से कम के एफडी पर लागू हो चुकी है। नई दरें प्रभावी होने के बाद अब बैंक अपने ग्राहकों को 2 से 3 साल की एफडी पर अधिकतम 7.25 फीसदी का ब्याज दे रहा है, जबकि वरिष्ठ नागरिकों को इसी अवधि के लिए 7.75 फीसदी तक का ब्याज मिल रहा है।

क्या ब्रिक्स देश अपनी मुद्रा बनाने की योजना बना रहे हैं

नई दिल्ली ।
ब्रिक्स, जो ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है, एक अनौपचारिक साझेदारी है जो सदस्य देशों के बीच सहयोग और संचार को बढ़ावा देती है। ब्रिक्स देशों के बीच कोई औपचारिक या कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता नहीं है। ब्रिक्स शब्द जिम ओनील द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर इन देशों की क्षमता पर जोर देने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था। जब ओनील ने बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया, तो उनका मानना था कि ये देश, अपने आर्थिक विकास, संसाधनों और बढ़ती आबादी के कारण, 21वीं सदी के भीतर आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे। ब्रिक्स (जिसमें अभी तक दक्षिण अफ्रीका को शामिल नहीं किया गया था) की पहली बैठक 2009 में हुई थी। कई वर्षों बाद, 2011 में, दक्षिण अफ्रीका में शामिल हो गया, जिससे इसमें शामिल देशों में अतिरिक्त विविधता जोड़ने में मदद मिली। अपने वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान, ब्रिक्स देश वित्त, व्यापार, विकास, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ब्रिक्स के आर्थिक आकार को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। 2003 से 2007 तक, ब्रिक्स बनाने वाले पांच देशों की वृद्धि दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के पैंसठ प्रतिशत के विस्तार के लिए जिम्मेदार थी। 2003 में, ब्रिक्स देशों का विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में केवल नौ प्रतिशत योगदान था। 2009 में यह आंकड़ा काफी बढ़कर चौदह प्रतिशत हो गया।

क्या ब्रिक्स देश अपनी मुद्रा बनाने की योजना बना रहे हैं - मार्च 2023 में, नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान, रूस के राज्य ड्यूमा के उपाध्यक्ष अलेक्जेंडर बाबाकोव ने संकेत दिया कि रूस एक नई मुद्रा के विकास की प्रक्रिया में था। इस मुद्रा का उपयोग ब्रिक्स देशों के बीच सीमा पार व्यापार के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, मुद्रा संभावित रूप से अमेरिकी डॉलर को टक्कर दे सकती है। अमेरिकी डॉलर की प्रतिद्वंद्वी मुद्रा के बारे में बातचीत कोई नई बात नहीं है। 1960 के दशक से, कई सुर्खियाँ और चर्चाएँ इस बारे में रही हैं कि कैसे विदेशी सरकारें अमेरिकी डॉलर को गद्दी से उतार सकती हैं। ये बातचीत कहीं नहीं गई और डॉलर मुद्राओं का राजा बना हुआ है। तो, सवाल यह है कि क्या ब्रिक्स मुद्रा डॉलर को चुनौती देने वाली अन्य सभी मुद्राओं की तरह सफल होगी या विफल होगी जब हम देखते हैं कि अमेरिकी डॉलर कितना प्रभावशाली है, तो हम इसे सीमा पार व्यापार से माप सकते हैं। आज, डॉलर का उपयोग सीमा पार व्यापार में लगभग चौरासी प्रतिशत किया जाता है, जबकि चीनी युआन के लिए यह मात्र साढ़े चार प्रतिशत है।

ब्रिक्स देशों को नई मुद्रा बनाने में दिलचस्पी क्यों होगी - ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से ब्रिक्स देश अपनी मुद्रा बनाना चाहेंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीतियों और वित्तीय चुनौतियों ने ब्रिक्स देशों को अपनी मुद्रा बनाने के विचार का पता लगाने के लिए प्रेरित किया है। ब्रिक्स के भीतर के राष्ट्र अपने हितों की पूर्ति में रुचि रखते हैं और साथ ही अमेरिकी डॉलर के साथ-साथ यूरो पर दुनिया की निर्भरता को कम करना चाहते हैं। ब्रिक्स मुद्रा अमेरिकी डॉलर से कैसे प्रतिस्पर्धा कर सकती है - पिछले कई महीनों से अमेरिकी डॉलर दबाव में है। बढ़ती ब्याज दरों और संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर सबसे हालिया ऋण सीमा संकट के साथ, अन्य देश अपने मूल्यवर्ग के ऋण और डॉलर की गिरावट के बारे में चिंतित हैं यदि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था डिफ़ॉल्ट होती है। हालाँकि अमेरिकी डॉलर में हाल ही में कुछ उथल-पुथल हुई है, लेकिन ब्रिक्स मुद्रा को वास्तविकता बनने से पहले महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए कई पहलों की समीक्षा कर रहे हैं। पिछले वर्ष में, ब्राज़ील, रूस और चीन ने अपने क्रॉस कंट्री लेनदेन के लिए गैर-डॉलर मुद्राओं का उपयोग करने का विकल्प चुना है। इसके अलावा, सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी अमेरिकी डॉलर के विकल्प तलाश रहे हैं। यूक्रेन में रूस के आक्रमण की शुरुआत के बाद से ब्रिक्स देशों द्वारा ब्रिक्स मुद्रा बनाने का विचार तेज हो गया है। ब्रिक की मुद्रा को सोने का समर्थन प्राप्त होगा। यह समझौता ब्रेट और वुड्स समझौते के समान होगा, जिसमें मुद्राओं के अवमूल्यन को रोकने और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विकास बनाने के लिए एक कुशल विदेशी मुद्रा प्रणाली बनाने की मांग की गई थी।

ब्रिक्स द्वारा जारी मुद्रा की कुछ मुख्य चिंताएं क्या हैं - ब्रिक्स द्वारा जारी मुद्रा की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह है कि अगर यह विदेशी मुद्रा व्यापार व्यापार के हिस्से के रूप में अमेरिकी डॉलर के समान स्थिर नहीं है तो इसे व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया जा सकता है। क्योंकि अमेरिकी डॉलर वर्तमान में दुनिया में सबसे अधिक स्वीकृत मुद्रा है और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाली संयुक्त राज्य सरकार द्वारा समर्थित दुनिया की आरक्षित मुद्रा है, अन्य देश ब्रिक्स द्वारा जारी मुद्रा का उपयोग क्यों करेंगे यदि सोना और अन्य धातुएं ब्रिक की मुद्रा का समर्थन नहीं करती हैं, तो इसे एक ठोस केंद्रीय बैंक और एक स्थिर अर्थव्यवस्था द्वारा समर्थित करने की आवश्यकता होगी, जो मौजूदा सदस्य देशों के लिए सबसे अधिक संभावना है। केंद्रीय बैंकों को आम तौर पर अपनी अर्थव्यवस्थाओं के भीतर अधिकतम रोजगार बनाए रखने और कीमतें स्थिर रखने का आदेश दिया जाता है। इसके अलावा, अधिकांश केंद्रीय बैंक भी निम्न स्तर पर दीर्घकालिक ब्याज दरों का समर्थन करना चाहते हैं।

इस्राइल-हमास का युद्ध लंबा खिंचा तो भारत में बढ़ेगी महंगाई, संघर्ष की शुरुआत होते ही 4 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल

नई दिल्ली ।
इस्राइल व हमास के बीच युद्ध का असर कच्चे तेल की कीमतों से लेकर दुनियाभर के शेयर बाजारों पर दिखने लगा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के साथ युद्ध का असर दिखने की शुरुआत हो गई है। इस्राइस-हमास युद्ध लंबा खींचा तो भारत पर इसका चौतरफा असर पड़ सकता है।

सबसे बड़ी चिंता कच्चे तेल को लेकर है, जो दोनों देशों में संघर्ष की शुरुआत के बाद से 4 फीसदी से अधिक महंगा हो गया है। क्रूड में उछाल से देश में न सिर्फ महंगाई बढ़ेगी बल्कि चालू खाता घाटे पर भी असर पड़ेगा। भारत अपनी जरूरतों का 85 फीसदी तेल आयात करता है। ब्लूमबर्ग मुताबिक, रैपिडन एनर्जी समूह के अध्यक्ष एवं व्हाइट हाउस के पूर्व अधिकारी बॉब मैकनेली ने कहा कि अगर इस्राइल किसी भी ईरानी बुनियादी ढांचे पर हमला कर जवाब देता है तो क्रूड के दाम तत्काल बढ़ जाएंगे। उधर, वैश्विक बाजार में कच्चा तेल 3 फीसदी तक उछल गया। ब्रेंट क्रूड 2.28 फीसदी चढ़कर 86.86 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। डब्ल्यूटीआई में 3 फीसदी तेजी रही।

तेल का 100 से नीचे रहना जरूरी

विशेषज्ञों की मानें तो इस्राइल और हमास के बीच युद्ध का लंबा चलना चिंताजनक है। इससे कच्चे तेल की कीमतें तिहाई अंकों में पहुंच सकती है। हालांकि, क्रूड की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए भारत अच्छी स्थिति में है। फिर भी, इसकी कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने रहना जरूरी है।

स्थिति पर करीब से नजर: हरदीप पुरी

इस्राइल-हमास संघर्ष पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा, भारत स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। जहां तक ऊर्जा का सवाल है तो हमें यह बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहिए कि जिस स्थान पर यह सब जारी है, वह कई मायनों में वैश्विक ऊर्जा केंद्र है। हम इस पर करीबी नजर रखेंगे और देखेंगे कि अपना आगे का रास्ता कैसे तय कर सकते हैं। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने कहा, इस्राइल में स्थित हाइफा बंदरगाह पर उसके सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं।

एचडीएफसी के ग्राहकों की ईएमआई में होगी बढ़ोतरी, बैंक ने एमसीएलआर की दर में किया इजाफा

नई दिल्ली।
निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक की ओर से कुछ चुनिंदा अवधि के एमसीएलआर की दर को 10 आधार अंक बढ़ा दिया गया है।

एचडीएफसी के लोन की ब्याज दरों में हुआ बदलाव

एचडीएफसी बैंक की ओर से ओवरनाइट एमसीएलआर की दर को घटाकर 8.60 प्रतिशत कर दिया गया है। एक महीने का एमसीएलआर 8.65 प्रतिशत कर दिया गया है। तीन महीने का एमसीएलआर 8.85 प्रतिशत और छह महीने का एमसीएलआर 9.10 प्रतिशत कर दिया गया है।

एक वर्ष का एमसीएलआर जो कि कई ग्राहकों के होम लोन से जुड़ा हुआ होता है। अब 9.20 प्रतिशत हो गया है। वहीं, दो वर्ष का एमसीएलआर 9.20 प्रतिशत है। तीन वर्ष का एमसीएलआर 9.25 प्रतिशत हो चुका है।

क्या होता है एमसीएलआर

एमसीएलआर वह न्यूनतम दर होती है जिस पर बैंक अपने ग्राहकों को लोन देते हैं। इसी के आधार पर तय किया जाता है कि होम लोन, पर्सनल लोन और कार लोन के लिए ब्याज दर क्या होगी।

एचडीएफसी बैंक ने एफडी पर कम किया ब्याज

एचडीएफसी बैंक की ओर से कुछ चुनिंदा अवधि की एफडी पर ब्याज दरों में कटौती की गई है। बैंक द्वारा 7 दिनों से लेकर 10 वर्षों की एफडी पर 3 प्रतिशत से लेकर 7.20 प्रतिशत का ब्याज सामान्य नागरिकों को दिया जा रहा है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को 3.5 प्रतिशत से लेकर 7.75 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को विश्व बैंक ने चेताया, कहा- गरीबों को राहत दो, अमीरों पर कर लगाओ

नई दिल्ली ।
विश्व बैंक ने नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सभी कर छूटों को बंद करने और कृषि, खुदरा और रीयल एस्टेट को कर के दायरे में लाने का सुझाव दिया है, जिससे देश की जीडीपी में तीन प्रतिशत का इजाफा हो। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई।

विश्व बैंक के कंट्री निदेशक नजी बेनहासिन और वरिष्ठ अर्थशास्त्री तोबियास हक के हवाले से कहा, प्रांतीय अधिकार क्षेत्र में आने वाले दो प्रमुख क्षेत्रों रियल एस्टेट और कृषि क्षेत्र के लोगों के पास ज्यादातर कर रहित संपत्ति है, जिस पर प्रांतीय सरकारों को कर लगाना चाहिए ताकि सेवाओं में सुधार हो सके और केंद्र पर वित्तीय बोझ कम हो सके। अनुमान है कि यदि कृषि आय और संपत्ति कर को सही तरीके से लागू किया जाता है तो इससे सालाना आधार पर कर संग्रह में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत प्राप्त हो सकता है, जो तीन लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट और कृषि से जीडीपी का क्रमशः दो प्रतिशत और एक प्रतिशत (आधिकारिक जीडीपी आकार के अनुसार क्रमशः 2.1 ट्रिलियन रुपये और एक ट्रिलियन रुपये) राजस्व प्राप्त होना चाहिए। विश्व बैंक की पाकिस्तान सरकार को सौंपे गए एक विस्तृत नीति पत्र का हवाला देते हुए हक ने कहा कि यह दस्तावेज बेहतर, विस्तारित और प्रगतिशील कृषि आय कराधान के माध्यम से राजस्व बढ़ाने की वकालत करता है। विश्व बैंक के अधिकारी के हवाले से कहा गया है, यह मौजूदा 12.5 एकड़ कर छूट सीमा को कम करने या परिष्कृत करने के लिए तुरंत किया जाना चाहिए ताकि अधिक कृषि भूमि को कर के दायरे में लाया जा सके और आकार, स्थान, सिंचाई की स्थिति और क्षेत्र-आधारित उत्पादकता जैसे पहलुओं के आधार पर कर दरों में भूमि का उचित वर्गीकरण सुनिश्चित किया जा सके। विश्व बैंक भी पाकिस्तान के लिए 350 मिलियन डॉलर के राइज (सतत अर्थव्यवस्था के लिए दूसरा लचीला संस्थान) को मंजूरी मिलने की उम्मीद कर रहा है लेकिन कार्यकारी बोर्ड की बैठक की किसी तारीख की अभी पुष्टि नहीं की जा सकती। पाकिस्तान बहुत मुश्किल स्थिति में है क्योंकि उसका राजकोषीय घाटा अस्थिर है।

आठ अरब डॉलर दान में देकर बिना घर और कार के गुजार दी जिंदगी, नहीं रहे दानवीर चार्ल्स फीनी

नई दिल्ली।
अरबों डॉलर की संपत्ति दान में दे देने वाले एक खुदरा उद्यमी और निवेशक चार्ल्स चक फीनी का निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। उन्होंने अपने जीवन में कई अरब डॉलर की संपत्ति अर्जित की और फिर इसे सब कुछ दान में दे दिया। उनके पास अपना घर और कार तक नहीं थी। उन्होंने अपना आखिरी समय किराये के मकान में गुजारा।

फीनी के फाउंडेशन अटलांटिक फिलैनथ्रॉपीज ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी दी है कि सैन फ्रांसिस्को में उनका निधन हो गया। फीनी ने 1960 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय के एक स्नातक सहपाठी के साथ लक्जरी सामानों में विशेषज्ञता वाले ड्यूटी-फ्री एयरपोर्ट स्टोर्स की एक शृंखला ड्यूटी फ्री शॉपर्स की स्थापना की थी।

1996 में, फीनी ने डीएफएस में अपने शेयरों को फ्रांसीसी लक्जरी सामान समूह एलवीएमएच को बेच दिया। ब्रांड की वेबसाइट के अनुसार, डीएफएस के पास कई महाद्वीपों में फैले 850 से अधिक बुटीक हैं। अटलांटिक फिलैंथ्रॉपीज के अनुसार, फीनी गिविंग व्हाइल लिविंग के प्रस्तावक थे, उनका मानना था कि वह मरने के बाद नींव स्थापित करने के बजाय जीवित रहने के दौरान अपनी संपत्ति का दान करके अधिक बदलाव ला सकते हैं।

फीनी ने अपनी एक जीवनी में कहा, जब आप मर जाते हैं तो देने की तुलना में जीवित रहते हुए देना अधिक मजेदार होता है। फाउंडेशन के अनुसार, फीनी ने 1982 में अटलांटिक फिलैनथ्रॉपीज की स्थापना की और दो साल बाद अपनी सभी व्यावसायिक संपत्तियों को इसमें स्थानांतरित कर दिया। 2020 में,

फाउंडेशन ने अपने दरवाजे बंद कर दिए और कहा कि उसने अपने सभी फंड सफलतापूर्वक दान में दे दिए हैं।

फाउंडेशन ने कहा कि कुल मिलाकर, अटलांटिक फिलैनथ्रॉपीज ने पांच महाद्वीपों में कुल आठ अरब डॉलर दान के रूप में दिए इसमें से अधिकांश गुप्त दान के रूप में दिए गए। उनके दान की राशि से शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और मानव अधिकारों के क्षेत्र में काम के लिए इस्तेमाल किया गया। फाउंडेशन की वेबसाइट के अनुसार, फीनी के दान की राशि का इस्तेमाल वियतनाम में बुनियादी ढांचे विकसित करने, आयरलैंड में विश्वविद्यालयों को मदद करने में किया गया। इसकी राशिर कैंसर व हृदय रोग के इलाज खोजने के लिए समर्पित चिकित्सा केंद्रों को भी दिया गया।

फीनी ने अपने जीवन के अंतिम तीन दशकों को मितव्ययिता से जीने का फैसला किया। फाउंडेशन के अनुसार, उनके पास कार या घर नहीं था, वह सैन फ्रांसिस्को में किराए के अपार्टमेंट में रहना पसंद करते थे। फीनी का जन्म एलिजाबेथ, न्यू जर्सी में ग्रेट डिप्रेशन के दौरान एक श्रमिक वर्ग के आयरिश-अमेरिकी परिवार में हुआ था, जिन्होंने जीआई बिल के समर्थन से 1952 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। वह अपने परिवार में कॉलेज जाने वाले पहले व्यक्ति थे।

विश्वविद्यालय में उनके निवेश के कारण फेनी को कॉर्नेल के तीसरे संस्थापक के रूप में संदर्भित किया गया है। कॉर्नेल की वेबसाइट पर जारी श्रद्धांजलि के अनुसार, उन्होंने 1982 से अपने फाउंडेशन के माध्यम से कॉर्नेल को लगभग एक बिलियन डॉलर दिए।

2011 में, फीनी ने बिल और मेलिंडा गेट्स और वॉरेन बफेट की ओर से शुरू की गई प्रतिबद्धता गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर किए, जो अमेरिका के सबसे धनी परिवारों और व्यक्तियों को परोपकारी प्रयासों के लिए अपनी संपत्ति समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। फीनी ने अपने प्रतिज्ञा पत्र में लिखा, मैं जीवित रहते हुए धन दान देने की तुलना में और किसी चीज को बेहतर नहीं समझता। हमें मानव जाति की स्थिति में सुधार के लिए सार्थक प्रयासों के लिए व्यक्तिगत रूप से खुद को समर्पित करना चाहिए।

कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या जल्द ही धमाकेदार बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी में

- मेहरा की अगली मूवी कर्ण में नजर आएंगे

मुंबई (ईएमएस)। कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या जल्दी ही धमाकेदार बॉलीवुड डेब्यू की भी तैयारी में हैं। खबरों की मानें तो जय भीम स्टार सूर्या जल्दी ही रंग दे बसंती फेम निर्देशक राकेश ओम प्रकाश मेहरा की अगली मूवी कर्ण में नजर आएंगे। ये मूवी भारतीय पौराणिक कहानी महाभारत की कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर कर्ण के किरदार पर केंद्रित होकर दिखाने वाली है। इस फिल्म में तमिल सुपरस्टार सूर्या लीड रोल निभाएंगे। खबर है कि इस मूवी पर मेकर्स पानी की तरह पैसा बनाने वाले हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इस मूवी का बजट 500 करोड़ रुपये रखा गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या की मूवी कर्ण को मेकर्स अगले साल तक फ्लोर पर ले जाएंगे। इस मूवी की शुरूआत तमिल सुपरस्टार सूर्या अपनी फिल्म वादी वासाल को पूरा करने के बाद करेंगे। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर सुधा कोंगरा बना रही हैं। इस मूवी को खत्म होने के बाद ही एक्टर कर्ण की शूटिंग शुरू करेंगे। जबकि, उनकी पहली पैन इंडिया रिलीज मूवी कंगुवा की शूटिंग भी पूरी होने के करीब है। इस मूवी के आखिरी शिड्यूल की शूटिंग जल्दी ही थाइलैंड में शुरू होगी।

यही नहीं, खबर है कि महाभारत जैसे बड़े प्रोजेक्ट पर बनने वाली सूर्या की कर्ण को मेकर्स 2 भागों में बनाने वाले हैं। इस फिल्म की बाकी स्टारकास्ट का खुलासा अभी नहीं हुआ है। न ही इस मूवी का अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐलान किया गया है। इधर, एक्टर की अपकमिंग मूवीज की बात करें तो कंगुवा, वादी वासाल और कर्ण के अलावा एक्टर अक्षय कुमार स्टारर मूवी सोराराई पोट्टरू रीमेक को लेकर भी चर्चा में हैं। इस मूवी में सूर्या कैमियो करते दिखेंगे। जबकि, इसके साथ ही वो लोकेश कनगराज के साथ अगली फिल्म को लेकर भी चर्चा में हैं। ये मूवी उनकी फिल्म विक्रम में दिखाए गए किरदार रोलेक्स को लेकर बनेगी। बता दें कि कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी मचअवेटेड मूवी कंगुवा को लेकर चर्चा में हैं। तमिल सुपरस्टार सूर्या की इस मूवी को निर्देशक शिवा बना रहे हैं। कॉलीवुड सुपरस्टार सूर्या की ये पहली पैन इंडिया मूवी है।

परिणीति का पकड़ा गया झूट, क्लासमेट ने खोली पोल

-एक्ट्रेस का पुराना वीडियो हो रहा वायरल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें उन्हें बचपन के दौरान सामना की गई कठिनाइयों के बारे में बात करते देखा जा सकता है। हालांकि, इस वीडियो पर उनके एक क्लासमेट ने आपत्ति जताई थी और उन्हें झूठा बताया था। परिणीति चोपड़ा का वायरल हो रहा वीडियो एक इंटरव्यू है। इसमें वह बचपन और स्कूल के दिनों को याद कर रही हैं और उस दौरान उनकी परिस्थितियां कैसी थीं, उसके बारे में बता रही हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके परिवार के पास बहुत पैसा नहीं था और इसलिए, उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। परिणीति चोपड़ा ने कहा, ह्लमैं अम्बाला से हूं। जब हम बड़े हुए तो हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मेरे दो भाई हैं। हमारे पास बहुत सारे पैसे नहीं थे। मैं साइकिल से स्कूल जाती थी। हमारे पास न तो कार थी, न ड्राइवर और न ही बस के लिए पैसे। हालांकि, परिणीति के ये क्लिप वायरल होने के तुरंत बाद, उनके कथित क्लासमेट ककनू गुप्ता ने उन्हें झूठा बताया और पॉपुलैरिटी के लिए झूठ बोलने पर आलोचना की। ककनू गुप्ता ने दावा किया कि परिणीति चोपड़ा ने मनगढ़ंत कहानी बनाई। परिणीति के पिता के पास एक कार थी जिसे उस समय लग्जीरियस माना जाता था। उन्होंने कमेंट में लिखा, उसी स्कूल से आने के कारण मुझे शायद वह कार भी याद है जो उसके पिता के पास हुआ करती थी। और उन दिनों साइकिल से स्कूल जाना एक चलन था और एक प्रिविलेज भी था, जो हर किसी को नहीं मिलता था। बाद में परिणीति ने भी अपने सहपाठी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए एक बयान जारी किया था। उन्होंने कहा कि उनका बयान गलत तरीके एडिट किया गया था। उन्होंने बताया कि भले ही उनके पिता के पास एक कार थी, लेकिन उसे और उनके भाइयों को इसे चलाने की परमिशन नहीं थी। उन्होंने कहा, मैं स्कूल जाने के लिए कार और ड्राइवर का इस्तेमाल करने के बारे में बात कर रही थी। बस इतना ही। बता दें कि परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को एन्जॉय कर रही हैं। एक दिन पहले ही उनका एक वीडियो जारी किया गया, जिसमें देखा गया कि उनके पति राघव चड्ढा के घर में उनकी फैमिली ने बड़ी धूमधाम से उनका स्वागत किया।

नेहा मलिक ने बिखेरा जलवा, ग्रीन रिवीलिंग गाउन में तस्वीरें वायरल

मुंबई (ईएमएस)। भोजपुरी सिनेमा की बोल्ड एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपनी खास तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर करके हुस्न का जलवा बिखेरा हैं। नेहा मलिक अक्सर ही सोशल मीडिया पर अपने लुक्स के जरिए कहर ढाती रहती हैं। वहीं, एक्ट्रेस नेहा मलिक ने एक बार फिर अपनी तस्वीरों से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। दरअसल, नेहा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड लुक देखने को मिला हैं। अगर बात उनके लुक की करें तो वो ग्रीन रिवीलिंग गाउन पहने नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने लुक को मैचिंग ईयररिंग और नेकपीस से कंप्लीट किया है, जिसमें वो खूब भा रही हैं। वहीं इस लुक के साथ एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक कई कातिलाना पोज दिए हैं, जिसको लेकर अब वो काफी ज्यादा लाइमलाइट बटोर रही हैं। तस्वीरों में नेहा मलिक का ये लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। उनके फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर ढेरों तारीफों भरे कमेंट किए हैं। यहां गौरतलब है कि भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती हैं। वह अपने फैन्स के लिए नई नई तस्वीरें अक्सर शेयर करती रहती हैं। नेहा मलिक अपने बोल्ड लुक और फैशन सेंस की वजह से आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं।

फैंस को भाया रिहाना का ग्लैमरस लुक

अमेरिकन पॉप स्टार रिहाना का ग्लैमरस लुक फैंस को बहुत भा रहा है। गौरतलब है कि वह 2 महीने पहले ही दूसरे बच्चे की मां बनी है। अमेरिकी पॉपसिंगर ने 22 अगस्त 2023 को बॉयफ्रेंड ए एपी रॉकी के दूसरे बेटे को जन्म दिया था। वहीं दूसरे बच्चे के जन्म के दो महीने बाद पहली बार रिहाना को बॉयफ्रेंड के साथ न्यूयॉर्क सिटी में पब्लिक प्लेस पर स्पॉट किया गया, जहां से कपल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में दो बच्चों की मां का बेहद ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है। उन्होंने डीप नेक व्हाइट शर्ट के साथ डेनिम जैकेट और मैचिंग पैंट पहनी हैं, जिसमें रिहाना काफी स्टाइलिश दिख रही हैं। डीप नेक शर्ट में सिंगर के क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। ग्ले में चेन्स और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। वहीं, रिहाना के बॉयफ्रेंड क्रीम कलर के पैंट-कोट में परफेक्ट दिख रहे हैं। इस फोटो में एक साथ कपल की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। फैंस को रिहाना का यह लुक काफी पसंद आ रहा है।

स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया पर किया फिलिस्तीन का सपोर्ट

इजराइल और फिलिस्तीन को लेकर इस समय सोशल मीडिया दो गुटों में बट चुका है। वहीं अब हर मुद्दे पर बेबाकी से राय रखने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अपनी इंस्टा स्टोरी पर स्वरा ने लिखा-जब फिलिस्तीनियों पर इजरायल के अंतहीन अत्याचारों, फिलिस्तीनियों के घरों पर जबरन कब्जा, जबरन बेदखली, बसे इजरायलियों की कट्टरता और हिंसा, फिलिस्तीनी बच्चों और किशोरों की हत्या, दशकों तक गाजा और गाजा में नागरिकों की नाकाबंदी और बमबारी, जिसमें स्कूलों और अस्पतालों पर बमबारी (रंगभेद और कब्जे का उल्लेख नहीं करना) पर आपने सदमा और आतंक महसूस नहीं किया तो मुझे इजराइल पर हुए अटैक पर शोक मना रहे लोगों का ये कृत पाखंड भरा लग रहा है। स्वरा के इस ट्वीट से उनका फिलिस्तीनी प्रेम सामने आया है।

सनी ने रीक्रिएट किया मेरा पिया घर आया ओ राम जी

अभिनेत्री सनी लियोनी भले ही लम्बे समय से फिल्मी परदे से दूर रह रही हैं, लेकिन आज अचानक से वह चचाओं में आ गई। सनी की चर्चा उनके हालिया जारी हुए म्यूजिक वीडियो की वजह से खूब हो रही है, जिसमें उन्होंने माधुरी दीक्षित का हिट गीत मेरा पिया घर आया ओ रामजी को रीक्रिएट किया है। यह फिल्म याराना का गाना है, जिसमें माधुरी दीक्षित के साथ ऋषि कपूर नजर आए थे। वर्ष 1995 में प्रदर्शित हुई यह फिल्म हालांकि बॉक्स ऑफिस पर असफल हो गई थी, क्योंकि इससे पहले इसी विषय पर बनी मनीषा कोइराला, नाना पाटेकर और जैकी श्रॉफ की फिल्म अग्निसाक्षी आ चुकी थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। वैसे माधुरी दीक्षित ने 90 के दशक में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्मों में काम किया। फैंस में उनको लेकर जबरदस्त क्रेज दिखता था। माधुरी अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के साथ डांसिंग स्किल से लोगों के दिलों में बस गई थीं।

पहले मुझे अनु मलिक से डर लगता था: सोनू निगम

-एक इंटरव्यू में अनु मलिक पर लगाये आरोप

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के संगीतकार अनु मलिक एक बार फिर अपने व्यवहार के चलते सुर्खियों में छाए हुए हैं। एक इंटरव्यू में अनु मलिक के बारे में बात करते हुए सोनू निगम ने बताया कि उनके करियर के शुरूआती दिनों में कैसे कंपोजर उन्हें डराया करते थे। सोनू निगम ने अनु मलिक संग अपनी पहली मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कंपोजर से उनकी मुलाकात एक रियलिटी शो के दौरान हुई थी। वह कहते हैं, पहले मुझे उनसे डर लगता था। जब मैं इंडस्ट्री में नया था तो वह मुझे डराते थे। वह मुझसे काफी बड़े हैं और उनके पास सालों का तजुर्बा था, इस वजह से वह मुझे डराते थे। मैं सिर्फ 14 साल का था जब मैं पहली बार उनसे मिला था। उन्होंने कहा था कि जब ये बड़ा हो जाए तो इसे मेरे पास ले आना। सोनू निगम आगे कहते हैं, जब मैं पहली बार मुंबई आया तो मैं और मेरे पिता उनसे मिलने गए। पहले वह मुझे बहुत डराते थे, लेकिन फिर धीरे-धीरे मुझे समझ आ गया कि मुझे उनसे कैसे निपटना है। आप जितना दबोगे, वह उतना ही दबाएंगे। हालांकि, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा और वह मेरे गुरु हैं। सोनू निगम से पहले दिग्गज सिंगर कुमार सानू भी अनु मलिक पर कुछ इस तरह के ही आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने कहा था, अनु मलिक थोड़ा खड़ूस टाइप के हैं। वह कभी किसी को प्रोत्साहित नहीं करते हैं। वह केवल निराश करते हैं। वह कहते थे, क्या हो गया तेरे गले में आज, मजा नहीं आया। अरुण बक्शी सहित बॉलीवुड के कई जाने- माने सिंगर्स अनु मलिक पर अनुचित व्यवहार के आरोप लगा चुके हैं। बता दें कि अनु मलिक म्यूजिक इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं। रियलिटी शो इंडियन आइडल के जज बनकर उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई थी। ये सिंगर और कंपोजर आए दिन किसी-न-किसी वजह से खबरों में बने रहते हैं।

मदहोश कर रहा काइली का दिलकश अंदाज

हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर का शिमीर गाउन में दिलकश अंदाज मदहोश कर रहा है। वह अपने लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। सोशल मीडिया पर उनकी स्टनिंग और बोल्ड तस्वीरें खूब तहलका मचाती रहती हैं। हाल ही में एक बार फिर काइली अपनी ग्लैमरस लुक की तस्वीरों को लेकर इंटरनेट पर छाई हुई हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि क्रीम कलर की शिमरी गाउन में ग्लैमरस और बोल्डनेस का तड़का लगा रही हैं। बॉडीकोन गाउन में एक्ट्रेस का किलर फिगर देखने को मिल रहा है। डीपनेक गाउन में उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। न्यूड मेकअप और ओपन वेवी हेयर्स से उन्होंने अपने लुक को अच्छे से कंप्लीट किया है और कैमरे के सामने दिलकश पोज दे रही है। काइली की इन तस्वीरों को देख उनके फैंस भी मदहोश हो रहे हैं। बता दें काइली जेनर अपने काम के अलावा सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती है। इस समय इस एक्ट्रेसके इंस्टाग्राम पर 400 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

टाइगर और कृति की फिल्म 'गणपत' का ट्रेलर रिलीज, 20 को रिलीज होगी फिल्म

टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'गणपत' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में टाइगर जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में उनके अलावा कृति सेनन और अमिताभ बच्चन भी नजर आएंगे। फिल्म में रोमांस और एक्शन देखने को मिलेगा। इसमें सिर्फ टाइगर ही नहीं बल्कि कृति भी एक्शन में नजर आएंगी। फिल्म 'गणपत' के एक्शन पैक्ड ट्रेलर में टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल देखने को मिला है। ट्रेलर में आपको मशीनगन से लेकर काफी कुछ नया देखने को मिलता है। टाइगर अपने ट्रांसफॉर्मेशन और एक्शन से दर्शकों के मुरीद हैं। इसी तरह कृति भी एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह पहली बार एक्शन और स्टंट करती नजर आ रही हैं। इसके साथ ही ट्रेलर में अमिताभ बच्चन की धमाकेदार एंट्री ध्यान खींचने वाली है। एक्शन के अलावा टाइगर और कृति का रोमांस भी देखने को मिलेगा। 'हीरोपंती' के बाद टाइगर और कृति की जोड़ी एक बार फिर ऑनस्क्रीन नजर आएगी। फिल्म में गुड्डू के गणपत बनने तक की कहानी दिखाई जाएगी। 'गणपत' के निर्देशक और लेखक विकास बहल हैं। फिल्म का निर्माण विकास बहल, विशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने किया है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6579

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6578 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7326

या	ज	गा	रा	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	ज	या	उ	ड़ि	या	स	ज	ड़
बं	ह	या	स्था	र्म	छ	स	या	न	य	म
क	गा	ल	नी	दे	हिं	दी	ता	ल	ल	क
ती	इ	ली	म	सं	व	ल	श	या	ला	ल
आ	ता	म	ई	र	ब	क	ल	लो	श	ज
सा	बा	चे	रा	ई	क	म	री	ग	प	न
मी	र	मी	प	ठी	ज	ना	र्द	न	प	त
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ज	प	मि
क	प	ल	प	द	या	स	मा	ब	प	ल
का	श्तो	चे	न्न	ई	गु	ज	रा	ती	प	ग

शब्द जाल में उन 10 भाषाओं के नाम ढूंढिए जो भारत में बोली जाती हैं. नाम उपर से नीचे, एवं तिरछे भी हैं.

राजस्थानी, मराठी, गुजराती, तमिल, हिंदी, पश्तो, बंगाली, उड़िया, आसामी, मलयालम.

शब्दजाल - 7325 का हल

चं	ज	गां	धी	ग	ब	ज	मं	प	सु	क
द्र	वा	भ	क	या	दों	का	ग	स	ख	ड़
शे	ह	या	ग	र्म	छ	स	ल	न	दे	क
ख	र	रा	र	त	वी	स	पां	ल	व	य
र	इ	म	म	सं	सिं	ल	डे	र	रा	ल
आ	ता	प्र	ई	र	ब	ह	फ	त	श	ज
जा	बा	सा	दा	ई	जी	स	प	ग	प	न
द	र	द	प	ता	ज	ज	र्द	न	प	स
क	ज	बि	ने	न	ला	तां	त्या	टे	पे	हो
क	म	स्मि	प	ला	या	स	मा	ब	प	य
का	न	ल	ला	लो	क	मा	न्य	ति	ल	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6279

3	6		4	7		5
	36		29		30	1
2		5			4	
	33		29	4	34	
1	7	3				2
	34		32	6	36	7
5		7		1		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6278 का हल

5	3	1	4	6	7	2
4	28	2	25	2	36	7
2	5	6	3	1	7	4
6	34	3	35	5	33	6
3	2	7	6	4	5	1
7	34	5	42	3	30	5
1	5	4	6	7	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

इंग्लैंड में अपने पहले जीटी कार रेस सप्ताहांत में साई संजय की विजयी शुरुआत

नई दिल्ली ।
भारतीय रेसिंग स्टार साई संजय ने यहां जीटीएच क्लास में जीटी कप चैंपियनशिप 300 के फाइनल में रेस जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया। सप्ताहांत के दौरान, साई ने दो दौड़ें जीतीं और दूसरी फीचर दौड़ में पी2 को समाप्त किया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए, उन्हें अनुभवी प्रतिस्पर्धियों के बीच ड्राइवर ऑफ द डे से भी सम्मानित किया गया। साई संजय ने कहा, यूके में जीटी4 कार में पहली बार प्रतिस्पर्धा करना एक रोमांचक अनुभव रहा है। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि क्वालीफाइंग में अपने समय के साथ मैं ब्रिटिश जीटी चैम्पियनशिप के शीर्ष -5 में होता। आगे की ओर देखते हुए, मैं सिल्वरस्टोन में कार को और अधिक देखने की योजना बना रहा हूं क्योंकि रेस सप्ताहांत से पहले हमारे पास ट्रैक का समय बहुत सीमित था। पहले दिन, टीम के साथी डेविस ने 1:55:744 के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कार को पोल पर पहुंचाया और 25: 39.518 में पहली स्प्रिंट रेस जीती। सप्ताहांत की पहली फ़ीचर रेस में, डेविस ने पहले ड्राइवर के रूप में शुरुआत की और पिट स्टॉप के बाद, साई ने बढ़त बनाए रखने और आसानी और अनुग्रह के साथ दौड़ पूरी करने का सराहनीय काम किया। रेसलैब जोड़ी ने 25-लैप की दौड़ में 51 मिनट, 45.513 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने 1: 58.009 का सर्वश्रेष्ठ लैप निकाला। दूसरे दिन, सेलम के रहने वाले साई ने 13 रेसलैब मैकलेरन आर्टुरा में 1:55:472 के समय के साथ तीसरे लैप में तूफानी गति डालकर हार्ट के मॉर्फियस रेसिंग मर्सिडीज-एएमजी जीटी4 से 1.4 सेकंड आगे रहकर अपनी गति साबित की। साई ने सप्ताहांत की 13-लैप की दूसरी स्प्रिंट रेस को पोल-टू-फिनिश से 25: 40.512 में और 30 सेकंड से अधिक के अंतर के साथ जीता। फ़ीचर (पिट-स्टॉप) रेस में टीम 51: 31.167 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही। रेसलैब के लिए डेविस ने शुरुआती दौर में अच्छी बढ़त हासिल की, लेकिन एक घटना के कारण जोड़ी को एक सेकंड के लिए समझौता करना पड़ा। स्पोर्ट्सकार्स में अपने पहले सप्ताहांत में प्रतिस्पर्धा करते हुए, भारतीय ने दिखाया कि उसकी क्वालीफाइंग गति कोई तुक्कानहीं थी, जिससे टीम को जोरदार जीत मिली। जॉन लैंकेस्टर (ड्राइवर कोच) ने कहा: यह उनके जीटी करियर की एक अविश्वसनीय शुरुआत है। साई ने सिंगल सीटर्स से जीटी कारों में अपना परिवर्तन करते हुए अच्छी तरह से अनुकूलित किया। पहले टेस्ट से पहले हमारा दिमाग खुला था, लेकिन डोनिंगटन में पांच लैप के बाद, मैं बहुत उत्साहित था। वह बहुत पेशेवर रहा है और कार के बारे में उसकी प्रतिक्रिया अच्छी रही है। वह पूरे सप्ताहांत में सबसे तेज़ आदमी रहा है और वास्तव में एक बहुत ही आशाजनक शुरुआत है। वीआईटी, चेन्नई का 20 वर्षीय मेक्ट्रोनिक्स छात्र पहली बार जीटीएच श्रेणी में गाड़ी चला रहा था।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भी रहेंगी राहुल पर नजरें

नई दिल्ली । विश्वकप क्रिकेट के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम का मुकाबला बुधवार को अफगानिस्तान से होगा। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच में भी बल्लेबाज के एल राहुल से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में सबसे अधिक रन बनाये थे। राहुल सर्जरी के कारण लंबे समय तक टीम से दूर रहे थे। इसके बाद भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। राहुल के 16 वें सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद वे विश्वकप से ठीक पहले एशिया कप में ही उतरे थे। इस कारण उनको विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलने पर भी सवाल उठे थे। वहीं विश्वकप में वह विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका में हैं। चोट के बाद वापसी करते हुए राहुल ने अब तक 7 पारियों में 101 की औसत से 402 रन बनाए हैं और उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन नाबाद 111 रन रहा है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक लगाये। उनका स्ट्राइक रेट 92 का रहा है। राहुल ने चोट के बाद जब से वापसी की है, वे रन बनाने के मामले में केवल शुभमन गिल से पीछे हैं। औसत और रन के मामले में वह कप्तान रोहित शर्मा से भी आगे हैं। इस दौरान गिल ने 6 पारियों में 81 की औसत से 403 रन बनाए हैं जिसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं विराट कोहली ने 4 पारियों में 266 जबकि रोहित शर्मा ने 5 पारियों में 190 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में राहुल ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे। राहुल को खराब प्रदर्शन के चलते टीम से भी बाहर होना पड़ा था। यहां तक कि उन्हें उपकप्तानी से भी हटा दिया गया था। इसको लेकर निराश राहुल ने कहा कि मेरी खूब आलोचना की जा रही थी।

अगले माह खेला जाएगा लीजेंड्स लीग क्रिकेट

LEGENDS LEAGUE CRICKET

नई दिल्ली । अब एक बार फिर पूर्व क्रिकेटरों को खेलते हुए देखने का अवसर आपको मिलेगा। ऐसा लीजेंड्स लीग क्रिकेट से संभव हो रहा है। ये लीग 18 नवंबर से 9 दिसंबर तक भारत में खेली जाएगी। इसके जरिये क्रिकेट प्रशसंकों को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इसमें दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटर खेलते हुए दिखेंगे। भारत में नए स्थानों पर लीजेंड्स लीग के आयोजन को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है। आयोजकों ने कहा कि लीग क्रिकेट प्रशंसकों के हित को ध्यान में रखते हुए उन स्थानों का चयन करेगी, जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला गया है जिससे खेल को बढ़ावा मिलेगा। इसमें कहा गया है कि लीग इस सत्र में और अधिक खिलाड़ियों को जोड़ेगी, जिससे यह दर्शकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक हो जाएगी। दोहा में पिछले सीज़न के दौरान कुछ शीर्ष खिलाड़ी, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है उन्होंने इसमें खेला था। इसमें जैसे सुरेश रैना, आरोन फिंच, हाशिम आमला, रॉस टेलर और क्रिस गेल जैसे कई दिग्गज शामिल थे। इंडिया कैपिटल्स ने सितंबर-2022 में खेला गया पहला सत्र जीता था। नए प्लेयर ड्राफ्ट पूल में टीमों की बरकरार रखने की नीति की घोषणा जल्द ही की जाएगी। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर रवि शास्त्री ने कहा, इसे आगे बढ़ाएं, विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का हमेशा स्वागत है। खेल में और अधिक दिग्गजों के शामिल होने से मैदान पर और अधिक आनंद आने की उम्मीद है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं रहेगा : स्मिथ

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी टीम का मुकाबला आसान नहीं रहेगा। स्मिथ के अनुसार दक्षिण अफ्रीकी टीम काफी अच्छी है और उसने अपने शुरुआती मैच में श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर रिकार्ड जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस मैच मे चार सौ से भी ज्यादा रन बनाये थे। इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ हैं। वहीं उनकी टीम को विश्व कप के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। भारत के खिलाफ मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 199 रन ही बना पायी थी। स्मिथ ने माना कि पहले ही मैच में उनके बल्लेबाज चेपॉक की पिच पर भारतीय स्पिनरों के सामने विफल रहे। एक समय दो विकेट पर 110 रन था जिसके बाद स्पिन आक्रमण ने उनकी टीम को ढ़हा दिया।

भारत और पाकिस्तान मैच में सुरक्षा के होंगे कड़े इंतजाम, 11,000 से ज्यादा पुलिस कर्मियों को किया जाएगा तैनात

नई दिल्ली ।
भारत और पाकिस्तान के बीच 14 अक्टूबर को होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले में गुजरात पुलिस, एनएसजी, आरएएफ और होम गार्ड्स सहित विभिन्न एजेंसियों के 11,000 से ज्यादा कर्मियों को नरेंद्र मोदी स्टेडियम और अहमदाबाद में तैनात किया जाएगा। एक सीनियर अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर मिली धमकियों के मद्देनजर उच्च-स्तर के सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। अहमदाबाद पुलिस कमीश्नर जीएस मलिक ने कहा कि भले ही अहमदाबाद ने पिछले 20 साल में क्रिकेट मैच के दौरान कोई सांप्रदायिक हिंसा नहीं देखी हो, लेकिन एहतियात के रूप में कई सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को तैनात किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक

गुजरात के मुख्यमंत्री भुपेंद्र पटेल ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, राज्य डीजीपी विकास सहाय, जीएस मलिक और अन्य सीनियर पुलिस अधिकारियों के साथ गांधीनगर में बैठक करके पुलिस एक्शन प्लान की समीक्षा की ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि बिना किसी परेशानी के हाई प्रोफाइल स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन हो सके।

मलिक ने शाम के समय प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि मुख्यमंत्री ने सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और पुलिस को निर्देश दिए कि ऐसे कदम उठाएं ताकि मैच के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हो। मलिक ने बताया कि स्टेडियम में एक लाख से ज्यादा दर्शकों के आने की उम्मीद है, जिसको ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। पता हो कि एक अनजान व्यक्ति ने ई-मेल के जरिये धमकी दी थी।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मलिक ने कहा, 7,000 से ज्यादा पुलिस कर्मियों के अलावा हम 4,000 होम गार्ड तैनात करेंगे ताकि मैदान सुरक्षित रखें। मैदान के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में कानून का पालन बरकरार रहे। इसके अलावा हम तीन हिट टीम और एनएससी की एंटी-ड्रोन टीम भी तैनात करेंगे। हमारी 9 बम पता करने वाली टीमें और डिस्पोजल स्क्वाड का भी उपयोग किया जाएगा।

मलिक ने कहा, राज्य रिजर्व पुलिस (एसआरपी) की 13 कंपनियों के अलावा, हम अपनी सुरक्षा व्यवस्था के हिस्से के रूप में रैपिड एक्शन फोर्स की तीन कंपनियों को तैनात करेंगे। आरएएफ शहर के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाकों पर नजर रखेगी। भगदड़ की स्थिति में लोगों की मदद के लिए हमने पहले ही निकासी योजना तैयार कर ली है और स्टेडियम में रिहर्सल भी चल रही है।

ई-मेल भेजने वाले की धमकी

उन्होंने कहा कि कोई केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लीयर आपातकालीन स्थिति में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को भी शहर में तैनात किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई पुलिस को एक ई-मेल मिला, जिसमें नहीं पहचाने गए इंसान ने प्रधानमंत्री को नुकसान पहुंचाने और साथ ही अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी। ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति ने 500 करोड़ रुपये की मांग की और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को जेल से रिहा करने की मांग की।

मलिक ने कहा, हमने इस तरह की धमकी का पता किया और अपनी तैनाती की योजना उसी मुताबिक बनाई है। जब मैच में एक लाख से ज्यादा दर्शक आ रहे हो तो सुरक्षा के ज्यादा इंतजाम करना जरूरी है। हम इस बात का भी ध्यान रख रहे हैं कि यह संवेदनशील मैच होगा और इससे सांप्रदायिक चिंता हो सकती है। शहर की पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

सात्विक-चिराग बीडब्लूएफ रैंकिंग में नंबर-1

यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय शटलर जोड़ी; एशियाड में बैडमिंटन में भारत को दिलाया था पहला गोल्ड

नई दिल्ली ।
सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार शटलर जोड़ी बीडब्लूएफ रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। यह पहली भारतीय जोड़ी है जिसने यह मुकाम हासिल किया है। ये नंबर-3 से टॉप पर पहुंचे हैं। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने ताजा रैंकिंग जारी की। सात्विक और चिराग की जोड़ी के अब 92,411 पॉइंट हैं।

एशियन गेम्स में पहली बार भारत को दिलाया गोल्ड

सात्विक-चिराग ने चीन में संपन्न हुए 19वें एशियन गेम्स में पहली बार भारत को बैडमिंटन में गोल्ड दिलाया। इससे पहले भारत ने एशियाई खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में कभी गोल्ड मेडल नहीं जीता था। पीवी सिंधु ने जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में विमेंस सिंगल्स इवेंट में सिल्वर जीता था, जो सात्विक-चिराग के गोल्ड जीतने से पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। सात्विक-चिराग ने अप्रैल में हुए एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत को 52 साल बाद मेंस डबल्स में गोल्ड दिलाया। इससे पहले इस चैंपियनशिप में भारत के लिए गोल्ड मेडल सिर्फ दिनेश खन्ना ने जीता था, जब उन्होंने 1965 में लखनऊ में थाईलैंड के सांगोब रत्तनुसोर्न को मेंस सिंग्लस के फाइनल में हराया था। वहीं इससे पहले इस चैंपियनशिप में भारतीय मेंस डबल्स टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कांस्य पदक रहा है जो 1971 में दीपू घोष और रमन घोष ने जीता था। पिछले साल सात्विक-चिराग ने कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा उन्होंने फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब और मौजूदा सीजन में इंडोनेशिया ओपन और स्विस ओपन 300 खिताब भी अपने नाम किया था।

शुभमन गिल का इस एकदिवसीय विश्वकप से होंगे बाहर

मुम्बई ।
भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का इस एकदिवसीय विश्वकप से बाहर होना तय है। इसका कारण है कि डेंगू से पीड़ित शुभमन की तबियत और खराब हो गयी है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इसका कारण उनका प्लैटलेट्स काउंट नीचे गिरना बताया गया है। शुभमन विश्वकप की शुरुआत से पहले ही बिमार हो गये थे। इस कारण वह चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच से भी बाहर थे। उनकी जगह भारतीय टीम में बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ईशान किशन को शामिल किया गया था। शुभमन अगर पूरे विश्वकप से बाहर होते हैं तो ये भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका होगा क्योंकि इस साल शुरुआत से ही उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं अब भारत का अगला मैच अफगानिस्तान के खिलाफ है जिससे भी वह पहले ही बाहर हो गये हैं। इसके अलावा उनके 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की संभावना भी तकरीबन समाप्त हो गयी है। भारतीय टीम ने चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की। वहीं अब भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ अपने दूसरे विश्व कप मुकाबले के लिए दिल्ली पहुंची है। भारत ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले कहा था कि शुभमन इलाज के लिए चेन्नई में रहेंगे और अफगानिस्तान के खिलाफविश्व कप मुकाबले के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, अफगानिस्तान 11 अक्टूबर को दिल्ली में होगा। वह चेन्नई में ही रुकेंगे और मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। शुबमन की अनुपस्थिति में भारतीय टीम के उसी अंतिम ग्यारह के साथ बने रहने की संभावना है जिसे उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप के शुरुआती मैच में खेला था। अरुण जेटली स्टेडियम में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा।

विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत का वीजा नहीं मिलने से परेशान हैं पाक प्रशंसक और प्रत्रकार

इस्लामाबाद ।
विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत का वीजा नहीं मिलने से पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रशंसक और पत्रकार परेशान हैं। ये सभी 14 अक्टूबर को होने वाले विश्वकप महामुकाबले को लेकर भी उत्साहित हैं पर वीजा नहीं मिलने से वे निराश हैं। वहीं कहा जा रहा है कि पाकिस्तान को स्थित भारतीय उच्चायोग वीजा को लेकर भारत के गृह मंत्रालय के निर्देशों का इंतजार कर रहा है पर इससे प्रशंसकों में बेसब्री बढ़ते जा रही है।

वीजा में देरी के कारण ही प्रशंसकों को विश्वकप मुकाबले देखने को नहीं मिल रहे। वहीं एक प्रसंशक ने कहा, 'सबसे बुरी बात यह है कि वीजा के कारण न आने वालों के लिए कोई रिफंड नीति नहीं है। उन्होंने इस बात पर निराश जताई कि मेजबान भारत के साथ खराब संबंधों का भी उन्हें नुकसान हो रहा है। इस कारण भी वीजा देने के लिए पर्याप्त दबाव भी नहीं बन रहा। वहीं कई प्रशंसक वीजा मुद्दे पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के ढ़ील रवैये से भी नाराज हैं। वहीं पाक विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत सरकार को खेल और राजनीति को अलग- अलग रखना होगा। साथ ही कहा कि इस मामले में आईसीसी को दबाव बनाना चाहिये। अभी तक आईसीसी ने कहा कि प्रयास किये जा रहे हैं पर कोई परिणाम नजर नहीं आ रहा। इस समय पाक के 50 मान्यता प्राप्त पत्रकारों में से केवल 15 को ही 14 अक्टूबर को भारत-पाक के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले वीजा दिया जाएगा।

इस्लामाबाद स्थित एक रिपोर्टर ने कहा, 'भारतीय उच्चायोग के अधिकारी पहले काफी संवेदनशील थे पर आजकल वे हमारा फोन भी नहीं उठा रहे हैं। पीसीबी ने कहा है कि वह प्रशंसकों और पत्रकारों के लिए वीजा जारी करने पर आईसीसी को उनके दायित्वों और सदस्यों के समझौते के बारे में याद दिलाकर संबंधित अधिकारियों के साथ मामले को उठाना जारी रखे हुए है।

सुरजीत हॉकी प्रतियोगिता 2023

पाकिस्तान टीमों के आने पर असमंजस बरकरार, विदेश मंत्रालय से हरी झंडी का अभी भी इंतजार

जालंधर।
जालंधर के ओलिंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में शुरु होने जा रहे सुरजीत हॉकी प्रतियोगिता में पाकिस्तान की दो टीमों पर असमंजस बरकरार है। गृह मंत्रालय से टीमों को हरी झंडी का इंतजार है। टीमें को वीजा मिल जाता है तो टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकती है। फिलहाल सुरजीत हॉकी सोसायटी मंत्रालय के फैसले का इंतजार कर रही है। हाल में ही चेन्नई में हॉकी चैंपियनशिप में पाकिस्तान टीम ने हिस्सा लिया था। टीम वाघा बार्डर के जरिए हिस्सा लेने के लिए पहुंची थी। वहीं एशियाई खेलों में भी भारत ने पाकिस्तान को हराया था। पहले कई बार पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुकी है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम हिस्सा लेती है तो मुकाबले रोचक होंगे। सोसायटी को उम्मीद है कि टीमों को मंत्रालय द्वारा हरी झंडी मिल सकती है। फिलहाल अभी टूर्नामेंट को दस दिन शेष है। टूर्नामेंट को लेकर तैयारियां मुकम्मल है। टीमों को ठहराने तक का इंतजार किया जा चुका है। हर सदस्य की ड्यूटी लग चुकी है।

इन टूर्नामेंट में विदेशी टीमें ले चुकी हैं हिस्सा - वर्ष 1989-पाकिस्तान, वर्ष 1994-तजाकिस्तान, वर्ष 1995-रुस, वर्ष 1995-बंग्लादेश, वर्ष 1996-मलेशिया, वर्ष 1997-यूएसए महिला टीम, वर्ष 1997-रुस-उज्बेकिस्तान, वर्ष 1998-रुस, वर्ष 2003-कनाडा, वर्ष 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2010 में पुरुष पाकिस्तान हाकी टीम, वर्ष 2011, 2012, 2013, 2014 में पाकिस्तान की पुरुष व महिला टीम हिस्सा ले चुकी है।

वर्ष 2014 के बाद पाकिस्तान की दो टीमें ले सकती है हिस्सा - सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट 25 अक्तूबर से तीन नवंबर तक चलेगा। जिसमें पाकिस्तान की दो टीमों के अलावा 18 टीमें हिस्सा ले रही है। रेलवे, इंडियन ऑयल, पीएनबी दिल्ली, पंजाब एंड सिंध बैंक, आरसीएफ कपूरथला, एफसीआइ दिल्ली, सीआरपीएफ दिल्ली, भारतीय वायु सेना, सीएजी दिल्ली, सीआइएपएफ दिल्ली, आर्मी इलेवन, आईटीबीपी जालंधर, भारतीय नौसेना मुंबई, एयर इंडिया, मुंबई, ओएनजीसी दिल्ली, पंजाब पुलिस, ईएमई जालंधर, बीएसएफ जालंधर टीमें हिस्सा ले रही हैं। सुरजीत हॉकी सोसायटी के सीईओ इकबाल सिंह संधू ने कहा कि पाकिस्तान की दो टीमें के खेलने में असंमजस बरकरार है। विदेश मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद टीमें टूर्नामेंट का हिस्सा बन सकती है। इस टूर्नामेंट में पहले पाकिस्तान टीम खेल चुकी है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने टूर्नामेंट खेलने की कंसेंट भेजी थी।

कंसेंट को विदेश मंत्रालय,गृह मंत्रालय व हॉकी इंडिया को भेज दिया था। विभागों से हरी झंडी मिलने के बाद टूर्नामेंट का हिस्सा बनेगी। टूर्नामेंट रोमांचक होगा। लोगों को मुकाबले बेहतर देखने को मिलेंगे। फिलहाल हाल में ही चेन्नई में एशियन ट्राफी हुई थी, जिसमें पाकिस्तान की हाकी टीम ने हिस्सा लिया था।

चेहरे को जवां बनाए रखने में बहुत ही फायदेमंद है दूध से बना ये फेस सीरम

अगर आप लंबे समय तक जवां बनी रहना चाहती हैं, तो बहुत ही जरूरी है स्किन केयर रूटीन फॉलो करना। जिसमें सबसे ज्यादा जरूरी चीज है क्लेंजिंग, टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग, लेकिन इनके अलावा कुछ और भी चीजें बढ़ती उम्र में स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए जरूरी हैं, जिसमें से एक है फेस सीरम। जिसके बारे में हम जानते तो हैं, लेकिन इसकी 20 से 30 एमएल की बॉटल भी इतनी महंगी आती है कि खरीदने से पहले कई बार सोचना पड़ता है, तो आज हम आपको घर में फेस सीरम बनाने का एक ऐसा लाजवाब तरीका बताने वाले हैं, जो पूरी तरह से नेचुरल है और सस्ता भी। अगर उबालते समय दूध फट जाए, तो आप क्या करते हैं? ज्यादातर घरों में इसका पनीर की तरह इस्तेमाल किया जाता है या फिर चीनी मिलाकर खोए की तरह, लेकिन एक और तरीका है इस फटे दूध को इस्तेमाल करने का और वे हो स्किन केयर में। आज हम फटे दूध से फेस सीरम बनाने का तरीका जानेंगे। फेस सीरम पॉल्यूशन और केमिकल युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट्स की वजह से डैमेज हुई स्किन को रिपेयर करने का काम करता है और त्वचा को गहराई से मॉयश्चराइज भी करता है।

ऐसे बनाएं फेस सीरम

सामग्री- 1 कप कच्?चा दूध, 1 चम्मच ग्लिसरीन, आधा नींबू, चुटकीभर हल्दी

ऐसे बनाएं फेस सीरम

- अगर पहले से दूध फटा हुआ है, तो इसके पानी का इस्तेमाल करके फेस सीरम बनाएंगे। अगर नहीं फटा है, तो इसके लिए पैन में दूध गर्म होने के लिए रख दें।
- दूध को फाड़ने के लिए इसमें नींबू का रस डालें। कुछ ही देर में दूध फट जाएगा।
- अब इसे छानकर इसका पानी अलग कर लें।
- अब इस पानी में एक चम्मच ग्लिसरीन और चुटकी भर हल्दी डालकर सारी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें।
- इसके बाद इसे एक स्प्रे बॉटल में भर कर फ्रिज में रख दें।

ऐसे करें सीरम का इस्तेमाल

- रात में सोने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करें।
- कॉटन या ड्रॉपर की मदद से सीरम की कुछ बूंदें चेहरे पर डालें।
- उंगलियों की मदद से कम से कम 4-5 मिनट तक चेहरे की सर्कुलर मोशन में मसाज करें।
- उसके बाद मॉयश्चराइजर लगाकर इसे लॉक कर दें।
- सुबह चेहरा को धो लें।

टाइगर-3 में जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी कैटरीना कैफ

टाइगर-3 में कैटरीना जोया का किरदार निभाती है। जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस का रोल है। फिलम में वह लड़ाई या रणनीति में टाइगर उर्फ सलमान खान से बराबरी करती हैं। कैटरीना के जोया के किरदार को एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है में उन्हें खूब प्यार मिला है। उन्होंने दिखाया है कि वह अपने दम पर अविश्वसनीय एक्शन सीक्वेंस कर सकती हैं। यशराज फिल्म्स ने मंगलवार को जोया के रूप में कैटरीना के सोलो पोस्टर का अनावरण किया गया। इस मौके पर लोगों ने उनके अभिनय की सराहना की। लोगों का कहना है कि टाइगर-वर्स कैटरीना कैफ के अलावा कोई भी जोया की भूमिका नहीं निभा सकता है। इस मौके पर कैटरीना ने खुलासा किया कि टाइगर-3 के शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण एक्शन दृश्यों को निभाने के लिए उन्होंने अपने बॉडी को *ब्रेकिंग पॉइंट* तक धकेल दिया। कैटरीना कहती हैं कि जोया वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस हैं और मुझे उनके जैसा किरदार पाकर बहुत गर्व है। वह उग्र है, वह साहसी है, वह पूरी तरह से समर्पित, वफादार है और सबसे बढ़कर वह हर समय मानवता के लिए खड़ी रहती है। उन्होंने कहा कि वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी रही है और मैंने हर फिल्म में खुद को परखा है। टाइगर-3 कोई अपवाद नहीं है। हम इस बार एक्शन दृश्यों को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे और मैंने फिल्म के लिए अपने बॉडी को ढाला है। शारीरिक रूप से यह मेरी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म रही है। एक्शन करना हमेशा रोमांचक होता है और मैं हमेशा से एक्शन जॉनर की प्रशंसक रही हूं। इसलिए, जोया का किरदार निभाना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मजबूत, साहसी, बदमाश और कोई रोकटोक नहीं। मैं लोगों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूं। जब वे जोया को स्क्रीन पर देखेंगे। वह टाइगर की यिन टू यांग है। फिल्म टाइगर-3 का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है और इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। यह फिल्म इस साल बड़ी दिवाली की छुट्टियों के दौरान रिलीज होगी।

नवरात्रि व्रत में खाएं आलू से बने ये स्वादिष्ट व्यंजन, स्वाद के साथ मिलेगी एनर्जी

हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। मां दूर्गा के भक्तों को इस त्योहार का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस त्योहार में मां दूर्गा की नौ दिनों तक पूजा की जाती है। माना जाता है कि देवी की सच्चे मन से आराधना करने पर सारी मनोकामना पूरी होती है। भक्त नौ दिनों तक व्रत भी रखते हैं। व्रत के दौरान शरीर में ऊर्जा बनाए रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में आप एनर्जी से भरपूर आलू खा सकते हैं। इसका इस्तेमाल कर आप कई तरह की रेसिपी ट्राई कर सकते हैं, जो व्रत के दौरान शरीर को ऊर्जावान रखने में मददगार हैं।

आलू का रायता : व्रत में खाया जाने वाला आलू पॉपुलर फूड है। आप फास्ट के दौरान आलू का रायता खा सकते हैं। इसे बनाना भी काफी आसान है। रायता बनाने के लिए उबले हुए आलू को मैश कर लें, इसके बाद फेंटे हुए दही में आलू को डालें। अब इसमें काली मिर्च, सेंधा नमक मिक्स करें और हरी धनिया की पत्तियों से गार्निश करें।

आलू की टिक्की : आलू की स्वाष्ट टिक्की आप शाम के नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। इसे बनाने के लिए मैश किए हुए उबले आलू में सेंधा नमक मिक्स कर लीजिए, फिर तवे को गर्म करें और तेल डालें, अब टिक्की को दोनों तरफ से सेंक लें। आप इसे चाय के साथ खा सकते हैं।

आलू का हलवा : अगर आप मीठा खाना पसंद करते हैं, तो आलू का हलवा भी ट्राई कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए घी में उबले आलू को भून लीजिए, इसमें दूध, चीनी डालें और इस मिश्रण को अच्छी तरह मैश कर लें। जब यह तैयार हो जाए, तो ड्राई फ्रूट्स से गार्निश करें।

दही आलू : अगर आप व्रत में फ्राइड आलू नहीं खाना चाहते हैं, तो उबले आलू में दही मिक्स कर लें, इसमें सेंधा नमक मिलाएं। चाहें तो हरी मिर्च और भुना हुआ जीरा पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। तैयार है स्वाष्ट दही आलू।

बच्चों में दिखे ये लक्षण तो हो सकती है डायबिटीज

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। यह बीमारी खराब लाइफस्टाइल, खानपान, मोटापा आदि के कारण हो सकती है। कई बार जेनेटिक वजहों से भी यह बीमारी होती है। अगर किसी पेरेंट्स को यह बीमारी है, तो कई बार इस समस्या से बच्चे को भी जूझना पड़ता है । वैसे आजकल बच्चों में भी यह समस्या काफी देखने को मिल रही है, इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स अपने बच्चों का खास खयाल रखें। डायबिटीज से बचने के लिए बच्चे को खाने पीने से लेकर हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करवाएं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें समय पर पहचान लेना बेहद जरूरी हैं।

अचानक वजन घटना : बच्चा जब खेलने-कूदने लगता है, तो उसका वजन घटना आम बात है, लेकिन अचानक से अगर बच्चे का वजन घट जाए, तो ये चिंता की बात हो सकती है, क्योंकि अचानक वजन घटना डायबिटीज का लक्षण होता है।

बार-बार पेशाब आना : कई बार बच्चा बार-बार पेशाब करने लगता है। नॉर्मल दिनों की अपेक्षा अगर बच्चा ज्यादा पेशाब कर रहा है, तो यह भी डायबिटीज का संकेत हो सकता है, इसलिए सर्तक बरतने की जरूरत है।

ज्यादा प्यास लगना : कई बार बच्चा बिना खेले-कूदे और पसीना बहाए ही बहुत ज्यादा पानी पीने लगता है। दरअसल, यह भी डायबिटीज का कारण हो सकता है। ब्लड में शुगर लेवल हाई होने के कारण ज्यादा प्यास लगने लगती है।

तेज भूख लगना : खेलने कूदने से ज्यादा भूख लगना अलग बात है, लेकिन अगर शरीर में ब्लड शुगर का बढ़ जाता है, तो बच्चे को ज्यादा भूख लगने लगती है। अगर बच्चा से खाने के बाद भी भूख लगने की शिकायत करता है, तो हो सकता है कि बच्चा शुगर से पीड़ित हो।

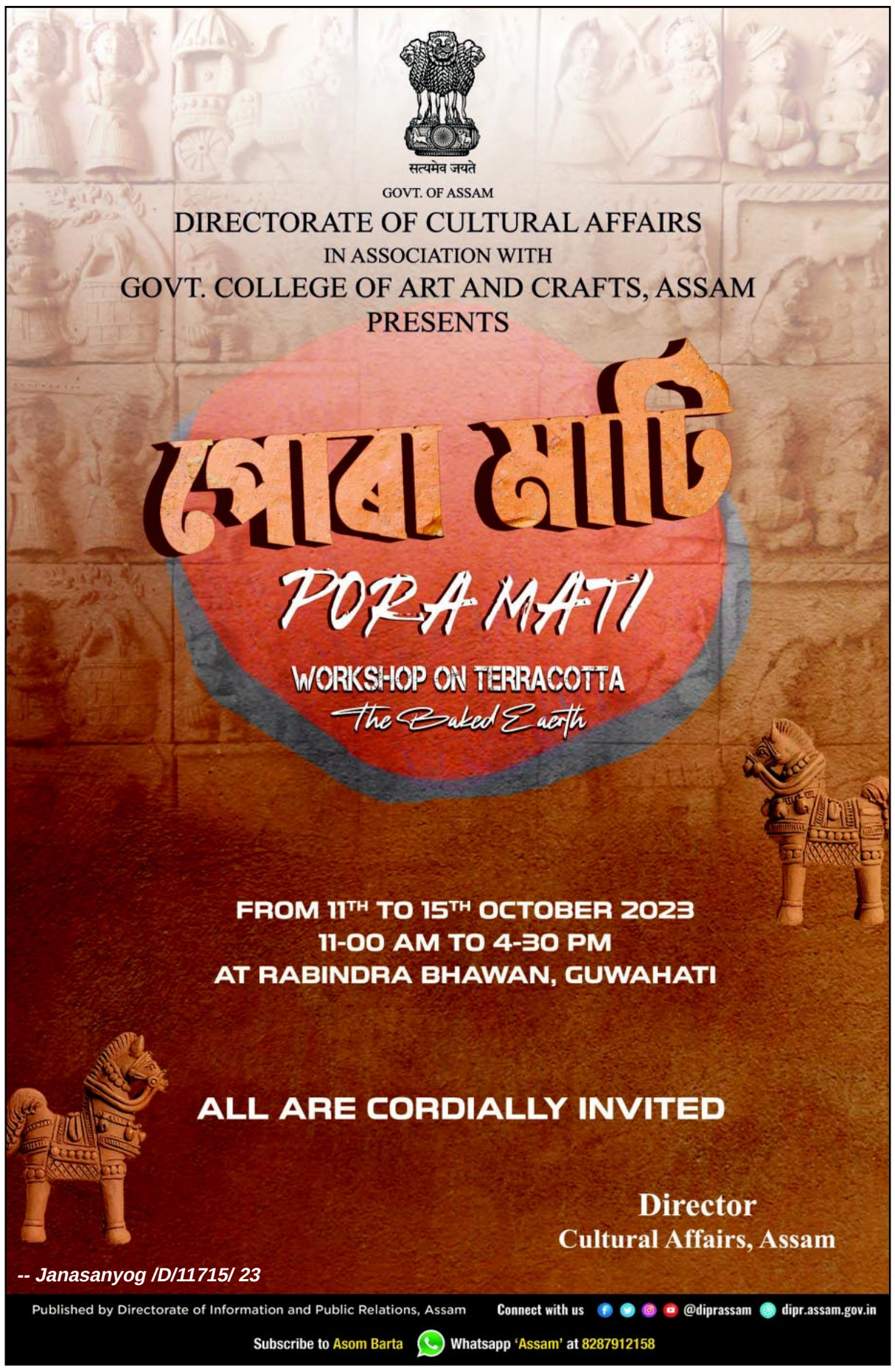

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**